राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 304
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 16 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन पर, पालिका परिषद् यशवंत प्लेस - चाणक्यपुरी पर वाणिज्यिक परिसर का निर्माण करेगी | पेज 5 योगी सरकार की नई पहल : वाराणसी, गोरखपुर और कानपुर सहित 13 शहरों में बनेंगे 26 सिटी फॉरेस्ट | पेज 7 श्रीलंका संकट : कर्फ्यू में 12 घंटे की ढील, नई कैबिनेट बनाएंगे विक्रमसिंघे

मुख्य चुनाव आयुक्त

श्री राजीव कुमार ने रविवार को नई दिल्ली में भारत के 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

असम-केरल में बाढ़ का आतंक

असम में बाढ़ से 6 जिलों में 25,000 लोग प्रभावित, लैंडस्लाइड में 3 की मौत; केरल में बारिश का रेड अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में मौसम की उथल-पुथल देखने को मिल रही है। कहीं गर्मी झुलसा रही है तो कहीं बाढ़ के हालात हैं। मौसम विभाग ने रविवार को दिल्ली, पश्चिम राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार के कई हिस्सों में हीटवेव की आशंका जताई है। इन राज्यों में गर्मी का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। उधर, केरल और असम में कई जगह भारी बारिश से बाढ़ आ गई है।

असम में बाढ़ के बाद हुई लैंडस्लाइड, 3 लोगों की मौत

असम कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। इसके चलते कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। असम के। होजाई और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिलों में कई गांव जलमग्न हो गए हैं। स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने बताया कि लैंडस्लाइड से हाफलोंग में करीब 80 घर बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

असम के छह जिलों में इस साल बाढ़ की पहली लहर से लगभग 25,000 लोग प्रभावित हुए हैं।

शनिवार को दीमा हसाओ जिले के हाफलोंग इलाके में लैंडस्लाइड में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। सेना के जवानों ने शनिवार रात कछार जिले के बालिचरा और बरखोला के बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान चलाया है।

असम और पड़ोसी राज्यों मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में लगातार बारिश हो रही है। इससे कई नदियों का जल स्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है और कोपिली नदी का पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है।

केरल में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी

भारतीय मौसम विभाग ने अरब सागर में तेज हवाओं के चलते केरल में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा रविवार को केरल के कई स्थानों पर बारिश का रेड और कुछ जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों से कहा है कि वे पहाड़ी इलाकों में न जाएं। और पर्यटक जहां हैं वहीं रहें और यात्रा करने से बचें।

16 मई को पंजाब सहित 9 राज्यों में बारिश की संभावना

16 मई को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और अंडमान-निकोबार के अलग-अलग स्थानों पर 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और भारी बारिश की संभावना है।

दिल्ली में पारा 47 के पार पहुंचा

दिल्ली में आज का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है, जबकि अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक गया। इससे पहले शनिवार (14 मई) को दिल्ली के कई इलाकों में पारा 47 डिग्री के पार पहुंच गया। दिल्ली के मुंगेशपुर में पारा 47.2 डिग्री सेल्सियस और नजफगढ़ में 47 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

भोपाल सहित 20 जिलों में लू का रेड अलर्ट

भीषण गर्मी का सितम शनिवार को भी बरकरार रहा। राजधानी में बादल छाने और बूंदाबांदी होने के बावजूद पारा 44.4 डिग्री पर पहुंच गया। शुक्रवार के मुकाबले इसमें सिर्फ 0.5 डिग्री की गिरावट हुई। रात में भी यहां तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र ने रविवार को भोपाल समेत 20 जिलों में लू चलने का रेड अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान में पारा 48 डिग्री के पार

राजस्थान में रविवार को न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है, जबकि अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के पार जाएगा। इसके साथ ही मौसम विभाग ने कई जिलों में हीट वेव की चेतावनी जारी की थी। शुक्रवार को श्रीगंगानगर में पारा 48.3 और धौलपुर में पारा 48.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

यूपी में प्रचंड गर्मी, बांदा का तापमान 49 पहुंचा

मौसम विभाग का कहना है कि आज यूपी में न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 48.2 डिग्री सेल्सियस रहा है। लखनऊ में शनिवार को तापमान 43 डिग्री रहा। वहीं, सबसे अधिक गर्मी बांदा जनपद में रही। यहां का तापमान लगभग 49 डिग्री के करीब पहुंच गया। मौसम विभाग ने आज 12 जिलों में हीटवेव की संभावना जताई है।

बिहार में 13 से 15 जून के बीच मानसून की एंट्री

बिहार में आज का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है, जबकि अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रहेगा। राज्य में 13 से 15 जून के बीच मानसून की एंट्री होगी। साल 2021 में 13 जून को यास तूफान के कारण बिहार में जमकर बारिश हुई थी। अब तक का पूर्वानुमान बिहार में सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश का है।

समय से पहले आएगा मानसून

मौसम विभाग के मुताबिक इस साल देश में मानसून के समय से पहले आने का अनुमान है। IMD के अनुसार केरल में मानसून के 27 मई से लेकर 3 जून तक सेट होने के संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य रूप से 1 जून को केरल में सेट होता है। बीते पांच में से 4 साल यह 29 मई से लेकर 3 जून के बीच सेट होता रहा है। सिर्फ 2019 में यह सबसे लेट 8 जून को केरल पहुंचा था।

त्रिपुरा के नए सीएम बने माणिक साहा, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

बिप्लब देब के इस्तीफे के बाद चुने गए थे विधायक दल के नेता

एजेंसी

त्रिपुरा। माणिक साहा त्रिपुरा के नए सीएम बन गए हैं। राज्यपाल सत्यदेव नारायण राय ने उन्हें राजभवन में शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व सीएम बिप्लब देब सहित कई नेता शामिल हुए। शनिवार को बिप्लब देब के इस्तीफे के बाद साहा को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर एक बैठक में विधायक दल का नेता चुना गया था। शपथ ग्रहण के बाद सीएम माणिक साहा ने कहा कि भाजपा और पीएम मोदी के जो विकास के मुद्दे हैं उन्हें लेकर आगे बढ़ेंगे। कानून व्यवस्था को और बेहतर किया जाएगा। त्रिपुरा वासियों की समस्याओं का सब के साथ बात करके समाधान करेंगे। साहा त्रिपुरा बीजेपी के अध्यक्ष हैं और राज्यसभा सांसद भी हैं। वह 2016 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। उन्हें 2020 में पार्टी प्रमुख बनाया गया और इस साल मार्च में राज्यसभा के लिए चुने गए।

बिप्लब बोले- पार्टी सबसे ऊपर और मैं निष्ठावान कार्यकर्ता

बिप्लब देब ने शनिवार शाम इस्तीफे के तुरंत बाद मीडिया के सामने आए और कहा, पार्टी सर्वोपरि है और मैं एक निष्ठावान कार्यकर्ता हूं। हाईकमान ने मुझ पर भरोसा जताया था और अब इस्तीफा देने के लिए कहा है इसलिए मैंने इस्तीफा दे दिया। इस बारे में मैंने पीएम मोदी और अमित शाह से बात कर ली है। उन्होंने कहा कि अभी चुनाव में देरी है। अब मैं पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करूंगा।

त्रिपुरा में अगले साल होंगे चुनाव

त्रिपुरा में फरवरी 2023 में चुनाव होने हैं। नए मुख्यमंत्री 2023 चुनाव की तैयारियों के लिहाज से ही चुना गया है। पार्टी इस बार पिछले बार के लोकप्रिय नारे चलो पलटाई से किनारा करते हुए विकास के कामों पर जनता के बीच जाने की योजना बना रही है।

2018 में त्रिपुरा में पहली बार बनी थी भाजपा सरकार

त्रिपुरा में 2018 में पहली बार भाजपा की सरकार बनी थी, जिसके बाद बिप्लब को मुख्यमंत्री बनाया गया था। सूत्रों के मुताबिक, पिछले महीने करीब 14 भाजपा के विधायकों ने गुट बनाकर हाईकमान से शिकायत की थी। हर बार बिप्लब देब की काबिलियत को लेकर निशाना साधा गया। हालांकि, उस वक्त कोई फैसला नहीं लिया गया था। अब चुनाव को देखते हुए पार्टी ने सख्त कदम उठा लिया है।

टिकैत की भारतीय किसान यूनियन में दो फाड़

बीकेयू अराजनैतिक के नाम से नया संगठन बना, राकेश टिकैत बोले- ये सरकार के इशारे पर हुआ

एजेंसी

गाजियाबाद। चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत का भारतीय किसान यूनियन यानी बीकेयू उनकी पुण्यतिथि पर ही दो धड़ों में बंट गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत और प्रवक्ता राकेश टिकैत अलग-थलग पड़ गए हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंह चौहान के नेतृत्व में नई भाकियू (अराजनैतिक) बनाई गई है। खुद राजेश सिंह चौहान इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेश टिकैत और राकेश टिकैत राजनीति करने वाले लोग हैं। विधानसभा चुनाव में एक दल का प्रचार करने के लिए कहा गया था।

इसके बाद मुजफ्फरनगर में राकेश टिकैत ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, हमने मनाने की कोशिश की थी। मैं लखनऊ भी गया था। वे (राजेश सिंह) मान भी गए थे, फिर भी चले गए। लगता है कि ज्यादा प्रेशर था। सरकार अपनी मंशा में कामयाब हो गई। ये सबकुछ सरकार के इशारे पर हुआ है। कुछ लोगों के जाने से संगठन पर असर नहीं पड़ेगा।

पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि राकेश टिकैत को क्च्य से निकाल दिया गया है और उनके भाई नरेश टिकैत को अध्यक्ष पद से हटाया है। बाद में राजेश सिंह चौहान ने नया संगठन बनाने की ऑफिशियल जानकारी देकर इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया।

बता दें कि 2 दिनों तक राकेश टिकैत लखनऊ में रहकर डैमेज कंट्रोल में जुटे थे, लेकिन वह सफल नहीं हुए। टिकैत का साथ छोड़ने वाले किसान नेता इस बात से खफा हैं कि यह संगठन अब किसानों के मुद्दों को छोड़कर राजनीति की तरफ जा रहा है।

लखनऊ में राजेश सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, कार्यकारिणी के फैसले के बाद मूल भारतीय किसान यूनियन की जगह अब भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) का गठन किया गया है। मेरा 33 सालों का संगठन का इतिहास है।

13 महीने के आंदोलन के बाद जब हम घर आए तो हमारे नेता राकेश टिकैत राजनीतिक तौर पर प्रेरित दिखाई दिए। हमने उनसे बात की। हमने कहा कि हम अराजनैतिक लोग हैं। हम किसी भी राजनीतिक संगठन के सहयोग में नहीं जाएंगे।

हमने देखा कि हमारे नेताओं ने कुछ राजनीतिक दल के प्रभाव में आकर एक दल के लिए प्रचार करने के लिए आदेशित किया। मैंने इसका विरोध किया, लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी। चुनाव के बाद कहा गया कि EVM की रक्षा करें। हमने कहा कि यह किसानों का काम नहीं है। मैंने उसका भी विरोध किया। यह राजनीतिक दल के लोगों का काम है।

बीकेयू (अराजनैतिक) का अध्यक्ष हूं। हम 13 महीने आंदोलन के बीच रहे। आंदोलन में बराबर साथ दिया। न मैंने चंदे का रुपया छुआ। 33 साल में जितने भी हिंदुस्तान में आंदोलन हुए हैं। कंधे से कंधा मिलाकर लड़ा। अब मैं राजनीतिक दल में नहीं रहूंगा।

हमारा काम किसानों को सम्मान दिलाना है। राकेश टिकैत अपने संगठन के अध्यक्ष हैं। मैं कोई कॉन्ट्रोवर्सी नहीं क्रिएट नहीं करना चाहता हूं। यह नया संगठन है।

टिकैत फैमिली को लेकर सवाल पूछने पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। बता दें कि राजेश सिंह चौहान यूपी के फतेहपुर जिले के रहने वाले हैं।

मुंडका हादसा : घेवरा इलाके से इमारत का मालिक गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास बीते शुक्रवार को एक इमारत में लगी भीषण आग में 27 लोगों की मौत और कई अन्य के झुलसने के मामले में पुलिस ने अब उस इमारत के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त (बाहरी) समीर शर्मा ने बताया कि मुंडका इलाके में भीषण अग्निकांड की घटना के तुरंत बाद इमारत का मालिक मनीष लकड़ा फरार हो गया था। शर्मा ने कहा कि मुंडका इलाके के अग्निकांड में बड़ी सफलता मिली है, जिसमें इमारत के फरार मालिक मनीष लकड़ा को बाहरी जिले की पुलिस टीम ने दिल्ली और हरियाणा में कई बार छापेमारी कर दिल्ली के घेवरा इलाके से गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि जब लकड़ा को गिरफ्तार किया गया उस समय वह हरिद्वार भागने की फिराक था। डीसीपी ने कहा, उसने अपना फोन तोड़कर कहीं फेंक दिया था, ताकि उसके लोकेशन का पता नहीं लगाया जा सका। अग्निकांड के बाद लकड़ा अपने परिवार के साथ फरार हो गया था।

मुंडका अग्निकांड : एनएचआरसी का जांच दल घटनास्थल का दौरा करेगा

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मुंडका अग्निकांड मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वत: संज्ञान लेकर रविवार को दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर घटना के संबंध में एक रिपोर्ट दाखिल करने को कहा।

एनएचआरसी ने घटना की जांच के लिए घटना घटनास्थल पर एक दल शीघ्र भेजने का फैसला किया है।

एनएचआरसी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि 27 लोगों की मौत की इस विनाशकारी घटना ने अग्नि सुरक्षा तंत्र की खामियों को उजागर किया है। इस से यह भी पता चलता है कि दिल्ली के संबंधित अधिकारियों ने अतीत में इसी तरह की विनाशकारी घटनाओं से कोई खास सीख नहीं ली। अग्नि सुरक्षा के समुचित उपाय करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया।

एनएचआरसी ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को दो हफ्तों के भीतर एक रिपोर्ट करने के लिए एक नोटिस जारी किया। आयोग ने संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने, अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई, सरकार द्वारा दी गई राहत, पुनर्वास की स्थिति और सरकार द्वारा दी गई राहत/पुनर्वास की स्थिति को दुरुस्त करने संबंधी कार्यवाही रिपोर्ट पेश करने को कहा।

आयोग ने मीडिया रिपोर्टों के का संज्ञान लेते हुए कहा है कि यह विनाशकारी घटना राष्ट्रीय राजधानी में संबंधित अधिकारियों के वैधानिक कर्तव्यों की पूरी उदासीनता कारण पीड़ितों के मानवाधिकारों के उल्लंघन का सबसे खराब मामला है।

आयोग ने मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि दिल्ली के कई क्षेत्रों में अनधिकृत निर्माण के कारण आग लगने की संभावना बनी हुई है।

एनएचआरसी के बयान में 2019 में दिल्ली के अनाज मंडी क्षेत्र में आग की घटना का जिक्र किया गया है। इस घटना में 43 लोगों की मृत्यु हो गई थी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को समस्या से निपटने के लिए एक कार्य योजना निर्धारित करने का निर्देश दिया था।

आयोग का कहना है रिपोर्ट की गई थी कि आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा एक विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन किया गया था और एमसीडी द्वारा एक अंतर-विभागीय समिति का गठन किया गया था। पैनल ने वर्ष 2020 में अपनी कार्य योजना प्रस्तुत की थी और एसटीएफ ने 2021 में अपनी सिफारिशें दीं, लेकिन दोनों अभी तक लागू नहीं किए गए हैं।

यमुना नहर में बहे 6 युवक : यमुनानगर में नहाने गए युवकों ने एक गैंग के हमले से डर कर लगाई छलांग

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर से बड़ी खबर आ रही है। यहां बुड़िया थाना के नजदीक यमुना नहर में 5-6 युवक बह गए हैं। सभी जगाधरी के बताए जा रहे हैं। इनमें से पांच के नाम सुलेमान, अलाउद्दीन, सनी, निखिल और साहिल बताए जा रहे हैं। पुलिस और गोताखोरों ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है। डीएसपी सुभाषचंद मौके पर पहुंचे गए। प्रशासनिक अधिकारी मामले को लेकर कुछ भी क्लीयर नहीं कर रहे हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यमुनानगर में रविवार को 8-10 युवक नहाने के लिए बुड़िया थाना के पास यमुना नहर पर रुके थे। इन युवकों की एक दूसरे गैंग के साथ पुरानी रंजिश चली आ रही है। इस बीच दूसरे पक्ष के युवकों को पता चला तो 20-25 मोटरसाइकिल पर सवार होकर युवक मौके पर पहुंच गए। दोनों गैंग आमने सामने आए तो आरोप है कि एक पक्ष ने दूसरे पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए।

बताया गया है कि नहाने आए युवकों में से कुछ ने डर के मारे यमुना नहर में छलांग लगा दी। इनमें से चार युवक तो किसी तरह जान बचाकर नहर के दूसरे छोर पर पहुंच गए लेकिन पांच-छह युवक पानी के तेज बहाव में बह गए। युवकों के डूबने की जानकारी मिलते ही बुड़िया थाने के स्।ह लज्जाराम और डीएसपी सुभाषचंद मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू शुरू करवाया। यमुना नहर में पांच-छह युवकों के बहने की सूचना मिलते ही लोगों की यमुना पर भीड़ लग गई। मौके पर पहुंचे एक गोताखोर ने बताया कि उनको सूचना मिली थी कि कुछ युवकों ने डर के मारे यमुना में छलांग लगाई है।

वे मौके पर पहुंच कर युवकों का सुराग लगाने में जुटे हैं, लेकिन फिलहाल यमुना में बहे युवकों के बारे में कोई सुराग नहीं लगा है।

पुलिस प्रशासन मौके पर बचाव अभियान चलाए हुए हैं। फिलहाल मामले को लेकर प्रशासन को लेकर किसी तरह की पुष्टि नहीं की जा रही है। यमुना नहर के दोनों किनारों पर लोगों की भीड़ लगी है। पुलिस के जवान भी मौके पर मौजूद हैं।

कोविड-19

देश में सबसे अधिक 673 केस राजधानी दिल्ली में दर्ज किए गए, जबकि 4 लोगों की मौत हुई

पिछले 24 घंटे में मिले 1913 नए केस, 6 की मौत

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1,913 नए केस सामने आए हैं, जबकि 6 लोगों की मौत हुई है। वहीं, एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या घटकर 16,261 हो गई है। शुक्रवार को 2841 नए केस मिले थे। महामारी की शुरुआत से अब तक देश में कुल 5.24 लाख लोगों की मौतें हो चुकी हैं। देश में मौजूदा रिकवरी रेट 98.74 प्रतिशत है।

देश में सबसे अधिक 673 केस राजधानी दिल्ली में दर्ज किए गए, जबकि 4 लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा मौतें दिल्ली में हुई हैं। यहां पॉजिटिविटी रेट 4.97 प्रतिशत हो गया है।

दिल्ली के बाद इन राज्यों में सबसे ज्यादा केस

हरियाणा में शनिवार को कोरोना के 343 नए केस सामने आए हैं, जिसके बाद कुल केस 99 लाख से ज्यादा हो गए हैं। राज्य में कोरोना से मरने वालों की संख्या 10,621 हो चुकी है। पॉजिटिविटी रेट प्रति 100 टेस्ट के हिसाब से 2.36 प्रतिशत है। राज्य में कोरोना के 14,843 टेस्ट किए गए। वहीं महाराष्ट्र में 248 नए मामले मिले हैं, जबकि 1 की मौत हुई है। राज्य में कोरोना एक्टिव केस 1439 हैं और कुल मामले 78 लाख से ज्यादा हो गए हैं। राज्य में शनिवार को 28,032 टेस्ट किए गए।

देश में 190 करोड़ से ज्यादा हुआ कोरोना वैक्सीनेशन

देश में कोरोना टीकाकरण कवरेज 191.15 करोड़ (1,91,15,90,370) से अधिक हो गया है।

अब तक यूपी में सबसे ज्यादा वैक्सीनेशन 31.99 करोड़ (31,99,42,294) से ज्यादा हो चुका है। यूपी के बाद महाराष्ट्र में 16.59 करोड़ (16,59,36,233) वैक्सीनेशन हो चुका है।

अफ्रीका में कोरोना से हुईं 2 लाख से ज्यादा मौतें

अफ्रीका सीडीसी ने कहा कि देश में कोविड-19 के 1.15 करोड़ से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। पूरे महाद्वीप में अब तक कोरोना से 252,626 मौतें हो चुकी हैं और 1.08 करोड़ लोग रिकवर हो चुके हैं। सरकार के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका, मोरक्को, ट्यूनीशिया और मिस्र महाद्वीप सबसे अधिक कोरोना मामले वाले देश हैं। मध्य अफ्रीका सबसे कम कोरोना प्रभावित वाला क्षेत्र है।

शार्ट न्यूज

वैष्णो देवी मंदिर के पास जंगलों में लगी आग

जम्मू। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी की त्रिकुट पहाड़ियों के जंगलों में शनिवार को भीषण आग लग गयी। पुलिस ने रविवार को बताया कि जंगलों में आग कल लगी और धीरे-धीरे उसने पहाड़ के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया।अधिकारियों हालांकि कहा ,आग के कारण वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा प्रभावित नहीं हुई है और तीर्थयात्री भवन की तरफ सुचारु रूप से जा रहे हैं।आग बड़े पैमाने पर लगी है और यह धीरे-धीरे त्रिकुट के जंगलों में फैल रही है। पुलिस ने बताया कि वन विभाग के दमकल कर्मी, पुलिस और श्राइन बोर्ड के कर्मचारी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे हुए हैं।

नगरपालिका अधिकारियों की घेराबंदी के आरोप में 10 व्यापारी गिरफ्तार

पुडुचेरी। पुडुचेरी नगर पालिका अधिकारियों की घेराबंदी करने के आरोप में यहां संडे मार्केट के दस व्यापारियों को गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि नगर पालिका ने संडे बाजार के व्यापारियों से 'आदिकासु' (जगह का किराया) वसूल करने का काम एक निजी पार्टी को सौंपा था। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि निजी पार्टी तय शुल्क से अधिक ले रही है और इसका विरोध किया। इस बीच, निजी पार्टी के सदस्य पुलिस के साथ संडे मार्केट में आकर हर व्यापारी द्वारा लिए गए स्थान को मापा और इसके हिसाब से शुल्क जमा किया। जब कुछ व्यापारियों ने इसका विरोध करते हुए पैसा देने से इनकार कर दिया, तो उनके सामान एक वैन में लाद दिए गए, जिसे व्यापारियों ने घेर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और व्यापारियों को फिलहाल भुगतान करने और बाद में नगरपालिका के उच्च अधिकारियों के साथ चर्चा करने की सलाह दी। इसके बाद भी हालांकि, व्यापारियों का तर्क जारी रहा, जिसके चलते पुलिस ने 10 को गिरफ्तार कर लिया और मौके से हटा दिया।

बिजली बिल के फर्जी एसएमएस भेजकर हो रही उपभोक्ताओं से ठगी की कोशिश

चंडीगढ़। हरियाणा में साइबर ठगी का एक नया तरीका सामने आया है जिसमें बकाया बिल के फर्जी एसएमएस भेजकर उपभोक्ताओं को ठगने की कोशिश हो रही है। हरियाणा पुलिस ने रविवार को एक एडवाइजरी जारी कर इस ठगी के तरीके के बारे में बताया। साइबर जालसाज़ लक्षित फोन नंबरों पर टेक्स्ट मैसेज भेजते हैं, जिसमें कहा जाता है कि आपकी बिजली काट दी जाएगी क्योंकि आपके पिछले महीने का बिल अपडेट नहीं हुआ है और दिए गए नंबर से संपर्क करने के लिए कहा जाता है। एक बार उपभोक्ता ने दिए गए नंबर पर संपर्क किया तो वह फंस जाता है। उसे पिछले भुगतानों को सत्यापित करने के उद्देश्य से बैंक खाते के विवरण साझा करने के लिए मनाने की कोशिश की जाती है और साथ ही एनीडेस्क, टीम व्यूअर जैसे रिमोट एक्सेस एप्लिकेशन इंस्टॉल करने के लिए भी कहा जाता है। जैसे ही उपभोक्ता दिए गए निर्देशों का पालन करके जानकारी साझा करता है, तो साबइर ठगी करने के लिए पीड़ित का बैंक खाता जालसाज के नियंत्रण में आ जाता है।

अलवर में ट्रक एवं टैम्पो की टक्कर में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

अलवर। राजस्थान के अलवर में अलवर-सिकन्दरा मेगा हाईवे मार्ग पर ट्रक एवं टैम्पो की टक्कर में आज सुबह एक ही परिवार के चार लोगो की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार राजगढ़ से एक परिवार बांदीकुई के पास देवी देवताओं के जाकर वापस लौट रहा था कि मार्ग पर सूरेर स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास सुबह साढ़े चार बजे उनका टैम्पो ट्रक से टकरा गया। बाद में जेसीबी की सहायता से शवों को बाहर निकाला। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान निवासी भोली वालो का बास अलवर रोड राजगढ़ के हरिराम सैनी उनके पुत्र डब्लू राम सैनी, पत्नी रज्जो देवी तथा बहू मीरा देवी के रूप में की गई है।

कटिहार में ट्रक की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत

कटिहार। बिहार में कटिहार जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में रविवार को ट्रक की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि बाइक पर सवार तीन युवक एक शादी समारोह में शिरकत करने पूर्णिया जा रहे थे । इस दौरान सिरसा के समीप कटिहार- पूर्णिया राजकीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बाइक सवार तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी। सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान भीम महलदार , प्रमोद महलदार और उमेश महलदार के रूप में की गयी है ।शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए कटिहार सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

शादी का झांसा देकर दलित महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम शहर की सैनिक कालोनी में एक दलित महिला को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दीनदयाल नगर पुलिस सूत्रों के अनुसार यहाँ सैनिक कालोनी निवासी 26 वर्षीय दलित महिला ने अपनी शिकायत में बताया है कि सौरभ बंदवार निवासी लौहार रोड पिछले एक वर्ष से शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था, लेकिन जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी ने शादी करने से इंकार कर दिया। आरोपी ने महिला को जान से मारने की धमकी देते हुए जातिसूचक शब्दों से भी उसे अपमानित किया है। इस मामले में प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पांच किलोग्राम से अधिक गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के श्यामपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने 5 किलो 100 ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से मिली थी कि श्यामपुर में सोठी रोड पर गांजा का अवैध कारोबार करने वाला एक व्यक्ति घूम रहा है। इसके बाद पुलिस बल ने मौके पर पहुंच कर शाजापुर जिले के काक्रिया मुंडला गांव के निवासी राईस खां को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 05 किलो 100 ग्राम गांजा जप्त किया गया। जप्त गांजा का अनुमानित बाजार मूल्य 50 हजार रुपए बताया गया है। आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

शिवराज ने लगाए पीपल और नीम के पौधे

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट पार्क में पीपल और नीम के पौधे लगाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यहाँ स्थित स्मार्ट पार्क में पीपल और नीम के पौधे लगाएं। उनके साथ भारत गृह निर्माण संस्था मर्यादित के लोगों ने भी पौध रोपण किया। श्री चौहान ने संस्था को उसके उत्कृष्ण कार्यो के शुभकामनाएं भी दी। इस मौके पर बताया गया कि भारत गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित को स्वच्छता के क्षेत्र में नगर निगम भोपाल द्वारा गत वर्ष पुरुस्कार प्रदान किया गया है। कॉलोनी व पार्क में पौधरोपण कर संस्था उसकी देखभाल कर रही है।

सीमांकन कार्य के लिए रिश्वत लेते हुए राजस्व निरीक्षक गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल की लोकायुक्त पुलिस ने जमीन का सीमांकन करवाने के मामले में एक राजस्व निरीक्षक और उसके सहयोगी को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। लोकायुक्त विभाग से मिली जानकारी के अनुसार भोपाल जिले के कोलार तहसील में स्थित ग्राम हिनोतिया में जी़ पी़ त्रिपाठी की पांच हजार वर्ग फीट जमीन है, जिसका सीमांकन कराया जाना था। इस मामले में राजस्व निरीक्षक अनिल मालवीय ने श्री त्रिपाठी को कार्यालय बुलाया और 30 हजार रुपये की मांग की। लेकिन मामला 25 रुपए में तय हुआ।

केरल में जोरदार प्री-मॉनसून बारिश, उत्तर भारत में भी जल्द मिलेगी गर्मी से राहत

नई दिल्ली। उत्तर भारत में इन दिनों तेज धूप और उमस वाली भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। हालांकि केरल से अच्छे संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। यहां प्री मॉनसून बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने केरल के कई जिलों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया है।दो जिलों में रेड अलर्ट और 6 में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

बारिश की वजह से पोर्ट सिटी कोच्चि में कई जगहों पर पानी भर गया और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को प्रशासन ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। वहीं सरकार ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि लोग पर्वतीय इलाकों में जाने से बचें। सरकार ने पुलिस और रेवेन्यू अथॉरिटी को भी अलर्ट पर रखा है।

राज्य में रेवेन्यू मिनिस्टर के राजन ने कहा, हम किसी भी आपातकाल परिस्थिति से निपटने के लिए अलर्ट पर हैं।

उन्होंने कहा कि सभी डैम में अभी पानी की मात्रा जितनी होनी चाहिए उतनी ही है इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। वहीं इडुक्की और एर्नाकुलम में रेड अलर्ट जारी रहेगा। बता दें कि रेड अलर्ट उस इलाके में जारी किया जाता है जहां भारी से भारी वर्षा होने का अनुमान रहता है।

यहां 24 घंटे में 20 सेमी तक बारिश हो सकती है। वहीं ऑरेंज अलर्ट वहां जारी किया जाता है जहां 24 घंटे में 6 सेमी से 20 सेमी तक वर्षा होने की संभावना रहती है।

मौसम विभाग का अनुमान हैकि साउथवेस्ट मॉनसून इस बार 1 जून से पहले 27 मई को ही केरल में प्रवेश कर जाएगा। इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। केरल में अकसर मॉनसून के दौरान मूसलाधार बारिश होती है।

उत्तर भारत में 45 डिग्री तक पहुंचा पारा, मौसम विभाग से राहत की खबर

उत्तर भारत में इन दिनों सूर्य तप रहा है। हालांकि इस बीच मौसम विभाग ने कहा है कि अगले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में मौसम बदलेगा। 16 और 17 मई को तेज आंधी तूफान और बारिश की संभावना है। कई जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं।

आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी में नागरिक की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पुलवामा जिले के लिट्टर में रविवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी में एक नागरिक की मौत हो गयी।

पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों ने आज अपराह्न दक्षिण कश्मीर के शोपियां में तुर्कवांगम से लिट्टर को जोड़ने वाले पुल के पास केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 182वीं बटालियन तथा विशेष अभियान दस्ते (एसओजी) के जवानों के एक संयुक्त गश्ती दल पर गोलीबारी की।

उन्होंने बताया कि आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी के दौरान शोपियां के तुर्कवांगम निवासी गुलाम मोहम्मद के बेटे शोएब अहमद गनी घायल हो गये।

उन्हें जिला अस्पताल पुलवामा भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी।

पुलिस ने कहा, आतंकवादी संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद पास के बागों में छिपने में कामयाब रहें। इलाके में तलाश अभियान शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गयी है।

पुलिस विभाग की ओर से किये गये एक ट्वीट में कहा गया है, आतंकवादियों ने पुलवामा के लिट्टर को तुर्कवांगम से जोड़ने वाले पुल के पास सीआरपीएफ -182 बटालियन और एसओजी के संयुक्त गश्ती दल पर गोलीबारी की। आतंकवादी और हमारी संयुक्त टीम के बीच गोलीबारी के दौरान तुर्कवांगम निवासी शोएब अहमद गनी, पुत्र गुलाम मोहम्मद घायल हो गये।

बाद में एक अन्य ट्वीट में पुलिस ने बताया कि शोएब को इलाज के लिए जिला अस्पताल पुलवामा रेफर किया गया, जहां उनकी मौत हो गयी।

तमिलनाडु : 300 फीट गहरे खदान में गिरा बोल्डर, चार फंसे

तिरुनेलवेली। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले के अदैमिथिपंकुलम गांव में शनिवार आधी रात को एक गहरे खदान में एक वाहन के ऊपर भारी पत्थर गिरने से चार लोग फंस गए हैं। पुलिस ने कहा है कि यह हादसा उस वक्त हुआ जब दो ट्रिपर लॉरी और एक एक्सकेवेटर 300 फीट गहरे खदान में पत्थरों को बीनकर इकट्ठा करने का कर रहे थे।

इस दौरान ऊपर एक वजनदार पत्थर के वाहनों के ऊपर गिरने से चार लोग फंस गए हैं।

तमिलनाडु अग्निशमन और बचाव सेवा के कर्मियों ने रविवार सुबह घटनास्थल पर पहुंचकर दो लोगों को रस्सियों से बचाया, जबकि शेष फंसे लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी है।

तिरुनेलवेली के जिलाधिकारी वी.विष्णु और तिरुनेलवेली रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) प्रवेश कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव अभियान का निरीक्षण कर रहे हैं। बचाव अभियान के काम में तेजी लाने के लिए जिला प्रशासन ने अरक्कोनम से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को तलब किया गया है। इस पर खान और भूविज्ञान विभाग के विशेषज्ञों से भी रिपोर्ट मांगी गई है। यहां के स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि उत्खनन का काम एक निजी फर्म द्वारा नियम-कानूनों का पालन किए बिना किया जा रहा था।

राजीव कुमार ने देश के 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार संभाला

उनके कार्यकाल में होगा लोकसभा इलेक्शन 2024

नई दिल्ली। राजीव कुमार ने रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले CEC रहे सुशील चंद्रा का कार्यकाल 14 मई को समाप्त हुआ। 19 फरवरी, 1960 को जन्मे कुमार का कार्यकाल फरवरी 2025 में उनकी आयु 65 वर्ष पूरी होने पर खत्म होगा। कानून के अनुसार निर्वाचन आयुक्त और मुख्य निर्वाचन आयुक्त छह साल के लिए या 65 वर्ष की आयु पूरी होने तक, जो भी पहले हो, पद पर रह सकते हैं।

कुमार के कार्यकाल में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव के अलावा 2024 के लोकसभा चुनाव और कई विधानसभा चुनाव होंगे। कुमार को जब निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया था तब वह लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) के अध्यक्ष थे। उन्होंने तत्कालीन निर्वाचन आयुक्त अशोक लवासा के इस्तीफे के बाद 1 सितंबर, 2020 को निर्वाचन आयुक्त का पदभार संभाला था।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1984 बैच के बिहार/झारखंड कैडर के अधिकारी कुमार फरवरी 2020 में आईएएस के रूप में सेवानिवृत्त हुए। चुनाव आयोग के मुताबिक बीएससी, एलएलबी, पीजीडीएम और एमए पब्लिक पॉलिसी की अकादमिक डिग्री हासिल करने वाले राजीव कुमार के पास भारत सरकार की 36 वर्षों से अधिक की सेवा का अनुभव है। उन्होंने इस दौरान सामाजिक क्षेत्र, पर्यावरण और वन, मानव संसाधन, वित्त और बैंकिंग क्षेत्र में केंद्र और राज्य के विभिन्न मंत्रालयों में काम किया है।

वित्त सह-सचिव के रूप में किया काम

भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के वित्त सह-सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, (सितंबर 2017 - फरवरी 2020), उन्हें बैंकिंग, बीमा और पेंशन सुधारों को देखने का काम जिम्मा दिया गया था। आयोग के मुताबिक, कुमार ने वित्तीय सेवा क्षेत्र का पर्यवेक्षण किया और अन्य बातों के साथ-साथ प्रमुख पहलों/सुधारों को शुरू करने में अहम भूमिका निभाई जैसे- मान्यता, पुनर्पूंजीकरण, संकल्प और सुधार के व्यापक दृष्टिकोण के साथ बैंकिंग सुधार। उन्होंने फर्जी इक्विटी बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली करीब 3.38 लाख शेल कंपनियों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए थे।

राजस्थान में राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस करेगी अपना दबदबा कायम करने का प्रयास

जयपुर। राजस्थान से राज्यसभा की आगामी जुलाई के शुरु में रिक्त होने वाली चार सीटों पर दस जून को होने वाले चुनाव में सत्तारुढ़ कांग्रेस ज्यादा सीटें जीतकर अपना दबदबा कायम करने का प्रयास करेगी।

राजस्थान से राज्यसभा की दस सीटों में वर्तमान में भाजपा के सर्वाधिक सात सीटों पर सांसद हैं और उसका राजस्थान से राज्यसभा में अपना दबदबा हैं जबकि वर्तमान में कांग्रेस के तीन सांसद हैं। कांग्रेस की आगामी इस राज्यसभा चुनाव में विधायकों की संख्या के आधार पर दो सीटों पर स्पष्ट जीत नजर आ रही है वहीं एक सीट पर भाजपा की जीत दिखाई दे रही है जबकि चौथी सीट के लिए कांग्रेस एवं भाजपा के साथ निर्दलीय निर्णायिक भूमिका निभायेंगे और कांग्रेस के विधायक भाजपा से अधिक एवं निर्दलीयों के सरकार को समर्थन दे रखा होने से माना जा रहा है कि इस चुनाव में कांग्रेस तीन सीट जीत सकती हैं। अगर कांग्रेस इस चुनाव में तीन सीट जीत जाती है तो उसके राज्यसभा में छह सांसद हो जायेंगे जो भाजपा से अधिक हो जायेंगे। इसके लिए कांग्रेस पूरा जोर लगायेगी और जादूगर कहे जाने वाले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए यह असंभव नहीं लगता। हालांकि चौथी सीट के लिए दोनों ही दलों के पास विधायकों की पर्याप्त संख्या नहीं होने के कारण मुकाबला रोचक होने की संभावना है। कांग्रेस के उदयपुर में तीन दिवसीय चिंतन शिविर के बाद इस चुनाव को लेकर कांग्रेस के सक्रिय होने की संभावना है जबकि भाजपा के उसकी जयपुर में 20 एवं 21 मई को होने वाली उच्च स्तरीय बैठक के बाद इस चुनाव के लिए सक्रिय होने की संभावना है। दस जून को होने वाले इस चुनाव के लिए अधिसूचना 24 मई को जारी की जाएगी और नामांकन पत्र 31 मई तक भर जा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि 200 सदस्यों वाली राजस्थान विधानसभा में वर्तमान में कांग्रेस के 108 विधायक हैं। भाजपा के पास 71 विधायक हैं। इनके अलावा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के तीन, राष्ट्रीय मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) एवं भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) के दो-दो तथा राष्ट्रीय लोकदल का एक विधायक हैं जबकि तेरह निर्दलीय विधायक हैं। इनमें राष्ट्रीय लोकदल के सुभाष गर्ग सरकार में मंत्री हैं वहीं निर्दलीयों ने भी सरकार को अपना समर्थन दे रखा हैं। जिन चार राज्यसभा सीटों पर दस जून को चुनाव होने हैं, वे चारों ही भाजपा सांसदों की हैं और उनमें सांसद ओम प्रकाश माथुर, के जे अल्फोंस, रामकुमार वर्मा और हर्षवर्धन सिंह शामिल है। भाजपा के इन चारों सांसदों का कार्यकाल आगामी चार जुलाई को समाप्त हो रहा है। इसके अलावा भाजपा के और तीन सांसदों में किरोड़ीलाल मीणा, भूपेन्द्र यादव और राजेन्द्र गहलोत शामिल हैं। वर्तमान में कांग्रेस के पास राज्य से तीन राज्यसभा सांसदों में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री के सी वेणुगोपाल और नीरज डांगी शामिल हैं।

गौवंश के अवशेष मन्दिर में फेंकने से निर्मित हुआ तनाव का माहौल

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम शहर के ईदगाह रोड क्षेत्र में आज सुबह गौवंश के अवशेष इधर उधर फेंके जाने के साथ कुछ अवशेष भेरु जी के मन्दिर के पास भी डाल दिए इलाके में तनाव का फैल गया। इस घटना से आक्रोशित हिव्दूवादी संगठनों ने तोपखाना चौराहे पर चक्काजाम कर दिया, जिसे प्रशासन द्वारा आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने और उनके विरुद्ध कडी कार्यवाही किए जाने का आश्वासन मिलने के बाद समाप्त किया गया। इसके बाद प्रशासन ने हरकत में आते हुए क्षेत्र में मांस मटन विक्रय करने वाले व्यवसाईयों के लायसेंस की जांच करने के साथ दुकान में विक्रय के लिए रखे मटन के सैम्पल भी लिए हैं। बगैर लायसेंस के व्यवसाय करने वालों की दुकानें सील कर दी गई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह ईदगाह क्षेत्र में लोगों नें गौवंश के कटे हुए अवशेष इधर उधर बिखरे हुए देखे गए। उपद्रवियों ने गौवंश के कुछ अवशेष भेरु जी के मन्दिर के पास भी डाल दिए थे। इसके चलते इलाके के लोगों में आक्रोश फैल गया और देखते ही देखते भीड एकत्र होने लगी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा।

गौवंश के अंगों को इधर उधर फेंके जाने से आक्रोशित बजरंग दल और हिन्दू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने तोपखाना चौराहे पर भारी नारेबाजी की और चक्काजाम किया। चक्काजाम को खत्म कराने एसडीएम संजीव पाण्डे मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देकर चक्काजाम समाप्त करवाया। इसके बाद नगर निगम और प्रशासन की टीमों ने फौरन ही मांस विक्रय करने वाले दुकानदारों की छानबीन शुरु कर दी। अवैध रूप से संचालित दुकानों को सील करने की कार्रवाई अभी जारी है।

हिंदुत्व को लेकर चिंतन शिविर में भी दिखा कांग्रेस में असमंजस

एजेंसी

उदयपुर, (राजस्थान)। कांग्रेस में हिंदुत्व के मुद्दे पर राजनीति करने को लेकर असमंजस की स्थिति है और यहां चल रहे पार्टी के तीन दिवसीय चिंतन शिविर में भी यह माहौल उस समय स्पष्ट नजर आया जब पार्टी के कई नेताओं ने हिंदुत्व के मुद्दे पर राजनीति करने का समर्थन किया तो कुछ ने इसका तीखा विरोध किया।

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि चिंतन शिविर के दूसरे दिन राजनीतिक समिति की बैठक के दौरान यह मुद्दा उठा।

बैठक में केरल के कुछ नेताओं ने कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को चुनाव के वक्त मंदिरों में नहीं जाना चाहिए क्योंकि इसका नकारात्मक संदेश मतदाताओं में जाता है और फिर यह प्रचारित किया जाता है कि कांग्रेस नेतृत्व को सिर्फ चुनाव के समय ही मंदिरों की याद आती है।

इस मुद्दे को लेकर बैठक में मौजूद प्रतिनिधियों के बीच खूब चर्चा हुई।

उन्होंने बताया कि जब इस मुद्दे को लेकर सदस्यों में चर्चा चल रही थी तो इसी दौरान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसका प्रतिरोध किया और कहा कि श्री गांधी को ही नहीं बल्कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी चुनाव के समय धार्मिक स्थलों का दौरा करना चाहिए। उनका कहना था कि मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च सभी में कांग्रेसी नेताओं को जाना चाहिए। इससे भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) को धर्म के नाम पर कांग्रेस पर हमला करने का मौका नहीं मिलेगा।

उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस के शीर्ष नेता धार्मिक स्थलों पर नहीं जाएंगे तो भाजपा प्रचार करेगी कि इनको धर्म और धर्म स्थलों से कोई लेना-देना नहीं है और यदि ऐसा होता है तो उसका सीधा लाभ भाजपा को चुनाव के दौरान मिलेगा।

पार्टी सूत्रों ने यह भी बताया कि श्री गांधी चिंतन शिविर के समापन के अगले दिन राजस्थान के बांसवाड़ा में स्थित प्रसिद्ध त्रिपुरसुंदरी मंदिर जाएंगे। यह राजस्थान का बहुत प्रसिद्ध मंदिर है और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया हर बार चुनाव लड़ने से पहले इस मंदिर में दर्शन के लिए जाती हैं। श्री गांधी का कल चार मंदिरों में जाकर दर्शन करने का कार्यक्रम है।

चिंतन शिविर में कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी अपनी बात रखी और कहा कि पार्टी को आक्रमकता के साथ जनता के बीच जाकर भाजपा सरकार की कमियों को सामने लाना चाहिए।

विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर में स्थापित किए जाने वाले सहस्त्र लिंगम को तराशने का काम शुरू

एजेंसी

पटना। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में बन रहे विश्व के सबसे बड़े 'विराट रामायण मंदिर' में स्थापित किए जाने वाले 1008 शिवलिंगों को समाहित करता हुआ 200 टन के 'सहस्त्र लिंगम' को तराशने का काम तमिलनाडु के महाबलीपुरम में शुरू हो गया है।

महावीर स्थान ट्रस्ट के सचिव किशोर कुणाल ने रविवार को यहां बताया कि अयोध्या और जनकपुर के बीच बन रहे फोर लेन %राम-जानकी पथ% पर स्थित पूर्वी चंपारण जिले में बन रहे विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर में स्थापित किए जाने वाले 200 टन के सहस्त्र लिंगम को तराश कर बनाने का काम तमिलनाडु के महाबलीपुरम में शुरू हो गया है । उन्होंने बताया कि अगले छह माह में यह सहस्त्र लिंगम बनकर तैयार हो जाएगा ।

श्री कुणाल ने बताया कि इसके बाद सहस्त्र लिंगम को एक विशेष ट्रक के जरिए महाबलीपुरम से पूर्वी चंपारण लाया जाएगा। इसमें करीब पांच माह का वक्त लग सकता है। उन्होंने इसमें लगने वाले वक्त के संबंध में बताया कि सहस्त्र लिंगम को लेकर आने वाले ट्रक की रफ्तार पांच किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक नहीं हो सकती है। इसके साथ ही सड़क मार्ग पर यातायात का भी ख्याल रखा जाना है।

महावीर स्थान ट्रस्ट कमेटी के सचिव ने बताया कि सहस्त्र लिंगम की ऊंचाई 33 फुट और गोलाई भी 33 फुट ही होगी। यह काले ग्रेनाइट पत्थर से बना होगा और इसके लिए पत्थर भी तमिलनाडु के तिरूनेल्वेली जिला के कुम्बीकुलम से लिया गया है। उन्होंने बताया कि देश में सहस्त्र लिंगम शिवलिंग बहुत कम है। सहस्त्र लिंगम का निर्माण 800 ईसवी के बाद से बंद हो गया था। तमिलनाडु के तंजौर में वृहदेश्वर मंदिर में चोल राजाओं ने सहस्त्र लिंगम स्थापित किया था। इसके अलावा बिहार में गया जिले में भी कुछ मंदिरों में सहस्त्र लिंगम स्थापित हैं।

श्री कुणाल ने बताया कि सहस्त्र लिंगम में श्रद्धालु गंगा और सरयू नदी के संगम (सारण जिले के छपरा में गुलटेनगंज) से पवित्र जल लेकर जलाभिषेक करेंगे। रामायण के अनुसार यह वही स्थल है, जहां महर्षि विश्वामित्र के साथ अयोध्या से जनकपुर जाने के दौरान भगवान राम और लक्ष्मण ने रात्रि विश्राम किया था। भगवान राम का जनकपुर जाने के दौरान यह दूसरा पड़ाव था। उनका पहला पड़ाव उत्तर प्रदेश में सरयू नदी के तट पर बायीं ओर था जो अब आजमगढ़ जिले का मुजफ्फरनगर है। इसी स्थल पर भैरव मंदिर बना हुआ है।

महावीर स्थान ट्रस्ट के सचिव ने बताया कि सारण जिले के छपरा में गुलटेनगंज स्थित गंगा और सरयू नदी के संगम से विराट रामायण मंदिर की दूरी करीब 72 किलोमीटर है और इसे राज्य सरकार ने कांवरिया पथ के रूप में विकसित करने की सहमति दी है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु सहस्त्र लिंगम पर आसानी से जलाभिषेक कर सकें, इसके लिए दो ओर से सीढ़ी, एसकेलेटर और एक ओर से लिफ्ट भी लगाया जाएगा।

श्री कुणाल ने बताया कि 270 फुट ऊंचाई, 1080 फुट लंबाई, 540 फुट चौड़ाई और 108 एकड़ क्षेत्रफल वाला विराट राम मंदिर बन जाने के बाद यह दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर होगा। उन्होंने बताया कि मुख्य मंदिर जिसकी ऊंचाई 270 फुट है उसमें बीच में सहस्त्र लिंगम होगा, जिसकी भगवान राम पूजा कर रहे हैं। उनके बगल में ही छोटे भाई लक्ष्मण खड़े हैं और भक्त हनुमान भगवान राम को पूजन सामग्री दे रहे हैं। भगवान राम जहां पूजा कर रहे हैं उससे करीब 135 फुट की दूरी पर उनकी नजर के सामने अशोक वाटिका में माता सीता बैठी हुई हैं।

ट्रस्ट के सचिव ने बताया कि इसमें मंदिरों की संख्या अट्ठारह और शिखरों की संख्या 15 है। इसमें चार आश्रम सिद्धाश्रम, अहिल्या स्थान, पंचवटी और शबरी आश्रम होगा जो पूरी तरह इको फ्रेंडली होगा। उन्होंने बताया कि रामायण मंदिर भूकंपीय जोन-5 में आता है इसलिए इसकी स्थिरता और मजबूती के लिए सभी तकनीकी सावधानियां बरती जा रही हैं।

शार्ट न्यूज

दिल्ली सरकार अविलंब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की अध्यक्षता में एक कमेटी बना उसे 60 करोड़ रुपये और उसका लगभग 6 वर्ष की ब्याज राशि सौंपे :आदेश गुप्ता

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली में लगभग हर वर्ष एक से दो बड़ी अग्नि दुर्घटनायें होती हैं जिनमें जान माल का भारी नुकसान होता है पर दिल्ली सरकार न तो बचाव के, न आग से लड़ने के और न ही आग से जले मरीजों के इलाज के लिये कोई ठोस कार्य करती है। हर दुर्घटना के बाद सरकार एवं विपक्ष दोनों ब्यान देते हैं, दिल्ली सरकार जांच के आदेश देती और मामले की इतिश्री हो जाती है। अधिकांश मामलों में जांच रिपोर्ट सामने ही नहीं आती हैं और आती भी है तो वह निर्णायक नहीं होती। दिल्ली सरकार न सिर्फ लगातार अग्नि दुर्घटनाओं पर अपनी जवाबदेही से बचती रही है बल्कि अग्नि शमन विभाग के विस्तार पर भी लापरवाह करती रही है और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद भी आग से जले मरीजों के लिये ट्रामा सेन्टर बनाने के मामले को दबाये बैठी है। 1997 में हुई उपहार सिनेमा त्रासदी की लम्बी सुनवाई के बाद नवम्बर 2015 में उपहार के मालिक अंसल बंधुओं ने दिल्ली में सफदरजंग अस्पताल के बर्न वार्ड की तर्ज पर आग से जले मरीजों के लिये विशेष ट्रामा सेन्टर बनाने के लिये 60 करोड़ रूपये दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार को सौंपे थे। साढ़े 6 साल बीत गये पर दिल्ली सरकार ने ट्रामा सेन्टर बनाने के लिये एक पत्ता भी नहीं हिलाया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्लीवसियों को बतायें की 60 करोड़ रूपये उपलब्ध रहते हुऐ भी आज तक ट्रामा सेंटर का निर्माण क्यों नही शुरू हुआ। आदेश गुप्ता ने मांग की है कि दिल्ली सरकार अविलंब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी की अध्यक्षता में एक कमेटी बना उसे 60 करोड़ रुपये और उसका लगभग 6 वर्ष की ब्याज राशि सौंपे और इस कमेटी को सम्पूर्ण रूप से अग्नि दुर्घटना ट्रामा सेन्टर निर्माण का कार्य सौंपे।

सुनील ग्रोवर ने पैसिफिक मॉल एनएसपी में दर्शकों को किया लोटपोट

पैसिफिक मॉल एनएसपी, पीतमपुरा में हास्य अभिनेता सुनील ग्रोवर ने गुत्थी, रिंकू देवी, और डॉ. मशहूर गुलाटी के किरदारों की बेहतरीन प्रस्तुति दी

नई दिल्ली। सुनील ग्रोवर अपने कमाल के हास्य अभिनय के लिए जाने जाते हैं। पैसिफिक मॉल एनएसपी पीतमपुरा में अपने लाइव परफॉरमेंस के दौरान सुनील ग्रोवर ने मंच पर गुत्थी, रिंकू देवी, डॉ. मशहूर गुलाटी जैसे किरदार निभाकर यहाँ आए सभी लोगों का मनमोह लिया। वह अपने सबसे मजाकिया अंदाज में दर्शकों के बीच भी पहुंचे और उन्हें भी अभिनय पात्र का हिस्सा बनाया। कार्यक्रम अंत तक तालियों और ठहाकों से गूंजता रहा। पैसिफिक ग्रुप के कार्यकारी निदेशक श्री अभिषेक बंसल ने कहा, इस कार्यक्रम में लोगों को एक अच्छा समय बिताने का मौका मिला। यहाँ आए लोगों की खुशी देखकर हम उत्साहित हैं और हम आगे भी उनके लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे। हमने कोविड -19 की सभी सुरक्षा सावधानियां बरती और सभी ने मानदंडों का पालन किया। इस सफल आयोजन के लिए दर्शकों के साथ टीम को भी धन्यवाद देता हूँ।

संपत्ति के लिए पत्नी ने सुपारी देकर कराई थी सुपरवाइजर पति की हत्या, प्रेमी और बेटे संग मिलकर रची थी साजिश, दो लोग गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में एक कंपनी के सुपरवाइजर की अज्ञात हमलावरों द्वारा हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। सुपरवाइजर ऋषिपाल की हत्या की साजिश किसी और ने नहीं बल्कि खुद उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी और पूर्व पति के बेटे के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल व अन्य सामान बरामद लिया है। पुलिस ने बताया कि ऋषिपाल को 10 मई को सेक्टर-94 में बाइक सवार ने गोली मार दी थी। इस हमले में गंभीर रूप से घायल ऋषिपाल का तभी से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज चल रहा था और शनिवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने इस संबंध में नोएडा सेक्टर-126 थाना पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। तफ्तीश के दौरान पुलिस को मृतक की पत्नी की भूमिका पर शक हुआ तो उस पर नजर रखी गई। पुलिस को छानबीन में पता चला कि मृतक की पत्नी ने ही संपत्ति के लालच में अपने प्रेमी और बेटे के साथ मिलकर पति ऋषिपाल की हत्या कराई थी। इस हत्या को अंजाम देने के लिए एक शार्प शूटर को 50000 रुपये की सुपारी भी दी गई थी। सेक्टर-126 थाना पुलिस ने आरोपी महिला के प्रेमी और उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

गाजियाबाद : गर्मी बढ़ने से हिंसक हुए कुत्ते, रोजाना 850 लोग हो रहे शिकार

गाजियाबाद। लगातार गर्मी बढ़ने से आवारा कुत्ते हिंसक हो गए हैं, जिससे गाजियाबाद की सोसाइटी और कॉलोनियों के साथ-साथ गांव के लोग भी परेशान हैं। आवारा कुत्ते आए दिन लोगों को काट कर घायल कर रहे हैं। नगर निगम और जिला प्रशासन से शिकायतों के बाद भी लोगों को कुत्ते से राहत नहीं मिल रही है। जिले में रोजाना औसतन 850 लोग आवारा कुत्तों का शिकार हो रहे हैं। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपबिल्क, राजनगर एक्सटेंशन, प्रतापविहार, विजयनगर, एनएच-24, राकेश मार्ग, गोविंदपुरम, संजयनगर, सिद्धार्थ विहार, टीएचए आदि में छोटी-बड़ी करीब 410 सोसाइटी और कॉलोनी हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोग निवास करते हैं। कॉलोनियों के साथ-साथ हाईराइज सोसाइटी में करोड़ों रुपए खर्च कर फ्लैट खरीदने वाले लोग भी आवारा कुत्तों का शिकार हो रहे हैं। शहर में राजनगर एक्सटेंशन और क्रॉसिंग रिपब्लिक सबसे बड़ी टाउनशिप हैं, जिनकी करीब 90 सोसाइटी में डेढ़ लाख परिवार निवास करते हैं। इन टाउनशिप की सोसाइटी के लोग आवारा कुत्तों से सबसे ज्यादा परेशान हैं। सड़क और सोसाइटी के अंदर आवारा कुत्ते हर समय झुंड बनाकर घूमते रहते हैं। मौका मिलते ही ये कुत्ते सोसाइटी के परिसर में घुसकर झुंड बनाकर पार्क और सार्वजनिक स्थानों पर बैठ जाते हैं, जिससे सोसाइटी के बाहर आने-जाने वाले लोगों पर हमला करके उन्हें घायल कर देते हैं। आए दिन सोसाइटी में आवारा कुत्तों के काटने के मामले सामने आते रहते हैं। वहीं, सिद्धार्थ विहार की गंगा यमुना हिंडन, ब्रह्मपुत्र, प्रतीक ग्रैंड आदि सोसाइटी के लोग भी आवारा कुत्तों की समस्या से जूझ रहे हैं।

बाइक आराम से चलाने को लेकर हुई कहासुनी, बीच बाजार पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या

नोएडा। नोएडा के फेस-2 थाना क्षेत्र के भंगेल गांव में शनिवार रात मामूली कहासुनी के बाद तीन लोगों ने बीच बाजार एक युवक के ऊपर भारी पत्थर से हमला कर उसकी हत्या कर दी। मृतक की पहचान अभय त्यागी उर्फ बुल्लू के रूप में हुई है। वारदात के बाद से आरोपी फरार हैं और पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर रही है। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) हरीश चंदर ने रविवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अभय त्यागी उर्फ बुल्लू बीती रात भंगेल गांव मार्केट में अपने दो दोस्तों के साथ जा रहा था, तभी तीन लोग दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए। मोटरसाइकिल तेज चलाने को लेकर अभय और मोटरसाइकिल सवार युवकों में वाद-विवाद हो गया। इस दौरान अभय ने उन्हें मारने के लिए सड़क पर पड़ा एक पत्थर उठा लिया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार युवकों ने अभय के हाथ से पत्थर छीनकर उनके सिर पर वारकर दिया। हमले में अभय गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सकारात्मक चिंतन से कम होगा पत्रकारों का तनाव : प्रो. द्विवेदी

'लोकमंगल और विश्व कल्याण की दिशा में कार्य करें पत्रकार', 'पत्रकारों के तनाव प्रबंधन'

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

गाजियाबाद। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने मीडिया को राष्ट्र का सजग प्रहरी बताते हुए कहा है कि हर पल सक्रिय रहने वाले पत्रकार सकारात्मक चिंतन और समाधान परक दृष्टिकोण से अपने तनाव को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को लोकमंगल और विश्व कल्याण की दिशा में कार्य करना चाहिए। प्रो. द्विवेदी रविवार को आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे अखिल भारतीय समाधान मूलक मीडिया अभियान के तहत गाजियाबाद के मोहन नगर स्थित ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र में पत्रकारों के तनाव प्रबंधन विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि भूमंडलीकरण के दौर में मीडिया को नकारात्मक और हिंसात्मक खबरों का सामना करना पड़ता है। इसके कारण पत्रकारों के निजी और व्यावसायिक जीवन में तनाव बना रहता है। तनाव के इस चक्रव्यूह से बाहर निकलने के लिए पत्रकारों को महाभारत के अर्जुन की तरह आत्मा और परमात्मा का ज्ञान, गुण और आंतरिक शक्तियों की आवश्यकता है।

संगोष्ठी के दौरान आईआईएमसी के महानिदेशक ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा वर्ष 2022-23 को दया और करुणा के माध्यम से आध्यात्मिक सशक्तिकरण के वर्ष के रूप में मनाई जा रही परियोजना का शुभारंभ भी किया। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि प्राणी पर दया ही मानवीय धर्म और आध्यात्म है। आध्यात्मिक सशक्तिकरण समय की मांग है और इसी में ही समाज की सभी समस्याओं का निदान समाया हुआ है। पत्रकारों के लिए उन्होंने कहा की आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग ध्यान द्वारा आंतरिक शक्ति व क्षमताओं को विकसित करना जरूरी है। इससे न केवल वे चिंता, भय और तनाव को दूर कर सकते हैं, बल्कि समाज में व्याप्त विकृतियों और समस्याओं का निवारण भी कर कर सकते हैं।

इस अवसर पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार प्रो. प्रदीप माथुर ने कहा की फील्ड में काम करने वाले पत्रकारों का जीवन संघर्ष, असुरक्षा और तनाव से भरा होता है। समस्याओं से जूझने के लिए उनको आत्मिक बल की जरुरत है। प्रो. माथुर ने कहा की आंतरिक सशक्तिकरण के द्वारा ही पत्रकारों का नैतिक विकास संभव है।

संगोष्ठी का उद्देश्य बताते हुए ब्रह्माकुमारी संस्था के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राजयोगी बीके सुशांत ने कहा कि यह अभियान देश के सभी राज्यों और जिला स्तर पर कार्यरत श्रमजीवी पत्रकारों में आध्यात्मिक चेतना, मनोबल, नैतिक साहस और आंतरिक क्षमता जगाने के लिए चलाया जा रहा है। आध्यात्मिकता के संतुलित समन्वय द्वारा आधुनिक पत्रकारिता व पत्रकारों में उत्कृष्टता लाना इस अभियान का मूल लक्ष्य है।

ब्रह्माकुमारी संस्था के मीडिया प्रभाग की दिल्ली क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी बीके सुनीता ने पत्रकारिता को एक नोबेल प्रोफेशन बताते हुए पत्रकारों को उनकी गरिमा और देश व मानवता के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान का स्मरण कराया। संस्था की मोहन नगर केंद्र निर्देशिका बीके लवली ने उपस्थित पत्रकारों व मीडियाकर्मियों को राजयोग मैडिटेशन का सामूहिक अभ्यास कराया।

कार्यक्रम का मंच संचालन श्री गणेश जोशी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री नवीन वाही ने दिया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में 8235 बूथों पर भाजपा ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ शुरु किया पोल खोल अभियान

केजरीवाल सरकार ने अपने झूठे वादों एवं भ्रमक प्रचार से दिल्ली की जनता को ठगा है : आदेश गुप्ता

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता के नेतृत्व में आज दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर सांसद, विधायक एवं भाजपा पदाधिकारियों द्वारा केजरीवाल सरकार के झूठे वायदों के पोल खोल अभियान की शुरुआत की गई। 8235 बूथों पर भाजपा नेताओं ने जनता के बीच जाकर केजरीवाल सरकार द्वारा किए गए वायदों का पर्दाफाश किया और घर-घर जाकर पैम्पलेट बांटे जिसमें केजरीवाल के जनविरोधी नीतियों का विस्तृत विवरण है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने आज राजेन्द्र नगर विधानसभा के दशघरा से केजरीवाल सरकार के खिलाफ पोल खोल अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि आज पूरी दिल्ली में केजरीवाल के झूठे वायदों और भ्रमक प्रचार का पर्दाफाश किया जा रहा है। जिस तरह से पिछले सात सालों में केजरीवाल ने जनता से वायदे किए और उनको पूरा नहीं किया है, उसी के खिलाफ भाजपा का यह पोल खोल अभियान है, जिसकी शुरुआत आज की गई है। उन्होंने कहा कि अपने झूठे वादों, भ्रमक प्रचार से केजरीवाल सरकार ने जनता को ठगा है। दिल्ली में न नल से जल आता है और मोहल्ला क्लीनिक में गलत दवाईयां दी जाती हैं।

आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के अंदर न यमुना जी को साफ किया और न ही प्रदूषण पर कोई रोक लगा पाये। उल्टा कोने-कोने में शराब के ठेके खोलकर प्रदेश को शराब नगरी बनाने का काम किया है। अपने किसी भी वादे को पूरा न करने वाले केजरीवाल के झूठ का पर्दाफाश करना ही पोल खोल अभियान का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने वायदा किया था कि वह गरीबों के लिए 65000 फ्लैट और 1.5 लाख शौचालय बनवाएंगे, लेकिन आज हकीकत यह है कि सिर्फ 318 फ्लैट बनवाए गए और केवल 16000 शौचालय बन पाए। नए राशन कार्ड बनवाने के लिए 11 लाख आवेदन लटके हुए हैं, लेकिन सात सालों में केजरीवाल सरकार ने एक भी राशन कार्ड नहीं बनवाया।

आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल ने साल 2014 में दिल्ली की जनता को बड़े-बड़े सपने दिखाए थे, लेकिन आज सात सालों के बाद वह सपने सिर्फ मुंगेरी लाल के सपने बनकर रह गए हैं। दिल्ली को लंदन-पेरिस बनाने की बात करने वाले केजरीवाल ने आज दिल्ली को दंगों की राजधानी बना दिया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में कही भी दंगे होते हैं, तो उसमें आप नेताओं का हाथ जरुर शामिल होता है। सबसे हैरानी की बात तो यह है कि दोषी करार होने के बाद भी उन दंगाईयों को पार्टी से निकालने की जगह केजरीवाल उन्हें संरक्षण देने का काम करते हैं।

राजेन्द्र नगर विधानसभा में हुए पोल खोल अभियान में श्री आदेश गुप्ता के साथ राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आर पी सिंह, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री गजेन्द्र यादव, विधायक श्री अजय महावर एवं जिला अध्यक्ष श्री राजेश गोयल उपस्थित थे। नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज मोलड़बंद विस्तार के सामुदायिक भवन केंद्र में आरडब्ल्यूए, समाजिक संगठनों एवं व्यापारी वर्ग के साथ केजरीवाल सरकार की विफलताओं पर पोल खोल अभियान की शुरुआत की। श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि हर घर में नल से स्वच्छ जल से पानी देने का वायदा करने वाली केजरीवाल सरकार ने सात साल बाद भी दिल्ली को जरुरत से 30 फीसदी कम पानी दे पा रही है। इतना ही नहीं फायदे में चलने वाला जलबोर्ड के ऊपर 57000 करोड़ रुपये का लोन हो चुका है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल द्वारा 11000 नई बसें लाने का वायदा किया गया था लेकिन आज डीटीसी के पास सिर्फ 3670 बसें बची हुई है। पोल खोल अभियान में आज दक्षिणी दिल्ली सेवा बस्ती तेखंड में सांसद श्री रमेश बिधूड़ी, सरोजनी नगर मंडल में प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सिद्धार्थन, गोकलपुरी मंडल में प्रदेश महामंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा, पांडव नगर मंडल में प्रदेश महामंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह, इंदरपुरी मंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजन तिवारी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोगों से मिलकर केजरीवाल की विफलताओं की पोल खोली।

विभिन्न बूथों पर भाजपा के प्रदेश, मोर्चा, जिला, मंडल एवं बूथ पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने इस पोल खोल अभियान में हिस्सा लिया।

एपिक स्टोरी नाम की कम्पनी बना हिमांशु पटेल कर रहे सेलिब्रिटी व अन्य लोगों की वेडिंग फोटोग्राफी

कहते हैं न जहाँ चाह, वहां राह . इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया मध्यप्रदेश के छोटे से जगह छतरपुर से आने वाले युवा हिमांशु पटेल ने, जिन्होंने इंजीनियरिंग की पढाई तो की, लेकिन उनकी चाह कुछ और करने की थी. इसलिए उठा लिया कैमरा और आज बन गये वेडिंग फोटोग्राफर. हिमांशु पटेल मुंबई में रहकर आज वेडिंग फोटोग्राफी कर रहे हैं और इसके लिए उन्होंने अपनी कम्पनी एपिक स्टोरी भी बना ली है. हिमांशु इन दिनों सेलिब्रिटी से लेकर अन्य दुसरे लोगो के बीच भी शादी की फोटोग्राफी को लेकर काफी मशहूर हैं. यही वजह है कि अब वे देश ही नहीं, विदेशों में होने वाली शादी में भी फोटोग्राफी करते नजर आ जाते हैं. हर पेरेंस्ट्स को अपने बच्चों से उम्मीद होती है कि वो कुछ अच्छा करे. ये उमीद हिमांशु पटेल से भी उनके पेरेंट्स को थी. इसलिए हिमांशु ने त्वस्ढ्ढञ्जस् इंदौर से इंजिनयरिंग की, लेकिन साल के अंत तक उन्हें लगा कि उनकी दुनिया फोटोग्राफी में है. इसलिए प्लेसमेंट के बाद भी उन्होंने अपनी दिल की सुनी. तब फोटोग्राफी उनकी हॉबी थी, लेकिन ये आगे चलकर इसे अपना प्रोफेशन बन गया. वे कहते हैं कि मेरे पिता ने मुझे खूब सपोर्ट किया. मैंने अपने पिता को अपने प्रोफेशन के लिए कन्विंस किया. मुझे लगता है आप जो करते हैं, उसके लिए स्किल्ड होना होता है. सोचने से सिर्फ कुछ नहीं होता, उसके लिए काम करना होता है. हिमांशु पटेल आगे कहते हैं कि प्रोफेशनल फोटोग्राफी और कैजुअल फोटोग्राफी में बेहद फर्क है. मैं फोटोग्राफर हूँ. चर्चित सेलिब्रिटी को शूट करता हूँ. लेकिन मैं आज तक कहीं से फोटोग्राफी की क्लास नहीं की. बस अपनी लगन से सीखता चला गया. आज तो लोगों के पास यूट्यूब जैसे साधन हैं, जहाँ से वे फोटोग्राफी सिख सकते हैं. आज किसी स्कूल कॉलेज में भी जाने की जरूरत नहीं है. हिमांशु ने कहा कि अच्छी फोटोग्राफी के लिए इन्स्प्रेशन को फोलो करना अहम है. आप ऐसे इन्स्प्रेशन को फोलो करिए, जिससे आप खुद को रिलेट करते हैं. उन्होंने फ़ोन फोटोग्राफी को लेकर कहा कि मैनुअल फोटोग्राफी मोड की समझ होनी चाहिए. बेसिक अंडर स्टैंडिंग के साथ आप फोन से भी बेहतर फोटोग्राफी कर सकते हैं. अच्छी फोटोग्राफी के लिए महंगे कैमरे की जरूरत नहीं है. आपको बता दें हिमांशु पटेल अब तक युविका चौधरी , श्वेता त्रिपाठी, प्रिंस नरूला, करिश्मा तन्ना जैसे कई मशहूर हस्तियों की वेडिंग फोटोग्राफी कर चुके हैं और आगे कई इंटरनेशनल प्रजेक्ट उनके पास हैं, जिसकी शूटिंग विदेशों में वे करने वाले हैं. हिमांशु कहते हैं कि सेलिब्रिटी के लिए गोपनीयता सबसे बहुत जरुरी होता है. बड़ी शादियों में प्रोफेशनली एक्ट करते हैं. वेडिंग फोटोग्राफी का मतलब ये नहीं है कि आप हर चीज शूट करते रहे हैं. आपको ये समझ आना चाहिए कि कब क्या शूट करना है.

दिल्ली में बुलडोजर एक्शन पर सीएम केजरीवाल ने आज विधायकों की बुलाई बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली में बुलडोजर को लेकर हो रही राजनीति पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को आप विधायकों की बैठक बुलाई है। बैठक में दिल्ली नगर निगमों की ओर से अवैध निर्माणों पर चलाएं जा रहे बुलडोजर पर चर्चा होगी। सूत्रों की माने तो बुलडोजर चलाएं जाने से जनता क्या सोच रही है उसपर चर्चा होगी। उसके हिसाब सेपार्टी आगे की रणनीति बनाएगी। हालांकि सरकार पार्टी लगातार इस कार्रवाई का विरोध करा रही है।

दिल्ली में बीते एक पखवाड़े से अलग-अलग इलाके में बुलडोजर चलाएं गए है। आम आदमी पार्टी लगातार इसका विरोध जता रही है। हालांकि पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान को छोड़ दे तो पार्टी का कोई बड़े नेता इसे लेकर सड़कों पर नजर नहीं आया है। हालांकि पार्टी के बड़े नेता यह जरूर कहते रहे कि तोड़-फोड़ की इस कार्रवाई के खिलाफ पार्टी के विधायक जनता के साथ खड़े नजर आएंगे।

अब पार्टी बुलडोजर को लेकर हो रही राजनीति का आकलन करने के बाद आगे इसे लेकर रणनीति बनाएगी। पार्टी मुखिया विधायकों से इसपर उनकी राय लेंगे। दरअसल पार्टी दिल्ली नगर निगम के आगामी चुनावों को देखते हुए सोच-समझकर कदम आगे बढ़ा रही है। पार्टी इस समय किसी भी ऐसा कदम नहीं बढ़ाना चाहती, जिसका नुकसान आगे निगम चुनावों में उठाना पड़े।

गुरुग्राम में 2 मासूम बच्चियों से हैवानियत, टॉफी का लालच देकर किया रेप; लोगों ने आरोपी युवक को रंगेहाथ पकड़ा

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे गुरुग्राम के पास बादशाहपुर इलाके में एक युवक द्वारा दो बच्चियों के साथ बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है। दोनों पीड़ित बच्चियां पांच साल से कम उम्र की हैं। पुलिस ने बलात्कार के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के बिजनौर निवासी 25 वर्षीय आदिल के रूप में हुई है जो दिहाड़ी मजदूर है और यहां मकानों में रंगाई-पुताई का कार्य करता था।

पुलिस ने बताया कि बच्चियों से बलात्कार के दौरान स्थानी लोगों ने आरोपी को मौके पर ही पकड़कर उसकी पिटाई की और पुलिस को सौंप दिया। उन्होंने बताया कि शनिवार को आरोपी आदिल अपने किराये के घर के पास ही खेल रहीं दोनों बच्चियों को टॉफी का लालच देकर अपने कमरे में ले गया था और वहां उनके साथ बलात्कार करने लगा।

पुलिस ने कहा कि बच्चियों के रोने की आवाज सुनकर एक बच्ची की मां कमरे में पहुंची और आरोपी को पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने घायल बच्चियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

सहायक पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) विकास कौशिक ने कहा कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम समेत आईपीसी की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को शनिवार को अदालत के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन पर, पालिका परिषद् यशवंत प्लेस - चाणक्यपुरी पर वाणिज्यिक परिसर का निर्माण करेगी

गौरवशाली भारत संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी शहर के बीचोबीच व्यावसायिक स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) यशवंत प्लेस-चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में वाणिज्यिक परिसर का निर्माण करेगी - यह जानकारी श्री सतीश उपाध्याय, उपाध्यक्ष- पालिका परिषद ने दी।

उपाध्याय ने कहा कि एक अच्छा और प्रमुख कार्यालय स्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह कर्मचारी की नौकरी की संतुष्टि और कार्य / जीवन संतुलन को प्रभावित करता है।

उन्होंने कहा कि राजधानी में एक अच्छा स्थान सर्वोत्तम कर्मचारियों को आकर्षित करता है और उन्हें बनाए रखता है।

उन्होंने कहा कि अच्छे और प्रमुख स्थान निर्णय कंपनी के दीर्घकालिक प्रदर्शन को काफी बढ़ावा दे सकते हैं। इसे देखते हुए एनडीएमसी यशवंत पैलेस में एक व्यावसायिक परियोजना का निर्माण करेगी।

परियोजना का तकनीकी विवरण देते हुए श्री उपाध्याय ने बताया कि भवन में 4344.60 msq प्रत्येक के क्षेत्रफल के साथ 3 बेसमेंट, 4208.32 msq क्षेत्र के निचले भूतल और 1159.14 msq क्षेत्र के साथ पोडियम ग्राउंड शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि फर्श क्षेत्र अनुपात के साथ 8906.77 वर्ग मीटर का कुल प्रस्तावित कवर क्षेत्र 96.81 के रूप में हासिल किया गया है और भवन की कुल ऊंचाई 30 मीटर है जो वास्तुविद विभाग द्वारा फर्श वार कवर क्षेत्र के साथ प्रस्तुत की गई है।

भवन प्रत्येक मंजिल में अलग-अलग क्षेत्र के साथ 7 मंजिला का प्रावधान होगा । पहली मंजिल- 1131.14 msq, दूसरी मंजिल - 989.23 msq, तीसरी, चौथी और सातवीं मंजिल क्रमश: 1163.86 msq, 1190.49 msq और 782 28 msq होगी ।

उपाध्याय द्वारा सूचित परियोजना की सामान्य विशेषताएं और प्रमुख घटक, प्रस्तावित भवन का निर्माण सभी डिजाइन सुविधाओं को पूरा करने के लिए आरसीसी फ्रेमयुक्त संरचना पर किया जाएगा, एसटीपी के प्रावधान सहित गृह3 स्टार रेटिंग के लिए पूर्व-आवश्यकताएं, दोहरी पाइपिंग प्रणाली, संरचनात्मक ग्लेज़िंग, आदि।

भूतल जिसमें लाउंज, फ़ोयर, एट्रियम, ऑडिटोरियम हॉल शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि पहली से छठी मंजिल को ऑफिस स्पेस के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा जबकि सातवीं मंजिल को रेस्टोरेंट एरिया के रूप में विकसित किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि कॉमन एरिया में प्री-पॉलिश ग्रेनाइट स्टोन फ्लोरिंग, स्टेयर केस टॉयलेट और ग्राउंड फ्लोर (लाउंज, फ़ोयर और एट्रियम) ।

रेस्तरां क्षेत्र में विट्रिफाइड फर्श टाइल्स (800X800mm) परियोजना की एक और विशेषता है । उन्होंने बताया इमारत में पांच नंबर यात्री लिफ्ट, आई.ई.आई, डीजी-सेट, एचवीएसी सिस्टम, अग्निशमन प्रणाली आदि सहित दो नंबर सर्विस लिफ्ट शामिल हैं।

अकबर भवन बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स में उपलब्ध स्थान का कार्य, एक बार काम सौंपे जाने के बाद 36 महीने की निर्धारित अवधि के साथ पूरा किया जायेगा ।

इस वाणिज्यिक परिसर के निर्माण के लिए कुल सिविल, इलेक्ट्रिकल और फायर कार्य के लिए परियोजना की कुल अनुमानित लागत 119 करोड़ रुपये है ।

उन्होंने कहा कि निविदा पहले ही आमंत्रित की जा चुकी है और कार्य जल्द ही सौंप दिया जायेगा । उम्मीद है कि अगस्त 2022 में काम शुरू हो जायेगा ।

उपाध्याय ने कहा कि भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने पहले ही 2014 में प्रत्येक शहर में बाजार क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, पार्कों आदि में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छता मिशन की घोषणा की थी।

इस पहल के पीछे एनडीएमसी का मकसद एनडीएमसी क्षेत्र को सुशोभित करना है ।

माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर कारोबारी माहौल में सुधार करना और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत सेवा वितरण पर ध्यान केंद्रित करना है।

उन्होंने कहा कि टीम एनडीएमसी भारत के माननीय प्रधानमंत्री के विजन को सच्ची भावना के साथ लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

सरकारी बाबू ईमानदारी पूर्वक काम करें या बैठें घर

किसी भी सरकार का जनमानस में सम्मान तब ही होता है, जब उसके कर्मचारी पूरी निष्ठा, मेहनत और ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वाह करते हैं। देखिए सरकार को चलाने वाले नेता तो एक विजेन के साथ सत्ता पर काबिज होते हैं। फिर उनके विजेन को सरकारी बाबू अमली जमा पहनाकर जमीन पर उतारते हैं। मतलब वे ही वस्तुत: समस्त सरकारी योजनाओं- परियोजनाओं को जमीं पर लागू करते हैं। लेकिन, अगर वे ही काहिली और करप्शन के जाल में फंस जाएं तो फिर सरकार और देश का क्या होगा, यह भलीभांति सोचा जा सकता है। दुर्भाग्यवश हमारे यहां अब भी बड़ी तादाद में सरकारी बाबू कायदे से मन लगाकर काम करने के लिए तैयार नहीं हैं। यही नहीं, वे तो करप्शन करने से तनिक भी बाज नहीं आ रहे। वे चंद सिक्कों में अपना जमीर और देश को बेचने से भी पीछे नहीं हटते। अब कुछ ताजा मामलों को ही देख लीजिए। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हाल ही में अपने चार अफसरों को डिसमिस करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। इन पर चंडीगढ़ के एक बिजनेसमैन से एक करोड़ रुपए की उगाही करने के आरोप सिद्ध होने के बाद इन पर यह एक्शन लिया गया। सरकार की जीरो टोलरेंस पॉलिसी के तहत यह एक्शन हुआ है। अब जरा सोचिए कि सीबीआई का काम बड़े घोटाले और दूसरे आपराधिक मामलों की जांच करने का है। इससे जुड़े मुलाजिमों से यह उम्मीद की जाती है कि वे अपने काम को सही से अंजाम देंगे। लेकिन, यहां पर सही की बात बहुत दूर है, इनके कुछ कर्मी भी करप्शन में बुरी तरह ही लिप्त हैं। वे खुलेआम घूस ले रहे हैं। बहरहाल, ये मानना होगा कि सीबीआई ने अपने इन शातिर अफसरों को डिसमिस करके सबको एक कड़ा संदेश तो दे ही दिया। सरकार का अब कोई भी महकमा पहले की तरह से भ्रष्टाचार का अड्डा बनकर नहीं चल सकता। पहले तो सरकारी बाबू अपने को सरकार का दामाद समझ कर ही दफ्तर आते थे और अपना रुआब झाड़कर वापस घर चले जाते थे। कुछ सरकारी बाबुओं ने तो अपने को वक्त के साथ बदल लिया। वे अब सही से काम भी करते हैं। लेकिन, कई अब भी बाज नहीं आ रहे। वे करप्शन के किसी भी मौके भी नहीं छोड़ते। उन पर तो चाबुक चलाने की सख्त जरूरत है। सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बाद सरकारी कर्मियों की सैलरी में भी तगड़ा उछाल आया है। अब छोटे से छोटे पदों पर काम करने वाले सरकारी बाबू भी ठीक-ठाक ही पगार उठाते हैं। लेकिन, लालच का कोई इलाज नहीं है। महात्मा गांधी बहुत पहले ही कह गए हैं कि मनुष्य की आवश्यकताओं को तो भरसक पूरा किया जा सकता है, लेकिन लालच को नहीं। रोटी, कपड़ा और मकान आदमी की तो बुनियादी जरूरतें हैं ड्ड फिर भी देख लीजिए, जीवनशैली कैसी होती जा रही है। पृथ्वी से हमें जो कुछ मिलता है, वह हमारी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। लेकिन, उससे लालच को पूरा नहीं किया जा सकता है। हमलोग पर्यावरण के साथ अन्याय कर रहे हैं। दिन-प्रतिदिन नई-नई टेक्नोलॉजी हमें घेर रही है। लेकिन, इसके प्रतिकूल प्रभावों पर कोई चर्चा तक नहीं होती। आज घरों से गोरैया लुप्त हो गई है। पर्यावरण से छेड़छाड़ के कारण गंगा की अविरलता बाधित हो रही है। यही हाल रहा तो पृथ्वी को बचाना मुश्किल हो जाएगा। अब वक्त आ गया है कि करप्सन में लिप्त सरकारी बाबुओं को किसी भी सूरत में न छोड़ा जाए। जब सीबीआई के कर्मियों पर एक्शन हुआ, लगभग तब ही झारखंड सरकार की खनन सचिव व आईएएस अफसर पूजा सिंघल को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में निलंबित कर दिया है। करीब 20 करोड़ रुपए से अधिक का कैश पूजा सिंघल के करीबियों के ठिकानों से जब्?त किया गया है। पूजा सिंघल को खूंटी में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना निधि के गबन और अन्य संदिग्ध वित्तीय लेन देन के मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद पूजा सिंघल को कोर्ट के समक्ष पेश किया था। अब जरा सोचिए कि मेरठ के सोफिया स्कूल की छात्रा रही पूजा सिंघल ने 21 साल की उम्र में आईएस की परीक्षा को क्रेक कर लिया था।

राज ठाकरे : अवसरवादी व विकृत राजनीति का एक और चेहरा

तनवीर जाफ़री

यदि हम पीछे मुड़कर राज ठाकरे के राजनैतिक महत्वाकांक्षा भरे जीवन पर एक नज़र डालेंगे तो यही पायेंगे कि बाल ठाकरे की विरासत के रूप में शिव सेना की कमान न मिल पाने के विरोध में ही 9 मार्च 2006 को कथित रूप से हिंदुत्व तथा भूमिपुत्र के सिद्धान्तों पर आधारित महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) महाराष्ट्र के एक क्षेत्रीय राजनैतिक दल के रूप में वजूद में आई। यह भी कहा जाता है कि उद्धव ठाकरे के साथ मतभेद तथा राज्य में चुनाव में टिकट वितरण जैसे अहम फ़ैसलों में राज ठाकरे की अवहेलना के चलते भी मनसे गठित की गयी।

परन्तु हक़ीक़त तो यह है कि यदि बाल ठाकरे अपनी राजनैतिक विरासत अपने पुत्र उद्धव ठाकरे को सौंपने के बजाये भतीजे राज ठाकरे को सौंप देते तो यक़ीनन मनसे वजूद में ही न आती। बहरहाल मनसे ने राज ठाकरे के नेतृत्व में बाल ठाकरे तर्ज़ की आक्रामक राजनीति करनी शुरू की। शिवसेना को कमज़ोर करने की कोशिश करते हुए बी एम सी,पुणे नगर निगम,ठाणे तथा नासिक नगर निगम जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर अपने प्रतिनिधि निर्वाचित कराये। इतना ही नहीं बल्कि 2009 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मनसे ने 13 विधानसभा सीटें भी जीतीं। इसके अलावा 24 से अधिक स्थानों पर मनसे दूसरे स्थान पर भी रही।

परन्तु अब सीटें जीतने के लिहाज़ से धीरे धीरे मनसे का राजनैतिक जनाधार लगभग समाप्त सा हो गया है। इसका मुख्य कारण यह है कि जो मनसे हिंदुत्व का ध्वजवाहक बनना चाहती थी उसी ने 2008 में उत्तर भारतीयों विशेषकर उत्तर प्रदेश,झारखण्ड,मध्य प्रदेश और बिहारी प्रवासियों के विरुद्ध खुले आम हिंसा शुरू कर दी। मनसे कार्यकर्ताओं ने महाराष्ट्र के विभिन्न भागों में उत्तर भारतीय दुकानदारों और विक्रेताओं पर हमला किया। कई जगह सरकारी सम्पत्ति नष्ट कर दी। छठ जैसे उत्तर भारतीयों के प्रमुख त्यौहार का विरोध किया जाने लगा। इस घटना पर लोकसभा में भी काफ़ी हंगामा हुआ था। इसी तरह 9 नवम्बर 2009 को समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी को मनसे विधायकों द्वारा उन्हें हिंदी में शपथ लेने से रोका गया। और उनसे सदन में मार पीट की गयी। महाराष्ट्र विधान सभा अध्यक्ष ने इस घटना में शामिल मनसे के चार विधायकों को चार वर्ष के लिए निलम्बित कर दिया गया था। मुम्बई और नागपुर में विधान सभा बैठक के दौरान उनके प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई थी।

अभी पिछले दिनों पूर्व महाराष्ट्र में मनसे द्वारा खड़े किये गये अज़ान-लाउडस्पीकर-हनुमान चालीसा विवाद के मध्य मनसे प्रमुख राज ठाकरे को कथित तौर पर कोई धमकी भरा पत्र मिला। इस पत्र के मिलने के बाद एक मनसे नेता ने कहा कि राज ठाकरे को एक धमकी भरा उर्दू में लिखा गया पत्र मिला है, उनकी जान को ख़तरा है।

इस नेता ने चेतावनी दी है कि अगर ठाकरे को कुछ हुआ तो वे महाराष्ट्र को जला देंगे। स्वयं राज ठाकरे की राजनीति का अंदाज़ प्राय: आक्रामक व तल्ख़ी भरा ही रहता है। वे कई बार अपने साक्षात्कार के दौरान आपे से बाहर और वरिष्ठ पत्रकारों के प्रति अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते दिखाई देते हैं।

अब जबसे शिवसेना ने भाजपा से अपना पुराना नाता तोड़ कांग्रेस व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से मिलकर सरकार गठित की है तब ही से राज ठाकरे भाजपा के साथ अपने राजनैतिक संबंध बनाने की जुगत में लगे थे। या यूँ कहें कि भाजपा व मनसे दोनों को ही एक दूसरे से संबंध बनाने की मजबूरी दरपेश थी। परन्तु इसके लिये राज ठाकरे को अपने मराठी नहीं बल्कि हिंदुत्ववादी तेवरों में धार रखनी ज़रूरी थी।

जो उन्होंने मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने,अज़ान के वक़्त लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा पढ़ने जैसा विवाद खड़ा कर, करने की पूरी कोशिश भी की। साथ ही राज ठाकरे ने अपने नये हिंदुत्ववादी अवतार को क्षेत्रीय की जगह राष्ट्रीय कवच पहनाने के लिये 5 जून को अयोध्या में राम लला के दर्शन का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया ख़बरों के मुताबिक़ मनसे ने 11 ट्रेन रैक बुक कराने की योजना बनाई है ताकि अयोध्या में मनसे के कार्यकर्ता अपने नेता का स्वागत कर सकें। परन्तु उत्तर भारतीयों द्वारा राज ठाकरे का पुराना रिकार्ड अब खोल दिया गया है। बहराइच,अयोध्या से लेकर इलाहबाद और पूर्वांचल के कई ज़िलों में उन्हीं उत्तर भारतीयों ने राज ठाकरे का विरोध करने के लिये कमर कस ली है जिन्हें 2008 में राज ठाकरे के निर्देशों पर मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा इतना प्रताड़ित किया गया था कि लाखों लोग रास्तों में और ट्रेनों,बसों व टैक्सियों में मार खाते, लुटते, पिटते अपने घरों को लौटने के लिये मजबूर हो गए थे।

राज ठाकरे के विरोध में सत्ताधारी दल भाजपा के क़ैसर गंज के सांसद बृजभूषण शरण सिंह जोकि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष भी हैं, ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा है कि ठाकरे को अयोध्या आने देना तो दूर उन्हें उत्तर प्रदेश की सीमा में भी घुसने नहीं दिया जायेगा। और भी कई राजनेता व धर्मगुरु भी राज ठाकरे की अयोध्या यात्रा का विरोध कर रहे हैं। उनके अयोध्या आगमन से पहले ही अनेक राजनैतिक संगठन और संस?थायें विरोध में उतर आई हैं। अयोध्या के कई प्रमुख साधु संत व धर्मगुरु भी राज ठाकरे के प्रस्तावित अयोध्या दौरे का विरोध कर रहे हैं।

राज ठाकरे के अयोध्या दौरे का विरोध करने वालों का कहना है कि उत्तर भारतीयों को अपराधी कहने वाले राज ठाकरे या तो उत्तर भारतीयों से माफ़ी मांगें अन्यथा अयोध्या आने का साहस न करें।

इनका कहना है कि %हम उत्तर भारतीय ही भगवान श्री राम के वंशज हैं अत: उत्तर भारतीयों का महाराष्ट्र में अपमान किया जाना भगवान श्रीराम का अपमान है। राज ठाकरे भगवान श्री राम के अपराधी हैं। लिहाज़ा बिना माफ़ी मांगे अयोध्या आने पर उत्तर भारतीय राज ठाकरे का जमकर विरोध करेंगे। इस पूरे प्रकरण में आश्चर्य की बात तो यह है कि जहाँ एक भाजपा सांसद खुलकर राज ठाकरे के अयोध्या दौरे का विरोध कर रहे हैं वहीँ इन्हीं विरोध स्वरों के बीच अयोध्या से भाजपा के ही सांसद लल्लू सिंह, राज ठाकरे के समर्थन में आ गये हैं। सांसद लल्लू सिंह का कहना है कि जो भी प्रभु श्रीराम की शरण में आना चाहता है उसका अयोध्या में स्वागत है। सांसद लल्लू सिंह ने यह भी कहा कि -राज ठाकरे पर हनुमान जी की कृपा हुई है इसलिए वह अयोध्या में प्रभु श्रीराम जी की शरण में आ रहे हैं। मैं प्रभु से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें सद्बुद्धि मिले जिससे कि वह स्वयं के व महाराष्ट्र के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी की शरण में भी जाएं। उधर 10 जून को राज ठाकरे के भतीजे आदित्य ठाकरे भी अयोध्या आ रहे हैं। अयोध्या में दोनों ठाकरे के दौरे को लेकर पोस्टर लगाये जा रहे हैं।

इसके चलते अयोध्या शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के टकराव का केंद्र बनता जा रहा है। बहरहाल राज ठाकरे के रूप में अवसरवादी व विकृत राजनीति का एक और चेहरा तो ज़रूर उभर रहा है परन्तु इन सब के बीच उत्तर भारतीयों को यह जानना भी बेहद ज़रूरी है कि उत्तर भारतीयों के दम पर अपनी सरकार बनाने वाली व हिंदी भाषा का प्रसार करने की कोशिशों में लगी भारतीय जनता पार्टी हिंदी भाषा व उत्तर भारतीयों का विरोध करने वाले राज ठाकरे के प्रति नीतिगत व सैद्धांतिक रूप से आख़िर क्या विचार रखती है।

क्या ताज महल हिन्दू राजमहल या शिव मंदिर था ?

डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज', इन्दौर

मुगलों ने हिन्दुस्तान में शिवालय आदि ध्वस्त किये और उनके ही मलवे से अपनी मस्जिद मकबरे बनवा दिये। यही कारण है कि स्थान स्थान की ये ध्वंस के ऊपर बनाई गई निर्मितियाँ अपनी कहानी चीख-चीख कर कह रहीं हैं कि उनकी वास्तविकता क्या है। ताज महल के विषय में समय समय पर प्रश्नचिह्न खड़े किये गये। वर्तमान में पुन: इस पर आवाज उठ रही है।

हमारे पास पुरुषोत्तम नागेश ओक द्वारा लिखित पुस्तक ''ताजमहल हिन्दू राज-भवन था'' का चित्र और उसके कुछ पृष्ठों के चित्रों व प्रकाशित तथ्यों के विवरण सुरक्षित हैं। जिनके प्राय: प्रत्येक पृष्ठ पर लिखा है- ''प्रस्तुति निगमेन्द्र सिसोदिया''। इसमें चित्र के साथ निम्नांकित विवरण है-

1. ताजमहल के शिखर पर त्रिशूल

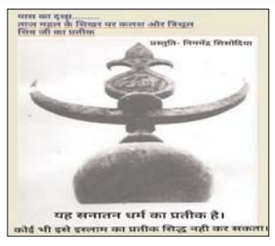

और कलश के चित्र। ताजमहल के शिखर पर कलश और त्रिशूल शिवजी का प्रतीक, यह सनातन धर्म का प्रतीक है। कोई भी इसे इस्लाम का प्रतीक सिद्ध नहीं कर सकता। 2. वैदिक ज्यामिति विधि से निर्मित छत। चित्र व टिप्पणी। 3. ताजमहल के निचने तल पर स्थित संगमरमरी कमरों का समूह.. ये राजा के महल के होने का प्रमाण है। इतने विशाल कमरे क्या मुर्दों के लिए कोई बनाता है? जब मकबरे में किसी को रहना नहीं था तो कोई कमरे क्यों बनाएगा? 4. आन्तरिक पानी का कुआँ। कुआँ

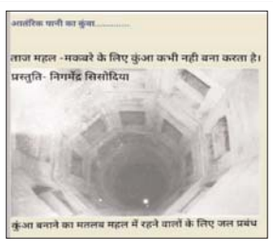

बनाने का मतलब महल में रहने वालों के लिए जल प्रबंध। 5. दीवारों पर बने हुए फूल, जिनमें छुपा हुआ है 'ओम्'। 6. दुनिया में किसी भी मुस्लिम इमारत को महल नहीं कहा जाता। 7. चित्र दरवाजे इंटों से बंद। टिप्पणी- पुरुषोत्तम नागेश ओक की खोज से डरकर इंदिरा गंधी द्वारा बहुत से साक्ष्यों को छुपाने के लिए, ईंटों से बंद किया गया दरवाजा। कोई पूछे मकबरे में ये गुप्त कमरे बनाने का मकसद क्या होता है। 8. प्रवेश द्वार पर बने लाल कमल...। कोई मुस्लिम सनातन धर्म प्रतीक कमल फूल को नहीं बनाता। 9. ताज महल में वैदिक शैली में निर्मित गलियारा। 10. पीछे की खिड़कियां और बंद दरवाजों का दृश्य। इतने विशाल खिड़की दरवाजे किसी राज-महल के कमरों के लिए बनते हैं।

उपरोक्त पुस्तक का संदर्भ देकर कहा गया है कि पृष्ठ सं. 1 में ओक कहते हैं कि ताजमहल प्रारंभ से ही बेगम मुमताज का मकबरा न होकर, एक हिंदू प्राचीन शिव मन्दिर है जिसे तब तेजो महालय कहा जाता था। अपने अनुसंधान के दौरान ओक ने खोजा कि इस शिव मंदिर को शाहजहां ने जयपुर के महाराज जयसिंह से अवैध तरीके से छीन लिया था और इस पर अपना कब्जा कर लिया था।

फिर भी जब तक सभी तथ्यों का साक्ष्यीकरण नहीं हो जाता तब तक किसी भी प्रस्तुति को प्रामाणिक नहीं माना जा सकता है। किन्तु ताजमहल के सर्वेक्षण करने को बल अवश्य मिलता है।

जंगल में मोर नाचा किसने देखा

जंगल में मोर नाचा किसने देखा ? इसलिए मोरों की मंडली ने निर्णय किया कि वे अब सबके सामने नाचेंगे। वाह-वाही बटोरेंगे। आजकल यही मोर हर जगह नाच रहे हैं। कोई मयूर हाथ में माइक लिए लोगों को उल्टी-सीधी पट्टी बंधाते हुए नाच रहा है तो कोई भाड़े पर बुलाए लोगों में फल-फूल बांटकर। लेकिन ये मोर जब जंगल से चौराहे पर नाचे आन्दोलन में भाग लेने लगते हैं तो आप समझ सकते हैं कि क्या हाल होता होगा। ट्रैफिक रुक जाता है, लोगों का हाल-बेहाल हो जाता है। दिन गर्मी के हों तो पसीने से, बारीश के हों तो कीचड़ से और सर्दी के हों तो ठिठुरती हड्डियों से परेशान हो जाते हैं। ऐसे मोर जब चौरस्तों पर नाचते हैं तो इनके कुछ पंख टूटकर गिर जाते हैं, लोग इन्हें बटोरने के लिए दौड़ने लगते हैं। शायद ये भी अपने सिर पर लगाकर घर में नाच-नाचकर हुड़दंग मचाना चाहते हैं। ऐसा इसलिए भी हो सकता है कि इससे पहले के नाच से घरवाले ऊब गए हों इसलिए नवीन प्रयोग से उन्हें अपनी आकृष्ट करने और उनका ध्यान मुद्दे वाली बात से भटकाने की चेष्टा करते हैं। कुछ तो फ्री मिल रहे मयूर पंखों से मयूरपंखा बनाकर झेलने की चेष्टा भी करने लगते हैं। अब बिजली की इतनी कटौती हो रही हो तब ऐसे ही किसी उपाय का सहारा लेना समय की माँग बन जाती है। लोग तो लोग हैं। लोग कभी रोग भी बन जाते हैं। जिन मयूरों को अपने नाच पर घमंड था, जिन्हें लगता था कि उनके नाचने से वाह-वाही मिलेगी वे लोगों के आलोचकीय टिप्पणियों से ध्वस्त हो गए। किसी ने कहा यह भरतनाट्यम करता तो अच्छा होता। किसी ने कत्थकली तो किसी ने मणिपुरी की माँग रख दी। जितने मुँह उतनी माँगें। किसी ने कहा इसे तो नागिन डांस ही नहीं आता। यह भी कोई नाच है। ऐसा नाच तो कोई भी कर सकता है। कुछ कोरियोग्राफर टाइप के लोग जो बिन माँगे मुफ्त की सलाह दे देते हैं, वे यमूर की कमर, पैरों, सिर की भंगिमाओं पर टिपियाने लगे। मयूर को अपने मयूर होने पर शर्म आने लगती हैं।

अगर जीतना स्वयं को, बन सौरभ तू बुद्ध !!

सत्यवान 'सौरभ'

बौद्ध धर्म का एक मजबूत व्यक्तिवादी घटक है- जीवन में हर किसी की अपनी खुशी की जिम्मेदारी है। बुद्ध ने चार आर्य सत्यों को मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में प्रस्तुत किया- जीवन में दुख है; दुख का कारण इच्छा है; इच्छा समाप्त करने का अर्थ है दुख को समाप्त करना; और एक नियंत्रित और मध्यम जीवन शैली का पालन करने से इच्छा समाप्त हो जाएगी, और इसलिए दुख समाप्त हो जाएगा। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, बुद्ध ने नोबेल अष्टांगिक मार्ग प्रस्तुत किया- सही विश्वास, सही संकल्प, सही भाषण, सही आचरण, सही व्यवसाय, सही प्रयास, सही दिमागीपन, और सही समाधि-या ध्यान। बौद्ध प्रथा के अनुसार, अष्टांगिक मार्ग का अनुसरण करने से अंतत: संसार, पुनर्जन्म और पीड़ा के चक्र से मुक्ति मिल जाएगी।

गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित बौद्ध दर्शन और सिद्धांत, वास्तविकता और मानव अस्तित्व के बारे में सार्थक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। बौद्ध धर्म भोग और सख्त संयम जैसे चरम कदमों का त्याग करते हुए मध्य मार्ग सिखाता है। उनके अनुसार बौद्ध धर्म के व्यक्तिवादी घटक पर बल देते हुए, जीवन में अपनी खुशी के लिए हर कोई जिम्मेदार है। मध्य मार्ग बुद्ध की शिक्षा का मूल है और इसे जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनाया जा सकता है।

इसका अनिवार्य रूप से अर्थ है चरम सीमाओं से बचना, जैसे कि आज हम जो देख रहे हैं-संकीर्ण राष्ट्रवाद और बेलगाम उदारवाद, धार्मिक कट्टरता और घटिया धर्म, एक गौरवशाली अतीत के प्रति जुनून और आधुनिक मानी जाने वाली सभी चीजों को सही ठहराना। छ- पोशाक, भोजन आदि को लेकर एक विशेष आस्था के लोगों के एक वर्ग को आँख बंद करके निशाना बनाना। संक्षेप में, दूसरे के दृष्टिकोण पर विचार किए बिना जो सही है उसमें अंध विश्वास। बुद्ध का अभ्यास कहता है चरम तरीकों से बचें और तर्कसंगतता के बीच के रास्ते पर चलना समय की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, चल रहे यूक्रेन युद्ध जहां रूस और नाटो अपने स्वयं के लक्ष्यों को प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

समसामयिक तौर पर देखे तो बौद्ध धर्म में जाति व्यवस्था शामिल नहीं है - यह समानता सिखाता है और यह कि हर कोई व्यक्तिगत सुधार के माध्यम से निर्वाण तक पहुंचने में सक्षम है। बौद्ध धर्म में परिवर्तित होने से, निचली जाति के सदस्य जाति व्यवस्था के तहत होने वाले भेदभाव से बच सकते हैं और अन्य बौद्धों द्वारा उनके साथ समान व्यवहार किया जा सकता है। अस्पृश्यता की प्रथा को भारत के संविधान द्वारा गैरकानूनी घोषित किया गया है। यह मनुष्य के पतन की सबसे पुरानी प्रणाली है। और, यह अभी भी ग्रामीण और शहरी भारत में प्रचलित है। यह भी स्पष्ट है कि पूरे भारत में अनुसूचित जातियों के बीच दावे की डिग्री बढ़ी है। वे हर संभव तरीके से श्रेणीबद्ध पदानुक्रम और असमानता का विरोध कर रहे हैं। बुद्ध ने स्वयं एक संस्था के रूप में जाति की आलोचना की; और, 20वीं शताब्दी में, कई निम्न-जाति के हिंदुओं ने, अम्बेडकरवादी शिक्षाओं के प्रभाव में, जातिगत भेदभाव से बचने के लिए फिर से खोज की और बौद्ध धर्म में परिवर्तित हो गए। अम्बेडकरवादी आंदोलन बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा सिखाए गए और अभ्यास किए गए लोकाचार से प्रभावित है। 1956 में बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा शुरू किए गए महान धर्मांतरण आंदोलन के बाद यह आंदोलन बौद्ध धर्म से प्रभावित हो रहा है। यही कारण है कि हजारों दलित आज भी बौद्ध धर्म अपनाते हैं। पुनरुत्थानवादी बौद्ध धर्म आधुनिक भारत में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतीक है। कई शताब्दियों के अंतराल के बाद बौद्ध धर्म मुख्यधारा का धर्म बन गया है। अनुसूचित जाति के अलावा आदिवासी और ओबीसी धीरे-धीरे इसकी ओर रुख कर रहे हैं। बौद्ध धर्म लोकतंत्र का झंडा पकड़े हुए है। बौद्ध धर्म उन लोगों को बहुत आवश्यक आत्मविश्वास और सम्मान प्रदान करता है जो जाति-आधारित सामाजिक व्यवस्था द्वारा हीन और निंदा करने के लिए मजबूर हैं। यह आत्मविश्वास जाति के नरक से उनके उत्थान और विश्वास और सम्मान की भूमि में उनके आगमन में स्पष्ट है।

वाह रे गुरुर!!!

गुरुर में रहोगे तो रास्ते भी ना देख पाओगे - मंजिल पाना तो बहुत दूर की बात है!!

लक्ष्यों की सफ़लता में गुरुर सबसे बड़ा बाधक!! नम्रता, सहयोग, इमानदारी लक्षित मंजिलों तक पहुंचाने की चाबी - एड किशन भावनानी

गोंदिया - कुदरत ने इस खूबसूरत सृष्टि में मानव काया की अनमोल रचना कर उसे कुशाग्र बुद्धि क्षमता के रूप में अनमोल अस्त्र सौंपा है! तो गुरूर, अभिमान, अहंकार, अकड़, अहंवाद, गुमान, नखरो जैसी अनेक विशुद्धयां भी डाली है, ताकि मानवीय जीवन यात्रा में अच्छे काबिल और उचित लोग उस उचित स्थान याने मंजिल तक पहुंच सके और सारी मानवता का कल्याण कर अच्छाई से अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर वापस वैकुंठ धाम में प्रवास करेंद्य

साथियों हमने अपने बड़े बुजुर्गों से सुने हैं कि जिस मानव के पास लक्ष्मी मां प्रवास करती है तो उसे पद, प्रतिष्ठा देकर उसकी परीक्षा लेती है, जिसमें विकारों से लेकर उपरोक्त विशुद्धियां और नम्रता, सहयोग, इमानदारी जैसी शुद्धियों का घेरा डालती है!! फिर मानव का कार्य है कि अपनी बुद्धि के बल पर विशुद्धियों और शुद्धियों का चुनाव करें स्वाभाविक ही है, कुशाग्र बुद्धि का व्यक्ति शुद्धियों को और बाकी लोग विशुद्धियों को चुनेंगे जिसके कारण लक्ष्मी मां वहां से प्रस्थान कर ती है यह महत्वपूर्ण बात संपूर्ण मानव जाति के लिए रेखांकित करने योग्य बात है। इन उपरोक्त पैरा में बताए गए शब्दों को हम गुरूर में परिभाषित कर सकते हैं, यही लक्ष्यों की सफलताओं में सबसे बड़ा बाधक है इसलिए हर व्यक्ति को चाहिए कि नम्रता, सहयोग, ईमानदारी सहित सभी शुद्धि सूचक शब्दों को अपनाकर लक्षित मंजिलों तक पहुंचकर अपना खुद का, समाज, जिला, राज्य और राष्ट्रीय का भला कर सकते हैं

साथियों बात अगर हम अपने दैनिक दिनचर्या की करें तो हमारा शासकीय, अशासकीय, निजी क्षेत्रों में अनेक ऐसे पदों पर बैठे अधिकारियों, व्यक्तियों, कर्मचारियों से पाला पड़ा होगा और हम सोचने पर मजबूर हो गए होंगे? कि पद के लिए कितना गुरूर है इन्हें!! जब यह पद चला जाएगा या रिटायर्ड हो जाएंगे तो इनका क्या होगा!! और हमने अपनी आंखों से ऐसे व्यक्तियों की बुरी हालत होते देखी है!! उनका परिवार अशांत रहता है, आंतरिक सुख उन्हें कभी नहीं मिलता क्योंकि उन्होंने जीवन भर अपने गुरूर और भ्रष्टाचार को अपना रखा था तो उनका जीवन कभी सुखी नहीं होगा वह अपने जीवन के लक्ष्य तक कभी पहुंच नहीं पाएंगे!!

साथियों बात अगर हम गुरूर रूपी विशुद्धि से हानियों की करें तो, गुरुर जीवन का सबसे बड़ा संकट है, ये जिस पर छा जाता है, उसके जीवन को बर्बाद कर देता है। गुरुर को हम गर्व भी मानते है, इतिहास गंवा है,जो व्यक्ति गुरुर से अलंकृत हुए है, उनका नाश शीघ्र ही हुआ है!!

जिसमे हम सबसे प्रमुख राजा रावण को ले सकते है। गुरुर से बुद्धि का नाश होता है। गुरुर एक लत है और यह लत जिसको लगती है उसका जीवन बर्बादी की ओर अग्रसर होता है अपने जीवन में गुणों को प्रवेश नहीं देता है और खुद को बड़ा समझ कर दूसरों को नीचा समझता है इसी बीच वह अपने ज्ञान मे बढ़ोतरी नहीं कर पाता है।

साथियों बात अगर हम गुरुर के चक्रव्यूह में फंसे इंसान की करें तो, गुरुर के चक्रव्यूह से ग्रसित इंसान कभी किसी के अनुसरण को स्वीकार नहीं कर पाता। अंतत- एक ही परिणति को प्राप्त होता है, वह है सर्वनाश। जब व्यक्ति गुरुर के चक्रव्यूह में फंसा होता है तो नम्रता, बुद्धि, विवेक चातुर्य सभी गुण उससे दूर हो जाते हैं। उस व्यक्ति की नजर में हमेशा सभी लोग निम्न स्तर के ही होते हैं। सदैव दूसरों की राह में बाधा उत्पन्न कर प्रसन्नता अनुभव करते हैं। औरों को गिराकर अपनी राह बनाने की चेष्टा करते रहते हैं। वे लोग अपने दंभ में इतनी वृद्धि कर लेते हैं कि कल्पना भी नहीं कर पाते कि एक दिन उनका पतन भी अवश्यंभावी है।

साथियों गुरुर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है, क्योंकि गुरुर मनुष्य का सर्वनाश करके छोड़ता है। वह मनुष्य के विवेक को हर लेता है। उसकी बुद्धि को भ्रष्ट कर देता है। गुरुर अर्थात अहंकार से ग्रस्त व्यक्ति अपने सामने किसी को कुछ नहीं समझता और वो खुद को ही सर्वे-सर्वा और सर्वश्रेष्ठ समझता है। गरुर मनुष्य को गर्त में ले जाता है। गरूर की रुचि दिखाने में होती है। प्रतिभा का प्रदर्शन भी होना चाहिए, परंतु यदि प्रतिभा में जुगनू-सी चमक हो तो गरूर पैदा होगा और यदि सूर्य-सा प्रकाश हो तो प्रतिभा का निरहंकारी स्वरूप सामने आएगा।

साथियों बात अगर हम गुरूर से बचने की कवायत की करें तो, बुद्धि के क्षेत्र में तर्क है, हृदय के स्थल में प्रेम और करुणा है। अहंकार यहीं से गलना शुरू होता है।

अपनी प्रतिभा के बल पर आप कितने ही लोकप्रिय और मान्य क्यों न हो, पर गरुर के रहते अशांत जरूर रहेंगे।

अहं छोड़ने का एक आसान तरीका है मुस्कराना। गरूर का त्याग करके मनुष्य ऊँचाई को प्राप्त कर सकता है। अत: मुस्कराइए, सबको खुशी पहुँचाइए और गुरुर को भूल जाइए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वाह रे गुरुर!!! गुरुर में रहोगे तो रास्ते भी ना देख पाओगे, मंजिल पाना तो बहुत दूर की बात है!!! लक्ष्यों की सफलता में गुरुर सबसे बड़ा बाधक!! नम्रता, सहयोग, ईमानदारी लक्षित मंजिलों तक पहुंचाने की चाबी है

भारत की आरती

(शमशेर बहादुर सिंह)

भारत की आरती
देश-देश की स्वतंत्रता देवी
आज अमित प्रेम से उतारती।

निकटपूर्व, पूर्व, पूर्व-दक्षिण में
जन-गण-मन इस अपूर्व शुभ क्षण में
गाते हों घर में हों या रण में
भारत की लोकतंत्र भारती।

गर्व आज करता है एशिया
अरब, चीन, मिस्र, हिंद-एशिया
उत्तर की लोक संघ शक्तियां
युग-युग की आशाएं वारतीं।

साम्राज्य पूंजी का क्षत होवे
ऊंच-नीच का विधान नत होवे
साधिकार जनता उन्नत होवे
जो समाजवाद जय पुकारती।

जन का विश्वास ही हिमालय है
भारत का जन-मन ही गंगा है
हिन्द महासागर लोकाशय है
यही शक्ति सत्य को उभारती।

यह किसान कमकर की भूमि है
पावन बलिदानों की भूमि है
भव के अरमानों की भूमि है
मानव इतिहास को संवारती।

शार्ट न्यूज

बिजनौर में उधार के 30 रुपये मांगने पर दुकानदार की लाठी-डंडों से पिटाई, मौत

बिजनौर। बिजनौर जिले के शिवाला कलां थाना क्षेत्र के एक गांव में उधार के 30 रुपये मांगने पर तीन लोगों ने दुकानदार की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना शनिवार रात की है और पुलिस आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उनकी तलाश कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राम अर्ज के मुताबिक, शिवाला कलां थाना क्षेत्र के टांडा ढाकी गांव में परचून की दुकान चलाने वाले यशपाल (50) शनिवार रात जब उधार के 30 रुपये मांगने पहुंचे तो भूपेंद्र, उसके भाई योगेंद्र और आशि ने उनकी लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। राम अर्ज के अनुसार, गंभीर रूप से घायल यशपाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश में जुटी है।

ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वीडियोग्राफी का 80 प्रतिशत काम पूरा हुआ

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में वीडियोग्राफी का काम दूसरे दिन, रविवार को भी जारी रहा तथा इसका अधिकतर काम पूरा हो गया। स्थानीय अदालत के आदेश पर वीडियोग्राफी सर्वे का काम शनिवार को शुरु हुआ था। प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक 80 प्रतिशत क्षेत्र की वीडियोग्राफी की जा चुकी है। इस दौरान पूरे परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। कड़े सुरक्षा इंतजामों के तहत वीडियोग्राफी से संबंधित सामग्री भी सर्वे टीम द्वारा वहीं जमा करवा दी जाती है। सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर की अदालत ने परिसर की वीडियोग्राफी के आदेश दिये थे। इस मामले में की जा रही वीडियोग्राफी की रिपोर्ट एडवोकेट कमिश्नर 17 मई के पहले अदालत में पेश करेंगे। जिस पर अदालत 17 मई को सुनवाई करेगी। रविवार को मस्जिद के ऊपरी इलाके की वीडियोग्राफी की गयी। शनिवार को मस्जिद के तहखाने के विभिन्न कमरों का सर्वे किया गया था।

नेत्रहीन को बना दिया भू-माफिया, लेखपाल निलंबित

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक नेत्रहीन गरीब को भू-माफिया घोषित करने वाले लेखपाल को निलंबित कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने मामले की जांच के आदेश दिये हैं। अधिकृत सूत्रों ने रविवार को बताया कि तहसील मीरगंज के ग्राम सुल्तानपुर निवासी महेंद्र पाल सिंह (62) जन्म से नेत्रहीन है। 40 साल पहले उन्हे आवंटन में मात्र पांच बीघा जमीन मिली थी। भूमि को बटाई करा कर अपने परिवार का पालन करता है। कुछ दिन पहले लेखपाल से खसरा की नकल मांगी थी और इस काम के लिए 100 रूपये बतौर रिश्वत मांगें जबकि महेंद्र 20 रुपये देना चाहता था क्योंकि निर्धारित शुल्क 20 रुपये तय है। इस पर कुछ विवाद हुआ और लेखपाल नाराज हो गया। लेखपाल ने चार मई को राजस्व टीम से मिलकर उसकी जमीन में खड़ी फसल को पलटवा कर उसे भूमाफिया घोषित करा दिया था। इससे पीड़ित ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर इच्छा मृत्यु मांगी तब शासन स्तर पर जांच शुरू हो गई और बरेली जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया आनन-फानन में जांच कराई गई। जिलाधिकारी शिवाकांत द्विवेदी ने पत्रकारों को बताया कि लेखपाल मोरपाल गंगवार जांच में दोषी पाते हुए निलंबित कर दिया और विभागीय जांच के आदेश भी दे दिए।

तमंजे के बल पर बाइक सवार बदमाशों ने सर्राफा कारोबारी से लूटे 10 लाख के जेवर

जौनपुर। जौनपुर के झिगुरिया गांव के पास बाइक सवार बदमाशों ने तमंचे के बट से सराफा व्यवसाई को मारकर जेवर से भरा झोला लेकर फरार हो गए। झोले में 10 लाख की कीमत का जेवर बताया जा रहा है। वह बाइक से परियत स्थित घर से जयरामपुर बाजार में ज्वेलरी की दुकान पर जा रहा था। परियत निवासी ध्रुव सेठ का लड़का सत्यम सेठ जयरामपुर बाजार में राज ज्वेलर्स के नाम से दुकान खोल रखा है। वह झोले में आभूषण लेकर बाइक संख्या यूपी 62 बीएम 4144 से अपनी दुकान पर जा रहा था। झिगुरिया गांव के पास उसके पीछे से एक बाइक पर सवार तीन बदमाश धक्का मारकर गिरा दिए, इसके बाद सर्राफा व्यवसायी व बदमाशों में धरा धरी हो गया। बदमाश बचने के लिए उसे तमंचे के बट से मार दिया जिससे उसका सिर फट गया और वह बेहोश हो गया। बदमाश जेवर से भरा झोला लेकर फरार हो गए। सर्राफा व्यवसायी करीब घण्टे भर धूप में पड़ा तड़प रहा था। थोड़ा से होश आने पर रास्ते से गुजर रहे किसी राहगीर से परिजनों को फोन कर घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे उसके परिजन ने 112 नम्बर पुलिस को सूचना दी। सूचना लगते ही पुलिस के हाथ पांव फूल गए। मौके पर पहुची पुलिस व्यवसायी को अस्पताल लेकर चली गई।

तमंचे पर डिस्को करने वाला युवक पहुंचा हवालात

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में मीरगंज थाने की पुलिस ने नर्तकी के साथ तमंचे पर डिस्को करने वाले दबंग को गिरफ्तार कर हवालात भेज दिया। मछलीशहर के पुलिस उपाधीक्षक (सीओ) अतर सिंह ने रविवार को बताया कि दो दिन से सोशल मीडिया पर एक युवक द्वारा अवैध तमंचा लहराते हुए एक नर्तकी संग डांस करने का वीडियो वायरल हो रहा था। यह वीडियो पुलिस अधिकारियों तक पहुंचने पर पुलिस सक्रिय हुयी। जौनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय कुमार साहनी के निर्देश पर पुलिस ने युवक की पहचान और पता ठिकाने की तलाश शुरू की। वह युवक मीरगंज थाना क्षेत्र के दरापुर करियांव गांव निवासी हरिदास का पुत्र प्रांजल गौतम निकला। उन्होंने बताया कि आज मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष मीरगंज ने प्रांजल को अवैध कट्टा 315 बोर व एक कारतूस के साथ जरौना से गिरफ्तार कर लिया गया है।

अमरोहा में नाई ने की युवक की हत्या

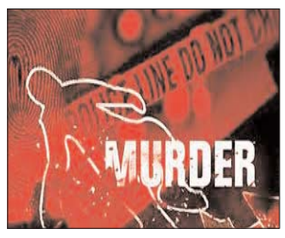

अमरोहा। उत्तर प्रदेश में अमरोहा के सैदनगली क्षेत्र में रविवार को एक नाई ने दुकान में बाल कटवाने गए युवक की कैंची से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस प्रवक्ता ने सैदनगली के मोहल्ला जमाईपुरा में मजदूरी करके परिवार का गुजारा करने वाले रोहिद (20) आज सुबह मोहल्ले में ही महबूब नाई की सैलून की दुकान पर बाल कटवाने गया था। बताते हैं कि अपनी बारी आने पर बाल कटवाने को लेकर सैलून संचालक महबूब से उसकी कहासुनी हो गयी। आरोप है कि महबूब नाई ने कैंची से युवक की गर्दन और सीने पर वार पर वार कर दिये जिससे वह बुरी तरह से लहुलुहान हो गया। पुलिस द्वारा स्थानीय सरकारी अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने रोहिद को मृत घोषित कर दिया गया।मृतक मजदूरी का काम करता था। पुलिस फरार नाई की तलाश कर रही है।

रायबरेली जेल में बंद कैदी की अस्पताल में मौत

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिला कारागार में जानलेवा हमले के मामले में निरुद्ध कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई है। जेलर सत्य प्रकाश सिंह ने आज रविवार को बताया कि जानलेवा हमले और एससीएसटी मामले में निरुद्ध एक कैदी की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गयी है, वह तीन दिन से बीमार चल रहा था। गत तीन सालों से जिला कारागार में बंद कैदी पंकज दीक्षित (50) की जिला अस्पताल में मौत हो गई है। उन्होने बताया कि तीन दिन पहले उसको उल्टी दस्त की शिकायत होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उसकी कल मौत हो गई है। कैदी की मौत की सूचना पाकर अपर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव भी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने कैदी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

योगी सरकार की नई पहल : वाराणसी, गोरखपुर और कानपुर सहित 13 शहरों में बनेंगे 26 सिटी फॉरेस्ट

लखनऊ। योगी सरकार ने वाराणसी, गोरखपुर और कानपुर सहित 13 शहरों में 26 नगर वन क्षेत्र (सिटी फॉरेस्ट) विकसित करने की पहल की गई है। सरकार ने इस पहल को अगले छह महीने में अमलीजामा पनहनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि राज्य का हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए शुरू की गई इस पहल के दायरे में जिन 13 शहरों को चिन्हित किया गया है, उनमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विधानसभा क्षेत्र गोरखपुर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के अलावा आगरा, फिरोजाबाद, झांसी, कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, हरदोई, हाथरस, इटावा, हरदोई, रायबरेली, मुरादाबाद और अमरोहा शामिल हैं।

सरकार की इसके पीछे मंशा है कि इन वनों के विकसित होने पर पर्यटकों को नेचुरल पिकनिक स्पॉट का एक विकल्प मिलेगा। साथ ही मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार इको टूरिज्म के दायरे का भी विस्तार होगा। स्थानीय स्तर पर रोजी-रोटी के अवसर मिलना इस अभिनव योजना का बोनस होगा। हर सिटी फॉरेस्ट के लिए केंद्र की ओर से निधारित 2 करोड़ रुपये की धनराशि में से 1.40 करोड़ रुपये की धनराशि राज्य सरकार को जारी कर दी गई है। जल्द ही यह धनराशि संबंधित जिलों

को काम शुरू कराने के लिए उपलब्ध करा दी जाएगी। उम्मीद है कि विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) पर इस बाबत पौधरोपण की शुरुआत भी हो जाएगी।

ये वन क्षेत्र बाउंड्री या बाड़ से घिरे होंगे। इनमें स्मृति वन, आरोग्य वाटिका, नक्षत्र वाटिका और हरिशंकरी वाटिका बनाई जाएगी। जैव-विविधता के लिए इसमें सभी प्रकार की सजावटी, झाड़ियां, बेलदार, औषधीय पौधे, फूल और फलों के पौधे लगाए जाएंगे। यहां एडवेंचर स्पोर्ट्स, साइकिल ट्रेक, पाथवेज, आपेन जिम, जागर्स पार्क, बेंच समेत जनसुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। मालूम हो कि पर्यावरण संरक्षण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं में से एक है। अपने पहले कार्यकाल से ही उनका जोर प्रदेश में हरियाली का रकबा बढ़ाने का रहा है। लोग इस अभियान से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ें इसके लिए मुख्यमंत्री की पहल पर गंगा के किनारे गंगा वन, नक्षत्र वाटिका, गृह वाटिका, राम वनगमन मार्ग पर उस समय के पौधों का पौधरोपण, विरासत वृक्षों का संरक्षण एवं संवर्धन, ब्रज क्षेत्र में द्वापर युग मे जितने तरह के वनों का जिक्र है उनको केंद्र में रखकर पौधरोपण, अपने पूर्वजों के नाम पर पौधरोपण जैसी योजनाएं शुरू की गईं। इनका नतीजा भी निकला।

पिछले कार्यकाल में योगी सरकार ने वन महोत्सव के दौरान हर साल अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। नतीजतन कुल मिलाकर वन एवं अन्य विभागों और काश्तकारों ने मिलकर इस दौरान 101.4 करोड़ पौधे लगाए गए। योगी सरकार 2.0 में भी इन योजनाओं का सिलसिला जारी रहेगा। साथ ही सिटी और फूड फारेस्ट जैसी कुछ योजनाएं भी शुरू की गई हैं।

गंगा नदी में नहाने गए चार लड़के डूबे, दो के शव बरामद

भदोही। भदोही में रविवार की सुबह गंगा नदी में नहाते समय चार लड़के डूब गए। घटना गोपीगंज थाना क्षेत्र के विहरोजपुर गंगा घाट पर की है। ग्रामीण व गोताखोर डूबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। उधर, घटना की जानकारी के बाद घाट पर बड़ी तादाद में ग्रामीण व पुलिस के जवान पहुंचे।

गोपीगंज थाना क्षेत्र के कवलापुर गांव निवासी अंकित (20 वर्ष), विक्की (22 वर्ष), लकी (17 वर्ष) और प्रभात (24 वर्षीय) रविवार की सुबह विहरोजपुर घाट गंगा नदी में स्नान करने को गए थे। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि सभी नदी में कूदे और काफी देर तक बाहर नहीं निकले। कुछ देर बाद पास में स्नान कर रही महिला

ने जानकारी गांव के लोगों को दी, जिसके बाद बड़ी तादात में वहां लोग इकट्ठा हो गए। सूचना पर गोपीगंज थाने की पुलिस भी पहुंची। ग्रामीणों और गोताखोरों ने डूबे लोगों की तलाश शुरू कर दी है। करीब दो घंटे बाद गोताखोरों ने अंकित और लकी का शव बरामद कर लिया। वहीं हादसे की सूचना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

महिला ने एक युवक को बचाया

गंगा नदी में रविवार को दुबे तीन युवकों के साथ एक और युवक नहाने गया था। विहरोजपुर गांव की एक महिला में एक युवक को बचा लिया है। हालांकि अभी तक उसका नाम पता नहीं चल पाया है। युवक घर चला गया है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर आला अधिकारी भी पहुंचे।

दशकों से राष्ट्रगान के जरिये देशभक्ति का जज्बा भर रहा है एक मदरसा

एजेंसी

इटावा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने भले ही अब मदरसों मे नियमित राष्ट्रगान की प्राथमिकता रखी हो लेकिन इटावा में एक मदरसा ऐसा भी है जो पिछले दो दशक से पठन पाठन से पहले राष्ट्रगान गवा कर बच्चों में देश भक्ति का जुनून पैदा करने में लगा है।

जिला मुख्यालय के निकट पक्का तालाब पर स्थिति दारूल उलम चिश्तिया मदरसे में हर रोज सुबह कक्षायें शुरू होने से पहले स्कूली बच्चे राष्ट्रगान गाते हैं। मदरसा संचालकों के मुताबिक यहां आने वाले बच्चों के लिये राष्ट्रगान दिनचर्या का एक अंग है और ऐसा कर वह खुद को गौरान्वित महसूस करते हैं।

दारूल उलूम चिश्तिया मदरसा संचालक हाफिज फैजान चिश्ती ने राष्ट्रगान के सरकारी आदेश का स्वागत किया और कहा कि बच्चों को राष्ट्रगान से एक नई ऊर्जा का भी अहसास होता है। सरकार ने यह आदेश अभी जारी किया है लेकिन उनके मदरसे मे बहुत ही पहले से राष्ट्रगान गाया जा रहा है। सरकार ने आदेश देकर साफ कर दिया है कि हर हाल मे पढाई से पहले राष्ट्रगान का किया जाना जरूरी कर दिया गया तो यह बहुत ही अच्छी बात है । सरकार का यह आदेश स्वागत योग्य है।

उन्होने कहा जिसको अपने वतन से मोहब्बत होगी उसे आखिर क्यों राष्ट्रगान पढ़ने से दिक्कत होगी। हमें राष्ट्रगान पढ़ने से फक्र महसूस होता है। राष्ट्रगान से उनके स्टाफ और बच्चों में एक नई ऊर्जा का संचालन होता है। हमारे यहां मदरसों में राष्ट्रगान पहले से गाया जाता रहा है और आगे भी गाया जाता रहेगा ।

शुक्रवार से प्रदेश के सभी में मदरसों में राष्ट्रगान को गाए जाने को लेकर आदेश किया गया था लेकिन शुक्रवार को जुमे के दिन मदरसों में छुट्टी होने के चलते मदरसे बंद थे जिसके बाद शनिवार को पहले दिन मदरसे खुलने के बाद मदरसा दारुल उलूम चिश्तिया में बच्चों और स्टाफ ने राष्ट्रगान गाकर दिन की शुरुआत की ।

क्लास केजी से 8 तक चलने वाले मदरसे में अरबी, उर्दू, दीनी इस्लामी तालीम के साथ ही हिंदी, अंग्रेज़ी, मैथ, साइंस, कंप्यूटर, के साथ ही अन्य विषयों की शिक्षा दी जाती है । इस मदरसे में इस समय 80 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे है ।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित गंगा प्रसाद तिवारी का निधन

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले में वयोवृद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित गंगा प्रसाद तिवारी का रविवार को लंबी बीमारी के बाद उनके पैतृक आवास पर निधन हो गया। वह लगभग 100 वर्ष के थे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिले के मछलीशहर तहसील एवं सुजानगंज थाना क्षेत्र के सर्वे मऊ गांव के निवासी श्री तिवारी, विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित होकर स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गये थे। उन्होंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में अपने सहयोगियों के साथ क्षेत्र के रायपुर में स्थित पुल को तोड़ने और सुजानगंज थाने को लूटने में अहम भूमिका निभाई थी, उस समय इन्हें गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के दौरान ही इनके मुकदमे का निर्णय हुआ, उसमें इन्हें तीन माह की सजा मिली थी। गिरफ्तारी से लेकर सजा भुगतने तक लगभग एक साल तक वह जेल में रहे। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री तिवारी विगत दो वर्षों से बीमार चल रहे थे। पैतृक आवास पर आज उनका निधन हो गया।

काशन मनी से सुविधाओं का विस्तार कर सकेंगे एडेड डिग्री कालेज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने हायर एजुकेशन रेनोवेशन मिशन के तहत अशासकीय (एडेड) और स्ववित्तपोषित महाविद्यालय में काशन मनी से अवस्थापना सुविधाओं के विस्तार की अनुमति देने का फैसला किया है।

सेल्फ फाइनेंस महाविद्यालय भी राज्य विश्वविद्यालयों के सहयोग से संसाधन और सुविधाओं में इजाफा कर सकेंगे। इसके लिए शासन स्तर से कार्य योजना तैयार की जा रही है।

आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि उच्च शिक्षा में व्यापक सुधार कर रही योगी सरकार ने अशासकीय और स्ववित्तपोषित कालेजों में बुनियादी सुधार और अवस्थापना सुविधाओं के उच्चीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राज्य के 331 एडेड कालेज अब जमा काशन मनी का उपयोग अवस्थापना सुविधाओं के विस्तार में कर सकेंगे। इसके लिए सरकार ने अनुमति देने जा रही है ।

इसे एडेड कालेजों में सुधार की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

इसी क्रम में सरकार सेल्फ फाइनेंस कालेजों के कायाकल्प के लिए कार्य योजना तैयार कर रही है। इसके तहत 7300 से अधिक सेल्फ फाइनेंस कालेजों की अवस्थापना सुविधाओं बढ़ाने में राज्य विश्वविद्यालय सहयोग करेंगे। अभी तक स्ववित्तपोषित कालेज अपने संसाधन से अवस्थापना सुविधाओं की व्यवस्था करते थे ।

विश्वविद्यालयों से सहायता मिलने के बाद सुविधाएं बढ़ने से शिक्षा का स्तर सुधरेगा।

उन्होने बताया कि सरकार ने शिक्षा के आधुनिकीकरण और नवाचार के लिए महाविद्यालयों में अगले तीन चार वर्षों में स्मार्ट क्लास रूम की व्यवस्था और स्टीम लैब्स के नवीनीकरण की योजना तैयार की है।

हायर एजुकेशन रेनोवेशन मिशन के तहत तीन सालों में 50,100 और 181 कालेजों में स्मार्ट क्लास की व्यवस्था की जाएगी। इसी तरह आगामी चार वर्षों में क्रमश: 50,50,100 और 131 कालेजों में स्टीम लैब्स का नवीनीकरण किया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि योगी सरकार में उच्च शिक्षा बजट का वित्तीय वर्ष 2021-22 में बढ़कर 3678.56 करोड रहा जो 2003-04 की तुलना में सात गुना और 2012-13 के सापेक्ष डेढ़ गुने से अधिक है।

वर्ष 2003-04 में उच्च शिक्षा का बजट 530.02 करोड़ था। 2012-13 में यह 2501.66 और 2017-18 में 2655.8 करोड़ था।

वहीं वित्तीय वर्ष में बजट को बढ़ाकर 3678.56 करोड़ आवंटित किया गया।

राम मंदिर के गर्भगृह को आकार देने का काम अगले महीने से

अयोध्या। उत्तर प्रदेश में राम नगरी अयोध्या में जारी भव्य राम मंदिर के गर्भगृह को आकार देने का कार्य अगले महीने यानी जून में प्रारम्भ हो जायेगा, वहीं चबूतरे (प्लिंथ) का काम अभी चलता रहेगा।

राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक में रविवार को यह निर्णय लिया गया कि जून से राम मंदिर के गर्भगृह को आकार देने का काम प्रारम्भ हो जायेगा। हालांकि राम मंदिर के चबूतरे (प्लिंथ) का काम अभी चलता रहेगा जो अगस्त तक पूरा हो सकेगा। गर्भगृह व प्लिंथ का काम एक साथ संचालित करने की योजना बनी है। प्लिंथ के काम में अब तेजी लायी गयी है। प्रतिदिन ग्रेनाइट के करीब अस्सी पत्थर चबूतरे में लगाये जा रहे हैं। वहीं पत्थरों के आपूर्ति की समीक्षा भी की गयी जो संतोषजनक है। बताया गया कि गर्भगृह का काम भी शीघ्र शुरू हो जायेगा। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र ने निर्माण कार्यों की समीक्षा की। ट्रस्ट व कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों ने प्रजेंटेशन के माध्यम से अब तक हुए काम का ब्योरा प्रस्तुत किया। बैठक में तय हुआ कि जून से राम मंदिर के गर्भगृह को आकार देने का काम पूरा हो जायेगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ने बैठक के

पहले रामजन्मभूमि परिसर पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थलीय निरीक्षण के बाद रामजन्मभूमि परिसर स्थित विश्वामित्र आश्रम में एलएनडीटी के कार्यालय में बैठक की। इसमें ट्रस्ट के पदाधिकारियों सहित कार्यदायी संस्था के इंजीनियर शामिल हुए। बैठक में इंजीनियरों ने अब तक हुए कार्य की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने बताया कि पहले दिन केवल कार्यों की समीक्षा की गयी। अब तक कितना काम हुआ है, डेडलाइन तक काम पूरा हो पायेगा या नहीं, पत्थरों के आपूर्ति की क्या स्थिति है, रिटेनिंग वॉल के निर्माण की क्या प्रगति है, इन सबकी प्रगति रिपोर्ट मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत की गयी। उन्होंने बताया कि अभी राम मंदिर के चबूतरे (प्लिंथ) का निर्माण कार्य चल रहा है। राम मंदिर की प्लिंथ सात लेयर में बननी है। अब तक पांच लेयर तैयार हो चुकी है, जो अगस्त तक पूरा हो जायेगा। उन्होंने बताया कि मंदिर को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिये तीन दिशा में बारह मीटर गहरी रिटेनिंग वॉल बनायी जा रही है। पश्चिम दिशा में सरयू की धारा प्रवाहमान है, ऐसे में सरयू की बाढ़ से आक्रमण को मंदिर बचाने के लिये बारह मीटर गहरी दिवाल बनायी जा रही है। अब तक उत्तर व दक्षिण दिशा में रिटेनिंग वॉल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। करीब छह मीटर गहराई तक चट्टान बिछाई जा चुकी है। बरसात से पहले यह काम पूरा करने का लक्ष्य है। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से सत्तर एकड़ परिसर सहित राम मंदिर का नक्शा अयोध्या विकास प्राधिकरण से मंदिर शुरू करने से पहले ही स्वीकृत करा लिया था। पुनः ट्रस्ट की ओर से आठ एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित परकोटे के ले आउट के अलावा अतिरिक्त आठ एकड़ में यात्री सुविधा केन्द्र विकसित करने का भी ले आउट स्वीकृत कराया है।

राम मंदिर जन्मभूमि के न्यासी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि सत्तर एकड़ परिसर का विकास शुल्क जमा कराया जा चुका है, लेकिन पूरे परिसर में अलग-अलग आवश्यकताओं के अनुसार प्रस्तावित भवनों का भी नक्शा स्वीकृत होना है। करीब सोलह एकड़ क्षेत्रफल का लेआउट स्वीकृत कराया गया। परकोटा का निर्माण आठ एकड़ में तय है और उसकी डिजाइन भी तैयार हो गयी है। उन्होंने बताया कि यात्री सुविधा केन्द्र की डिजाइन को अभी अंतिम रूप देना शेष है। राम मंदिर का निर्माण साढ़े तीन एकड़ क्षेत्रफल में चल रहा है। इस पूरे क्षेत्रफल में 21 फिट ऊंचे क्षेत्रफल का निर्माण पूरा कराने के लिये सितम्बर 2022 तक का लक्ष्य दिया गया है। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में समिति के चेयरमैन नृपेन्द्र मिश्र, रामजन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चम्पतराय, ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा, विमलेन्द्र मोहन प्रताप मिश्र, महंत दिनेन्द्र दास, गोपाल राव सहित एलएनडीटी के सीपीएफ वी.के. मेहता, टीसीएम के पीएम विनोद कुमार शुक्ल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

भाकियू में कोई फेरबदल नहीं हुआ है : विजयपाल

अमरोहा। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी विजयपाल सिंह ने कहा कि चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत द्वारा स्थापित भाकियू में कोई फेरबदल नहीं हुआ है और उसके अध्यक्ष नरेश टिकैत एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ही हैं।

राकेश टिकैत को बर्खास्त करने और नरेश टिकैत को अध्यक्ष पद से हटाने संबंधी खबरों को बेबुनियाद बताते हुये विजयपाल सिंह ने रविवार को कहा कि सभी संगठन किसानो की लड़ाई लड़ रहे है और कोई भी अपना स्वतंत्र संगठन बनाने के लिये स्वतंत्र है। भाकियू के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश चौहान से पहले भी कई पदाधिकारी अपना संगठन बना चुके है जिनमे भाकियू यूथ विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषिपाल अंबावता,मुरादाबाद बिलारी के हरपाल सिंह बिलारी ने भाकियू असली तथा भाकियू के प्रदेश संगठन के अध्यक्ष रहे भानु प्रताप सिंह शामिल है।

इसलिए इसमें नया कुछ नहीं है। महेंद्र सिंह टिकैत द्वारा स्थापित भाकियू के अध्यक्ष अभी भी नरेश टिकैत तथा राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ही हैं। इसमें कोई फेरबदल नहीं हुआ है। दरअसल जिस पंचायती राज की बात आज जोर-शोर से की जाती है वह पंचायत प्रणाली भारतीय किसान यूनियन में स्थापना के समय से मौजूद है।

किसान भवन पर चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम के बाद रविवार को चौधरी विजयपाल ने कहा कि चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के रूप में किसान आंदोलन में जो एक विराट शून्य पैदा हुआ है, उसकी भरपाई मुश्किल है क्योंकि चौधरी साहब ऐसे व्यक्तित्व थे जिनका दिल हमेशा किसानों के लिए धडकता था। श्री टिकैत ने अपना पूरा जीवन किसानों के दुख-दर्द को समर्पित कर दिया था। किसान उत्पीड़न पर वे हमेशा सरकार और प्रशासन के सामने दीवार बन कर खडे हो जाते थे।

भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष दानवीर पिंटू ने बताया कि किसानों को सत्ता से टकराने का जज्बा और प्रेरणा बाबा टिकैत से ही मिली है।किसानों को अपने हक के लिए लडना सिखाने वाले बाबा महेंद्र सिंह टिकैत के एक इशारे पर लाखों किसान इकठ्ठा हो जाते थे।

योगी ने गोरखपुर में किया 61 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने रविवार को गोरखपुर में 14448.73 लाख रूपये की 61 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया ।

योगी ने अपने गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन 3316.20 लाख रूपये की 40 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 11132.53 लाख रूपये की 21 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि विकास एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। गोरखपुर कमिश्नरी की प्रत्येक विधान सभा सीट पर विकास देखने को मिल रहा है, कही सड़क बन रही है, कही स्कूल कालेज बन रहे है, कही उद्योग धंधे लग रहे है, कही कस्तूरबा गांधी विद्यालय का निर्माण हो रहा है, कही पर अटल आवासीय विद्यालय का निर्माण हो रहा है, कही पर आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत बेसिक परिषद से जुड़े हुए विद्यालयों के नव निर्माण की कार्यवाही को आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है, बाढ़ बचाव से सम्बंधित कार्य हो रहे है, कही हास्पिटल का निर्माण हो रहा है, कही मेडिकल कालेज का निर्माण हो रहा है और कुछ न कुछ कार्य किसी न किसी क्षेत्र यह निरन्तर हो रहे है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता का भी दायित्व है कि सकारात्मक रूप से विकास की इन परियोजनाओं में अपना सहयोग करते हुए उसे समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने में अपना सहयोग करे। विकास कार्य में किसी भी प्रकार की कोई बाधा नही आना चाहिए, क्योकि अगर कोई बाधा आती है और कार्य लेट हुआ तो उसका रिवाइज स्टीमेट प्रस्तुत किया जाता है जिससे प्रदेश के राजस्व पर उसका विपरीत असर पड़ता है और विकास की परियोजना लेट होने के कारण आम जनमानस को भी इसके कारण काफी परेशानी होती है। योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बड़ी बड़ी परियोजनाए संचालित की जा रही है लेकिन जनता भी सकारात्मक भाव के साथ परियोजनाओं के साथ जुड़ती है तो कार्य को मानक की गुणवत्ता को बनाये रखते हुए समयबद्ध ढंग से इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में हमे भी मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर एक नये गोरखपुर के रूप में स्थापित हो रहा है। वाराणसी से गोरखपुर और गोरखपुर से सोनौली मार्ग फोरलेन बनने के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज नया फोरलेन पूर्वान्चल एक्सप्रेसवे के रूप में उपलब्ध रहा है। पहले महानगर से बीआरडी मेंडिकल कालेज का रोड बहुत सकरा और व्यस्त था लेकिन आज महानगर से मेडिकल कालेज की तरफ जायेंगे तो फोरलेन का उच्च स्तर का मार्ग बनकर तैयार है और सभी को एक नये गोरखपुर का दर्शन होता हुआ दिखाई देता है।

शार्ट न्यूज

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान और स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल के अलावा दाल-दलहन और मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। तेल तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 330 रिंगिट सस्ता होकर 6670 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा सप्ताहांत पर 2.39 सेंट चढ़कर 82.69 सेंट प्रति पाउंड पर रहा। बीते सप्ताह मूंगफली तेल 367 रुपये और सोया रिफाइंड 293 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया जबकि सूरजमुखी तेल में 366 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। वहीं, सरसों तेल, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर सरसों तेल 19341 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20512 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 21245 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 18754 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 17582 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।दाल-दलहन-बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। सप्ताहांत पर अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई वहीं मूंग दाल में 100 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी रही। वहीं, चना, चना दाल, मसूर दाल और उड़द दाल के भाव स्थिर रहे। सप्ताहांत पर चना 4600-4700, दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8700-8800, मूंग दाल 8900-9000, उड़द दाल 9950-10050, अरहर दाल 8400-8500 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज : बीते सप्ताह अनाज के बाजार में टिकाव रहा। सप्ताहांत पर गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर अनाज (भाव प्रति क्विंटल): गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। चीनी-गुड़ : आलोच्य सप्ताह मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। सप्ताहांत पर गुड़ के भाव 100 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गए जबकि चीनी के दाम पड़े रहे। सप्ताहांत पर चीनी एस. 3360-3460, चीनी एम. 3740-3840, मिल डिलीवरी 3310-3410 और गुड़ 3400-3500 रुपये प्रति क्विंटल पर रहे।

सोना 1556 और चांदी 4490 रुपये लुढ़की

मुंबई। अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि को लेकर फेड रिजर्व के आक्रामक रुख से डॉलर के बीस वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के दबाव में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं की चमक फीकी पड़ने से बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 1556 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 4490 रुपये प्रति किलोग्राम लुढ़क गई। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में गिरावट का रुख रहा। सोना हाजिर 62.35 डॉलर प्रति औंस की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 1814.75 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 61.2 डॉलर प्रति औंस टूटकर 1824.30 डॉलर प्रति औंस रह गया। इसी तरह सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 1.37 डॉलर प्रति औंस गिरकर 20.96 डॉलर प्रति औंस रही। बीते सप्ताह विदेशी बाजार की गिरावट का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में भी रहा। सप्ताहांत पर सोना 1556 रुपये सस्ता होकर 50 हजार रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 49683 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया। इसी तरह सोना मिनी 1593 रुपये की गिरावट लेकर 49683 रुपये प्रति दस ग्राम रही। समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी 4490 रुपये कमजोर होकर 58199 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। साथ ही चांदी मिनी 4443 रुपये उतरकर सप्ताहांत पर 58579 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

बिनौला खल बाजार में मिलावटी माल की शिकायत पर मिल कर कार्रवाई करेगा उद्यमी संघ

नयी दिल्ली। खाद्य तेल-मिल उद्यमियों के एक संघ ने पश्चिमोत्तर भारत के बाजारों में नकली बिनौला खल के कारोबार की शिकायत की है और कहा है कि से इससे क्षेत्र के उद्यमी परेशान हैं। उनका कहना है कि नकली बिनौला खल से पशुओं के स्वास्थ्य पर भी खतरा है। तेल एवं खल उद्योग के मुताबिक नकली बिनौला खल का करोबार 3000 रुपए प्रति क्विंटल पर किया जा रहा है जबकि असली खल की लागत 3600 से 3800 रुपए प्रति क्विंटल तक पड़ती है। कैथल ऑयल मिल्स एसोसिएशन की बीते दिनों एक बैठक में नकली खल कारोबार को रोकने के लिए सभी तेल मिल मालिकों ने इसे रोकने का संकल्प लिया। एसोसिएशन ने पत्र जारी करके कहा है कि पिछले कुछ सालों से यह नकली कारोबार लगाता चल रहा है। नकली खल की वजह से दुग्ध किसान प्रभावित हो रहा है। कपास किसान भी इससे प्रभावित हैं। संघ ने आठ सदस्यों की समिति बनाकर नकली बिनौला खल बनाने वाली मिलों की जांच और उनपर जुर्माना लगाने का अधिकार दिया है। संघ के प्रधान शिव नारायण गोयल ने पत्र में कहा है कि किसी भी तेल खल मिल में आपात्तिजनक सामग्री पाये जाने पर मामला दर्ज किया जाएगा और मिल पर सामाजिक एवं व्यापारिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। उनका कहना है कि गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा और पंजाब सहित पश्चिमोत्तर राज्यों में यह समस्या ज्यादा है।

शिपिंग कॉरपोरेशन के मुनाफे में जबरदस्त उछाल, सरकार बेच रही समूची हिस्सेदारी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की जहाजरानी कंपनी शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के मुनाफे में जबरदस्त उछाल आया है। आपको बता दें कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नवंबर 2020 में एससीआई के रणनीतिक विनिवेश को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। चालू वित्त वर्ष में एससीआई का निजीकरण पूरा होने की संभावना है। मार्च 2022 तिमाही में शिपिंग कॉरपोरेशन का शुद्ध लाभ 77.42 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 152.16 करोड़ रुपये रहा। एक वर्ष पहले मार्च 2021 की तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 85.76 करोड़ रुपये रहा था। वर्ष 2021-22 के समूचे वित्त वर्ष में एससीआई ने 865.22 करोड़ रुपये का समेकित लाभ दर्ज किया। वित्त वर्ष 2020-21 में यह आंकड़ा 696.9 करोड़ रुपये रहा था। जनवरी-मार्च 2022 तिमाही के दौरान इसकी कुल समेकित आय बढ़कर 1,364.62 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 900.73 करोड़ रुपये थी। इस तिमाही में उसका कुल खर्च भी बढ़कर 1,223.76 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले 838.57 करोड़ रुपये था। बता दें कि पिछले साल मार्च में सरकार को शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के निजीकरण के लिए कई बोलियां मिली थीं। निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने दिसंबर 2020 में प्रबंधन के हस्तांतरण के साथ-साथ फर्म में सरकार की समूची 63.75 प्रतिशत हिस्सेदारी के रणनीतिक विनिवेश के लिए अभिरुचि पत्र आमंत्रित किए थे।

दमानी की कंपनी को बड़ा मुनाफा, खर्च बढ़ा तो कमाई में भी इजाफा

नई दिल्ली। अरबपति राधाकिशन दमानी की रिटेल कंपनी डी-मार्ट का संचालन करने वाली एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड को बड़ा मुनाफा हुआ है। मार्च 2022 में खत्म चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 3.11 फीसदी वृद्धि के साथ 426.75 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले जनवरी-मार्च तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 413.87 करोड़ रुपये था। वहीं, इस तिमाही में परिचालन से प्राप्त राजस्व 18.55 फीसदी बढ़कर 8,786.45 करोड़ रुपये हो गया जो पिछले वित्त वर्ष में 7,411.68 करोड़ रुपये था। वहीं कुल खर्च 18.71 फीसदी बढ़कर 8,210.13 करोड़ रुपये हो गया जो पिछले वर्ष 6,916.24 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी का शुद्ध लाभ 35.74 फीसदी बढ़कर 1,492.40 करोड़ रुपये हो गया जो वर्ष 2020-21 में 1,099.43 करोड़ रुपये था। इसी तरह वित्त वर्ष 2021-22 में परिचालन से प्राप्त राजस्व 28.3 फीसदी बढ़कर 30,976.27 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले 24,143.06 करोड़ रुपये था। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक नेविल नोरोन्हा ने कहा कि तिमाही प्रदर्शन और बीते दो साल में मिले अनुभवों ने कारोबार के जुझारूपन और कम अवधि में पुनरुद्धार को लेकर हमारे भीतर भरोसा जगाया है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार के रुख से तय होगी सेंसेक्स-निफ्टी की चाल

मुंबई। अमेरिका में आसमान छूती महंगाई को काबू में करने के लिए फेड रिजर्व के ब्याज दरों में फिर तेजी वृद्धि करने के रुख से वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त पड़ने की आशंका से हताश निवेशकों की बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह तीन प्रतिशत से अधिक लुढ़के सेंसेक्स और निफ्टी की चाल अगले सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय बाजार के रुख से तय होगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 2041.96 प्रतिशत की बड़ी गिरावट लेकर लगभग नौ सप्ताह के निचले स्तर और 53 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 52793.62 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 629.1 अंक टूटकर 15782.15 अंक पर आ गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी तेजी रही। सप्ताहांत पर मिडकैप 1376.95 अंक लुढ़ककर 21815.66 अंक पर और स्मॉलकैप 1776.66 अंक उतरकर 25315.75 अंक पर रहा।

निवेश सलाह देने वाली कंपनी स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, घरेलू शेयर बाजार में यह लगातार पांचवें सप्ताह गिरावट रही है। दुनिया भर में आसमान छूती महंगाई और मौद्रिक सख्ती शेयर बाजारों के लिए प्रमुख चिंताएं हैं। हालांकि अमेरिकी बाजार में विशेष रूप से तकनीकी शेयरों में बिकवाली बहुत गंभीर विषय है और पिछले दो कारोबारी सत्रों में कुछ स्थिरता आई है, जो निवेशकों को राहत प्रदान कर सकती है।

उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह के लिए कोई प्रमुख संकेत नहीं हैं इसलिए शेयर बाजार के लिए वैश्विक रुख महत्वपूर्ण होगा। हालांकि घरेलू मोर्चे पर भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) आईपीओ की लिस्टिंग घरेलू शेयर बाजार के लिए प्रमुख

कारक होगी। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार बिक्री कर रहे हैं जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) अपनी बिक्री की भरपाई करने की कोशिश कर रहे हैं इसलिए उनका व्यवहार भी बाजार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही डॉलर इंडेक्स की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और रुपये की दिशा अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे।

ब्याज की ऊंची दरें और चीन में कोरोना की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन से वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ने की आशंका में हुई बिकवाली से सोमवार को कारोबारी सप्ताह के पहले दिन सेंसेक्स 364.91 अंक टूटकर दो माह के निचले स्तर 54470.67 अंक पर और निफ्टी 109.40 अंक उतरकर 16301.85 अंक पर रहा। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर धातु, पावर, यूटिलिटीज और रियल्टी समेत सोलह समूहों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी गिरकर बंद हुआ। सेंसेक्स 105.82 अंक टूटकर 54364.85 अंक और निफ्टी 94.70 अंक फिसलकर 16207.15 अंक पर आ गया। अमेरिका में महंगाई के जारी होने वाले आंकड़े पर फेड रिजर्व के ब्याज दर को लेकर रुख के इंतजार में वैश्विक बाजार में आई तेजी के बावजूद घरेलू शेयर बाजार के गिरने का सिलसिला बुधवार को भी नहीं थमा और इंडस्ट्रियल्स, आईटी, दूरसंचार, कैपिटल गुड्स और टेक समेत 15 समूहों में हुई बिकवाली से सेंसेक्स 276.46 अंक उतरकर 54088.39 अंक और निफ्टी 72.95 अंक फिसलकर 16167.10 अंक पर आ गया।

अमेरिका में आसमान छूती महंगाई को काबू में करने के लिए फेड रिजर्व के ब्याज दरों में फिर तेजी वृद्धि करने के रुख से वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त पड़ने की आशंका से हताश निवेशकों की बिकवाली के दबाव में विदेशी बाजारों के करीब डेढ़ वर्ष के निचले स्तर पर आने से गुरुवार को घरेलू शेयर में कोहराम मच गया। सेंसेक्स 1158.08 अंक का गोता लगाकर लगभग नौ सप्ताह के निचले स्तर और 53 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 52930.31 अंक और निफ्टी 359.10 अंक लुढ़ककर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 15808 अंक पर रहा।

वैश्विक बाजार में लौटी तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर दूरसंचार, यूटिलिटीज, बैंकिंग, धातु और पावर समेत 10 समूहों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार पांचवें दिन भी गिरकर बंद हुआ। सेंसेक्स 136.69 अंक की गिरावट लेकर 52793.62 अंक और निफ्टी 25.85 अंक फिसलकर 15782.15 अंक पर आ गया।

सरकार गेहूं निर्यात के किसी अनुबंध से पीछे नहीं हटेगी : वाणिज्य सचिव

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के एक दिन बाद शनिवार को कहा कि भारत निर्यात संबंधी पहले के किसी अनुबंध से पीछे नहीं हटेगा। सरकार निर्यातकों को पहले प्राप्त हुए वैध आर्डर पर अब भी इस वर्ष 25 लाख टन तक गेहूं के निर्यात की छूट दे सकती है।

वाणिज्य सचिव बी वी आर सुब्रमण्यम ने यहां संवाददाताओं से कहा, निर्यात संबंधी पहले के किसी अनुबंध से पीछे नहीं हटने से एक भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता की हमारी विश्वसनीयता बरकरार रहेगी। हम मोटे तौर पर 16 से 17 लाख टन गेहूं का निर्यात कर चुके हैं और 25 लाख टन गेहूं और निर्यात की अनुमति देने को तैयार हैं, बशर्ते इसके लिए पहले से प्राप्त वैध आर्डर हो और इसके लिए साख पत्र (एलसी) जारी करा रखे गये हों।

श्री सुब्रमण्यम ने देश में अनाज की कमी की किसी भी आशंका को खारिज करते हुए कहा कि इस वर्ष गेहूं उत्पादन में कोई खास कमी नहीं होने वाली है। उन्होंने कहा कि निजी और सरकारी क्षेत्र में गेहूं का पर्याप्त भंडार पड़ा हुआ है।

वाणिज्य सचिव ने गेहूं निर्यात पर घोषित पाबंदी के औचित्य के बारे में कहा कि यह प्रतिबंध तीन उद्देश्यों से लगाया गया

है। ये उद्देश्य हैं, देश की खाद्य सुरक्षा, खाद्यान्न संकट का सामना कर रहे देशों की मदद और एक भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता के रूप भारत की विश्वसनीयता की रक्षा करना है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अपने पड़ोसी देशों, खाद्यान्न संकट के खतरे का सामना कर रहे अन्य देशों और निर्यात के पुराने आर्डर को पूरा करने के लिए गेहूं बाहर भेजना जारी रखेगा।

उन्होंने कहा कि अब तक वर्ष 2022-23 के लिए लगभग 45 लाख टन गेहूं के निर्यात के अनुबंध किये गये हैं, इनमें से अप्रैल तक 14.63 लाख टन गेहूं भेजा जा चुका है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष मार्च में तापमान के बढ़ने की वजह से गेहूं उत्पादन के अनुमान को 11.1 करोड़ टन से घटाकर 10.5 करोड़ टन कर दिया गया है।

संवाददाता सम्मेलन में उपस्थित खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने कहा कि वैश्विक बाजार में गेहूं के भाव चढ़ने से भारत में भी गेहूं में तेजी की धारणा मजबूत होने लगी थी। उन्होंने कहा कि निर्यात पर प्रतिबंध न लगाये जाने से गेहूं कीमत में तेजी से इजाफा होने का अनुमान था। श्री पांडे ने कहा कि गेहूं की उपलब्धता और इसकी मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

गौरतलब है कि सरकार ने कुछ दिनों पहले ही कहा था कि देश से गेहूं के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए नौ देशों को व्यापार प्रतिनिधिमंडल भेजा जायेगा।

सरकार ने कहा था कि व्यापार प्रतिनिधिमंडल मोरक्को, ट्यूनिशिया, इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड, वियतनाम,

तुर्की, अल्जीरिया और लेबनान जायेगा और इन देशों को भारत से गेहूं के निर्यात की संभावनायें तलाशेगा। सरकार ने वैश्विक बाजार में अनाज की बढ़ती मांग के मद्देनजर 2022-23 में एक करोड़ टन गेहूं के निर्यात का लक्ष्य रखा था जो एक रिकॉर्ड था।

गौरतलब है कि विदेश व्यापार महानिदेशालय ने शुक्रवार की शाम गेहूं के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने का की अधिसूचना जारी की।

वाणिज्य सचिव ने कहा कि गेहू निर्यात प्रतिबंध बदलती जरूरतों को देखते हुए लगाया गया है। उन्होंने कहा कि 2021-22 में देश से 70 लाख टन गेहूं का निर्यात किया गया था, इसलिए चालू वित्त वर्ष में स्वाभाविक रूप से एक करोड़ टन का निर्यात होने की उम्मीद थी।

आधिकारिक डाटा के अनुसार 2021-22 में 10.95 करोड़ टन गेहूं का उत्पादन हुआ था और सरकारी एजेंसियों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत 4.33 करोड़ टन गेहूं की खरीद की थी। कृषि मंत्रालय के संशोधित अनुमानों के अनुसार 2022-23 में देश में गेहूं का उत्पादन 10.5 करोड़ टन रहेगा और एमएसपी पर खरीद 1.85 करोड़ टन तक रहेगी।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.8 अरब डॉलर घटकर 595.9 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 06 मई को समाप्त सप्ताह में लगातार नौवें सप्ताह गिरता हुआ 1.8 अरब डॉलर कम होकर 595.9 अरब डॉलर पर आ गया।

इससे पूर्व विदेशी मुद्रा भंडार 29 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.7 अरब डॉलर घटकर 597.7 अरब डॉलर, 22 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 3.3 अरब डॉलर लुढ़ककर 600.4 अरब डॉलर, 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 31.1 करोड़ डॉलर फिसलकर 603.7 अरब डॉलर, 08 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.5 अरब डॉलर गिरकर 604 अरब डॉलर, 01 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में रिकॉर्ड 11.2 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 606.5 अरब डॉलर पर आ गया।

इसी तरह 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में दो अरब डॉलर कम होकर 617.6 अरब डॉलर, 18 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.6 अरब डॉलर घटकर 619.7 अरब डॉलर और 11 मार्च को समाप्त में 9.6 अरब डॉलर लुढ़ककर 622.3 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 06 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.9 अरब डॉलर घटकर 530.9 अरब डॉलर पर आ गया। हालांकि इस अवधि में स्वर्ण भंडार में बढ़त हुई और यह 13.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 41.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) सात करोड़ डॉलर की बढ़त लेकर 18.4 अरब डॉलर हो गया। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 1.1 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 4.9 अरब डॉलर रह गई।

23 पैसे का शेयर हुआ 9 रुपये का, सालभर में निवेशकों के 1 लाख बन गए 40 लाख रुपये

नई दिल्ली। अगर आप पेनी स्टॉक (जो कि कीमत में कम होते हैं) की तलाश में हैं तो आज हम आपको एक शानदार शेयर के बारे में बता रहे हैं। इस शेयर ने सालभर में अपने निवेशकों को 3,952 पर्सेंट से ज्यादा का रिटर्न देकर मालामाल किया है। वहीं, इस शेयर ने महज 39 ट्रेडिंग डे में अपने निवेशकों को 590.37 पर्सेंट का छप्परफाड़ रिटर्न देकर चौंका दिया है। इस शेयर का नाम है- राज रेयन इंडस्ट्रीज । कंपनी के शेयर शुक्रवार को लगभग 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 9.32 रुपये पर पहुंच गए। राज रेयन इंडस्ट्रीज के शेयर 16 मार्च 2022 को महज 1.35 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 13 मई को 9.32 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गए हैं। यानी की सिर्फ 39 ट्रेडिंग सेशंस में ही इस शेयर ने 590 पर्सेंट से ज्यादा का जोरदार रिटर्न दिया है। वहीं, महीने भर में यह शेयर 3.59 रुपये से बढ़कर 8.88 रुपये का हो गया। पिछले एक महीने में इस शेयर ने 136.55 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। पिछले पांच ट्रेडिंग सेशंस में यह शेयर 21.35 प्रतिशत उछला है। राज रेयन इंडस्ट्रीज के शेयर प्राइस हिस्ट्री के मुताबिक, अगर किसी निवेशक ने इस शेयर में 39 दिन पहले 1 लाख रुपये लगाए होते तो आज उसे 6.90 लाख रुपये का मुनाफा होता। यानी महीनेभर में एक लाख रुपये का निवेश 2.59 लाख रुपये हो गए। पिछले एक साल में इस शेयर ने 3,952.17 का रिटर्न दिया है। सालभर पहले इस शेयर की कीमत महज 23 पैसे की थी।

पेट्रोल-डीजल के दामों में 39वें दिन भी कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने रविवार को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की, जिसके कारण लगातार 39वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहें। रूस-यूक्रेन युद्ध से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार की कीमत अस्थिर बनी हुयी है।

सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा।

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर है। यूक्रेन तथा रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में घट-बढ़ जारी है। अंतरराष्ट्रीय लंदन ब्रेंट क्रूड 111.55 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 3.80 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 110.16 डॉलर प्रति बैरल की कीमत पर कारोबार कर रहा है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं।

कंपनियों ने 48 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

देश के चार बड़े महानगरों मेंपेट्रोल और डीजल के दाम

महानगर	पेट्रोल	डीजल (रुपए प्रति लीटर)
दिल्ली	105.41	96.67
कोलकाता	115.12	99.83
मुंबई	120.51	104.77
चेन्नई	110.85	100.94

गेंहू के निर्यात पर प्रतिबंध से किसानों की बढ़ी परेशानी

एजेंसी

झाबुआ/नयी दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा गेंहू के निर्यात पर रोक लगाने को लेकर मध्य प्रदेश के झाबुआ के एक स्थानीय गेंहू व्यापारी राहुल पटवा ने इसे बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि यह उन किसानों की परेशानी का सबब बन गया है जिन्होंने अपनी गेहूं फसल का अभी 40 प्रतिशत हिस्सा भी नहीं बेचा है। पटवा ने कहा कि भारत सरकार ने शुक्रवार देर रात अधिसूचना में खाद्य सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए गेंहू के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने से गेंहू व्यापारियों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गयी है क्योंकि निर्यातकों और मिल मालिकों ने सरकारी अधिसूचना से पहले तय की गयी राशि का भुगतान करने के लिए मना कर दिया है, इसके साथ ही बंदरगाहों पर पहले से रखी डिलीवरी को स्वीकार नहीं किया।

जिससे परेशान गेंहू व्यापारियों ने 17 मई से हड़ताल पर जाने का इरादा किया है

उन्होंने कहा कि वैश्विक कीमतों में अचानक उछाल आया है, जिसने भारत, पड़ोसी देशों और अन्य कमजोर देशों की खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।

खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने शनिवार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि अनियंत्रित व्यापार से गेहूं की कीमत में वृद्धि होती है। इसलिए, उन्होंने आगे कहा, गेहूं की उपलब्धता और मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लिए गए निर्णय से कई विशेषज्ञों को आश्चर्य हो रहा है, क्योंकि कुछ दिनों पहले ही उन्होंने कहा था कि देश से गेहूं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए व्यापार प्रतिनिधिमंडल को नौ देशों में भेजा जाएगा।

स्थानीय व्यापारियों ने अनुमान लगाया कि गेंहू के निर्यात पर प्रतिबंध का असर झाबुआ और रतलाम जिलों के उन किसानों पर पड़ेगा। जिन्होंने अभी तक उपज नहीं बेची है।

स्थानीय गेंहू व्यापारी पंकज मेहता और अशोक पटवा ने अनुमान लगाया कि किसान पहले ही लगभग 60-65 प्रतिशत गेहूं की उपज बेच चुके हैं और शेष को एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) के रूप में कम कीमत मिलने की संभावना है, जो कि 2,015 प्रति क्विंटल है।

व्यापारियों के अनुमान के मुताबिक, गुजरात के कांडला बंदरगाह पर चार हजार से अधिक ट्रक में एक सप्ताह से अधिक समय से अनलोड होने का इंतजार कर रहे हैं। इसी दौरान राहुल ने कहा, ट्रांसपोर्टर अब हमें धमकी दे रहे हैं कि अगर आने वाले दिनों में ट्रकों से गेहूं नहीं उतारा गया तो हम गेहूं उठा लेंगे।

व्यापारियों ने कहा कि अब मंडियों से गेहूं की खरीद को रोकने पर विचार किया जा रहा है।

कृषि-व्यापार विशेषज्ञ विजय सरदाना ने कहा कि समझौते में निजी व्यापारियों को व्यापार से लाभ के बारे में जिक्र नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यदि निर्यातक सहमत सौदे का पालन करने से इनकार कर रहे हैं, तो व्यापारियों को अदालत जाना चाहिए।

श्री सरदाना ने कहा कि किसानों को पहले से दो सौ रुपये कम शेष राशि को स्वीकार करनी चाहिए, उन्होंने कहा कि अगर किसान कृषि कानूनों को लागू होने देते, तो उन्हें गेंहू का उचित बाजार मूल्य मिलता।

टीसीएल ने लॉन्च किया वीडियो कॉलिंग वाला स्मार्ट टीवी सी 725

एजेंसी

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक कंपनी टीसीएल ने वीडियो कॉलिंग वाला क्यू एलईडी 4 के टीवी सी 725 और टीसीएल वीडियो कॉल 4के टीवी पी 725 लॉन्च किए हैं।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इन दोनों नए टीवी अभी विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक पैराडाइज पर उपलब्ध कराए गए हैं जहां ग्राहकों को विशेष ऑफर भी दिए जा रहे हैं। इसके तहत पहले 50 ग्राहकों को 14 से 30 मई के बीच आकर्षक अर्ली बर्ड ऑफर्स मिलेंगे। इन ऑफर्स में एक टीसीएल साउंडबार (15,990 रुपये की कीमत), टीसीएल वीडियो कॉल कैमरा (2,990 रुपये की कीमत), और 10प्रतिशत तक कैशबैक शामिल है। क्यू एलईडी 4के टीवी सी 725 के तीन मॉडल उतारे गए हैं जिनमे 50-इंच, 55-इंच और 65-इंच में शामिल है और इनकी कीमत क्रमश: 52,990, 61,990 और 82,990 रुपये है।

टीसीएल वीडियो कॉल 4के टीवी पी 725 भी तीन मॉडल में है जिसमें 43-इंच, 55-इंच और 65-इंच शामिल है और उनकी कीमत क्रमश: 36,990, 49,990 और 69,990 रुपये है।

कंपनी के विपन्न प्रमख विजय कुमार मिक्कीलिनेनी ने कहा, यह हमारे लिए रोमांचक और नया अप्रौच है। इसके जरिये हम अपने ग्राहकों के और करीब आ रहे हैं। हमें यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि अपनी कैटेगरी में बेस्ट टीसीएल प्रोडक्ट अब इलेक्ट्रॉनिक पैराडाइज पर उपलब्ध हैं। ग्राहक प्रत्यक्ष रूप से अपने निकटतम ईपी स्टोर पर जा सकते हैं और हमारे क्लासिक स्मार्ट टीवी इनोवेशंस के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। टीसीएल में हमारा लक्ष्य हमेशा अपने ग्राहकों से व्यक्तिगत रूप से जुड़ने और उनकी जरूरतों व आवश्यकताओं को समझने का रहता है। यह हमें वर्चुअल दुनिया से आगे जाने और ऐसे ग्राहकों से जुड़ने का मौका देता है, जो ऑफ़लाइन खरीदारी के ओल्ड स्कूल चार्म के साथ अधिक सहज हैं। टीसीएल भविष्य में भी ऐसे कस्टमर-ओरिएंटेड कदम उठाना जारी रखेगी।

शार्ट न्यूज

लगातार दो बार आई-लीग जीतने वाली पहली टीम बनी गोकुलम केरल

कोलकाता। गोकुलम केरल एफसी रविवार रात यहां कोलकाता की मोहम्मडन एससी को हराकर लगातार दो हीरो आई-लीग खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गयी। मालाबारियों ने छह अंकों के लाभ के साथ खिताब जीतने के लिए 2-1 की जीत दर्ज की। साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता में मोहम्मडन के सात-गेम के विजय रथ को भी रोक दिया। मोहम्मडन को खिताब जीतने के लिए जीत की जरूरत थी जबकि गोकुलम को ट्रॉफी पर अपना हाथ जमाने के लिए कम से कम ड्रॉ की जरूरत थी। रात के अंतिम शो के लिए युवा भारती क्रीड़ांगन का स्टेडियम मोहम्मडन के प्रशंसकों से खचाखच भरा था। मनोबल बढ़ाने वाले समर्थन के बीच मोहम्मडन ने पहले हाफ में कब्जा जमाया, जबकि गोकुलम काउंटर पर अपनी किस्मत आजमाते हुए संतुष्ट दिखी। दूसरे हाफ में सभी गोल ग्यारह मिनट के अंदर हुए। दूसरे हाफ में चार मिनट में, ऋषद बीच से नीचे की ओर आए और गेंद को जोथनमाविया से आगे बढ़ाते हुए गोकुलम को महत्वपूर्ण बढ़त दिलायी। सात मिनट बाद, मार्कस जोसेफ की फ्रीकिक की बदौलत मोहम्मडन ने बरबटी हासिल की। मोहम्मडन को खिताब के लिए एक और गोल की जरूरत थी लेकिन मैच का तीसरा और अंतिम गोल मालाबारियों ने किया। बराबरी के ठीक चार मिनट बाद, मैच के 61वें मिनट में एमिल बेनी ने गोल दागकर गोकुलम को 2-1 की बढ़त दिलायी जो पूर्णकालिक सीटी तक बनी रही। गोकुलम ने लगातार दो हीरो आई-लीग खिताब जीतकर केरल फुटबॉल के खिताबों में एक और उपलब्धि जोड़ दी।इस महीने की शुरुआत में केरल ने बंगाल को पेनल्टी शूटआउट ड्रमें हराकर 75वीं हीरो संतोष ट्रॉफी अपने नाम की थी।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एंड्र्यू साइमंड्स की कार दुर्घटना में मौत

कैनबरा, 15 मई (वार्ता) पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एंड्र्यू साइमंड्स की कार दुर्घटना में मौत हो गई है। वह क्वींसलैंड में हादसे का शिकार हो गए। साइमंड्स ने 1998 से 2009 के दरमियान कुल 26 टेस्ट और 198 वनडे में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया था। 46 वर्षीय साइमंड्स टाउंज़िल के बाहर हादसे का शिकार हुए, वह संन्यास के बाद यहीं रहा करते थे। क्वींसलैंड पुलिस ने अपने बयान में कहा, पुलिस टाउंज़िल से लगभग 50 किलोमीटर दूर हर्वे रेंज में एक एकल वाहन दुर्घटना की जांच कर रही है, जिसने कल रात एक 46 वर्षीय व्यक्ति की जान ले ली। शुरुआती सूचना के मुताबिक रात करीब 11 बजे ऐलिस रिवर ब्रिज के समीप हर्वी रेंज रोड पर एक कार चलाई जा रही थी, इसी दौरान कार अचानक सड़क से उतर गई और लुढ़क गई। कार को चला रहे 46 वर्षीय ड्राइवर को बचाने की कोशिश की गई लेकिन उसकी दु:खद मृत्यु हो गई।साइमंड्स 2003 और 2007 में ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता टीम के दो बार सदस्य रहे थे। इसके साथ ही वह मध्य 2000 में टेस्ट टीम के अहम सदस्य भी रहे थे। साइमंड्स की मृत्यु 2022 में अब तक तीसरी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की मृत्यु है। इससे पहले मार्च महीनें में रॉडनी मार्श और शेन वॉर्न की मृत्यु हो गई थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष लॉकलन हेंडरसन ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट ने अपना सर्वश्रेष्ठ में से एक और खो दिया है।वह कई लोगों के लिए एक संस्कारी व्यक्ति थे, जिन्हें उनके प्रशंसकों और दोस्तों द्वारा क़ीमती बनाया गया था। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की ओर से हमारी गहरी सहानुभूति साइमंड्स के परिवार, टीम के साथियों और दोस्तों के साथ है। वहीं क्रिकेट जगत के तमाम दिग्गज और साइमंड्स के साथ क्रिकेट खेलने वाले कई खिलाड़ी अपना शोक प्रकट कर रहे हैं।

पृथ्वी शॉ को अस्पताल से मिली छुट्टी

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को टाइफाइड के इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। फ्रेंचाइजी ने रविवार को यह जानकारी दी। कैपिटल्स ने एक बयान में कहा, पृथ्वी शॉ को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है जहां उनका टाइफाइड का इलाज किया जा रहा था। वह टीम होटल में लौट आए हैं, जहां वह वर्तमान में स्वस्थ हैं। डीसी मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। शॉ को रविवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसके कारण वह सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले तीन डीसी मैचों से बाहर रहे हैं। पृथ्वी शॉ ने इस सीजन में अब तक नौ मैच खेले हैं जिनमें उन्होंने 28.77 की औसत और 160 के स्ट्राइक रेट से 259 रन बनाए हैं।

साइमंड्स के निधन पर शोक में डूबा क्रिकेट जगत

कैनबरा। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एंड्रयू साइमंड्स की शनिवार रात सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने के बाद पूरा क्रिकेट जगत शोकग्रस्त है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज और दो बार के विश्व-कप विजेता साइमंड्स की उम्र 46 वर्ष थी। साइमंड्स की मृत्यु से सिर्फ दो महीने पहले ही क्रिकेट जगत ने ऑस्ट्रेलिया के एक और दिग्गज खिलाड़ी शेन वॉर्न को खोया था। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर रॉड मार्श भी इसी वर्ष दुनिया को अलविदा कह गये थे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग ने कहा, अगर रॉय आपका हाथ मिलाते थे तो इसका मतलब था कि उन्होंने आपको अपनी ज़बान दे दी। वह इस तरह के इंसान थे, इसलिये मैं उन्हें हमेशा टीम में देखना चाहता था। एक असाधारण खिलाड़ी और उससे भी अच्छे इंसान। यकीन नहीं होता कि वह जा चुके हैं। इस समय में उनके परिवार के साथ मेरी सहानुभूति है। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज़ ऐडम गिलक्रिस्ट ने कहा, अपने सबसे वफ़ादार, खुशमिज़ाज और प्रिय दोस्त के बारे में सोचो जो आपके लिये कुछ भी कर सकता है। वह रॉय (एंड्रयू) था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी और वर्तमान में ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच डैरेन लेह्मैन ने कहा, वहां अपना ध्यान रखना दोस्त। निधन की खबर सुनकर बेहद उदास हूं। उससे बेहद प्यार करता था और इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उसके परिवार के साथ हैं।

रसेल की तूफानी पारी से कोलकाता की उम्मीदें कायम

पुणे। आंद्रे रसेल की 28 गेंदों पर चार छक्कों से सजी नाबाद 49 रन की तूफानी पारी और 22 रन पर तीन विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत कोलकाता नाईट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को करो या मरो के आईपीएल मुकाबले में शनिवार को 54 रन से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। कोलकाता ने 20 ओवर में छह विकेट पर 177 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और हैदराबाद को आठ विकेट पर 123 रन पर रोक दिया। कोलकाता की 13 मैचों में यह छठी जीत है और उसके 12 अंक ही गए हैं और वह छठे स्थान पर पहुंच गयी है । दूसरी तरफ हैदराबाद को 12 मैचों में सातवीं हार का सामना करना पड़ा है और वह आठवें स्थान पर खिसक गयी है। सातवें नंबर पर खेलने आये रसेल ने 28 गेंदों पर तीन चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 49 रन ठोके और कोलकाता को एक लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचाया जो अंत में मैच विजयी साबित हुआ। रसेल ने अपने चार में से तीन छक्के तो ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुन्दर के पारी के आखिरी ओवर में मारे। उन्होंने पारी की आखिरी गेंद पर छक्का उड़ाकर पारी का समापन किया।

पाकिस्तानः इमरान ने बताया जान को खतरा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को कहा कि उनकी जान को खतरा है और उन्होंने एक वीडियो रिकॉर्ड किया है, जिसमें उन्होंने उन सभी लोगों का नाम लिया है, जिन्होंने पिछले साल से उनके खिलाफ साजिश रची है। पूर्व प्रधानमंत्री ने लगातार दावा किया है कि उन्हें स्थानीय नेताओं की मदद से विदेशी शक्तियों द्वारा पद से हटा दिया गया था, क्योंकि उन्होंने एक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाई थी, उन्होंने सियालकोट में शक्ति प्रदर्शन में भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने की बात कही थी। मार्च के अंत में अपनी सरकार के अंतिम कुछ हफ्तों के दौरान पहली बार श्री खान के जीवन के लिए कथित खतरे की बात फैसल वावदा ने की थी।

भारत ने रचा इतिहास, पहली बार जीता थॉमस कप

बैंकाक। भारत ने खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडोनेशिया को रविवार को 3-0 से हराकर प्रतिष्ठित पुरुष बैडमिंटन टीम प्रतियोगिता थॉमस कप को पहली बार जीत लिया।

भारत ने पहले तीनों मैच जीतकर थॉमस कप पर कब्जा जमाया। लक्ष्य सेन और किदाम्बी श्रीकांत ने एकल मैच तथा सात्विकसैराज रन्किरेड्डी और चिराग शेट्टी ने युगल मैच जीता। भारत ने शुक्रवार को इतिहास रचते हुए डेनमार्क को 3-2 से हराकर थॉमस कप के फाइनल में पहली बार जगह बनायी थी। भारतीय टीम इससे पहले 1952, 1955 और 1979 में सेमीफाइनल में पहुंची थी।

युवा शटलर लक्ष्य सेन ने पहले मुकाबले में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एंथनी गिंटिंग को हराया। लक्ष्य ने गिनटिंग के खिलाफ 8-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज की। यह दुनिया के 5वें नंबर के शटलर पर उनकी लगातार दूसरी जीत थी। 20 वर्षीय भारतीय ने इस साल की शुरुआत में जर्मन ओपन राउंड-16 मैच में गिनटिंग को सीधे गेम में 21-9, 21-9 से हराया था।

गिनटिंग ने पहला गेम 21-8 से अपने नाम कर लिया, जिसके बाद लक्ष्य ने दूसरा गेम 21-17 से जीतकर 1-1 की बराबरी कर ली। निर्णायक मुकाबले में इंडोनेशिया के गिनटिंग ने शुरुआती क्षणों में 11-7 की लीड हासिल कर ली, लेकिन लक्ष्य ने पांच लगातार पॉइंट्स के साथ वापसी करते हुए गेम को 12-12 पर ला खड़ा किया। मैच के

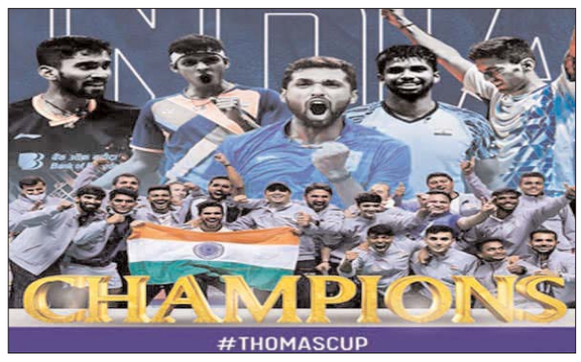

अंतिम क्षणों में लक्ष्य गिनटिंग पर पूरी तरह हावी हो गये और मुकाबले को 21-17 से जीत लिया।

भारत की बैडमिंटन पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने युगल मैच में मोहम्मद अहसान और केविन संजय सुकमलुजो की जोड़ी के खिलाफ जीत दर्ज कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। सात्विक और चिराग ने यहां इम्पैक्ट एरिना में एक घंटे 13 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में अहसान और सुकमलुजो पर 18-21, 23-21, 21-19 से जीत दर्ज की। इंडोनेशिया के अहसान और सुकामलुजो ने शुरुआती गेम को 17 मिनट में 21-18 से जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने मिड-गेम ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद इंडोनेशिया ने वापसी की और वह 14-18 से लीड कर रहा था, लेकिन भारत ने वापसी करते हुए उसे 23-21 से मात दी।

निर्णायक गेम में कांटे की टक्कर हुई और एक समय पर दोनों टीमें 16-16 की बराबरी पर थीं, लेकिन भारत ने अद्वितीय खेल का प्रदर्शन करते हुए यह मुकाबला जीत लिया और इंडोनेशिया पर 2-0 की बढ़त हासिल कर ली।

मुकाबले में 2-0 की बढ़त बनाने के बाद तीसरे मैच में श्रीकांत हावी होकर खेले और उन्होंने जोनाथन क्रिस्टी को 48 मिनट में 21-15, 23-21 से पराजित कर खिताब भारत की झोली में डाल दिया। भारत के 3-0 की अपराजेय बढ़त बनाने के बाद शेष दो मैचों की जरूरत नहीं पड़ी।

श्रीकांत ने इस जीत से क्रिस्टी के खिलाफ करियर रिकॉर्ड 5-5 कर लिया है। पहले गेम में 15-15 की बराबरी के बाद श्रीकांत ने लगातार छह अंक लेकर गेम 21-15 से जीत लिया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने 20-21 के स्कोर पर एक गेम अंक से पीछे रहने के बावजूद लगातार तीन अंक लेकर 23 - 21 से गेम और मैच समाप्त कर दिया। श्रीकांत के मैच जीतते ही भारतीय खेमे में खुशी की लहर दौड़ गयी और टीम को बधाइयों का तांता लग गया।

विलियमसन कप्तानी को लेकर अगले मैच से पहले कोई बड़ा फ़ैसला ले सकते हैं : मांजरेकर

मुम्बई। शनिवार को 17 गेंदों में नौ रन की केन विलियमसन की पारी ने कोलकाता नाइट राइडर्स के ख़िलाफ़ एक महत्वपूर्ण मैच में उनकी और उनकी टीम सनराइज़र्स हैदराबाद के संघर्ष को बढ़ा दिया। विलियमसन ने इस सीज़न 92.85 के स्ट्राइक रेट से 208 रन बनाए हैं जो कम से कम 100 रन बनाने वाले बल्लेबाज़ों में सबसे ख़राब स्ट्राइक रेट है।

हैदराबाद के पास अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए राहुल त्रिपाठी और एडन मारक्रम के तौर पर दो विकल्प पहले से ही मौजूद हैं लेकिन टीम के मुख्य कोच टॉम मूडी ने मध्य क्रम में किसी भी तरह के फेरबदल न करने की बात कही है। मूडी के मुताबिक चूंकि मध्य क्रम टीम के लिए अच्छा काम कर रहा है इसलिए उसके साथ छेड़छाड़ किया जाना उचित नहीं है।

मैच के बाद प्रेस वार्ता में मूडी ने कहा, त्रिपाठी ने नंबर तीन पर बेहतरीन बल्लेबाज़ी की है और मारक्रम नंबर चार पर टीम के लिए उम्दा प्रदर्शन कर रहे हैं। लिहाज़ा हमने यह महसूस किया है कि सिर्फ़ इसलिए कि जो काम नहीं कर रहा है उसके लिए काम करने वाली चीज़ को क्यों बदलें ?

मूडी ने आगे कहा, हमने विलियमसन की क्वालिटी पर विश्वास जताया है। उनकी विश्व स्तरीय क्वालिटी पर किसी तरह का संदेह नहीं है। इसलिए हमने टूर्नामेंट में अपने बल्लेबाज़ी क्रम के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की क्योंकि टॉप ऑर्डर में अभिषेक, नंबर तीन पर त्रिपाठी, चार पर मारक्रम और पांच पर निकोलस पूरन अपने काम को बखूबी निभा रहे हैं।पुणे में 178 रनों के लक्ष्य का पीछा करते समय विलियमसन लगातार डॉट गेंदें खेलते रहे। उन्होंने पावरप्ले में कुल 11 डॉट गेंदें खेलीं। वह पावरप्ले के अंतिम ओवर में आख़िरकार शॉर्ट फ़ाइन लेग के ऊपर स्कूप के प्रयास में बोल्ड हो गए।

मैच के बाद ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत करते हुए विलियमसन ने कहा, मेरे संघर्ष में निरंतरता आ गई है।

गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपरकिंग्स को सात विकेट से शिकस्त दी

मुंबई। रिद्धीमान साहा (67) की जिम्मेदार पारी की बदौलत गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपरकिंग्स को रविवार दोपहर के आईपीएल मुकाबले में सात विकेट से मात दी।

133 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शुभमन गिल और रिद्धिमान साहा ने गुजरात को मज़बूत शुरुआत दिलायी और पावरप्ले में 53 रन जोड़े। आठवें ओवर की पहली गेंद पर आउट होने से पहले गिल ने 17 गेंदों पर 18 रन बनाये।

मैथ्यू वेड (20) और डेविड मिलर (15) ने साहा को समर्थन दिया जिससे गुजरात ने 134 रन का मामूली लक्ष्य पांच गेंद रहते हुए हासिल कर लिया।

इस जीत के साथ गुजरात के 13 मैचों में 20 अंक हो गये हैं और वह पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर बरकरार है, जबकि टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी चेन्नई अपने 13 में से नौ मैच हारकर आठ पॉइंट के साथ नौवें स्थान पर है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने

का फ़ैसला करने वाली चेन्नई सुपरकिंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले चार ओवर में टीम ने सिर्फ 15 रन जोड़े और इस दौरान डेवोन कॉनवे नौ गेंदे खेलकर पांच रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गये। इसके बाद सलामी बल्लेबाज़ ऋतुराज गायकवाड और मोईन अली ने पारी की रफ्तार बढ़ाते हुए अगले दो ओवरों में 32 रन जोड़े और 47 रन के साथ पावरप्ले समाप्त किया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिये 39 गेंदों में 57 रन जोड़े। नौवें ओवर की चौथी गेंद पर मोईन अली 17 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हो गये। अपनी पारी में उन्होंने दो छक्के लगाये। चेन्नई ने पहले 10 ओवर में 73 रन जोड़े लेकिन उसके बाद टीम लय नहीं पकड़ पाई। आखिरी के पांच ओवर में सीएसके ने बिना किसी बाउंड्री के सिर्फ 24 रन जोड़े और तीन विकेट गंवाए।

सूपरकिंग्स के लिये ऋतुराज गायकवाड ने चार चौकों और एक छक्के की बदौलत 49 गेंदों पर 53 रन बनाये। एन जगदीशन ने 33 गेंदों पर 39 रन बनाये जबकि कॉनवे, शिवम दूबे, मिचेल सैंटनर और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाये और चेन्नई अपने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 133 रन ही बना सकी।

गुजरात के गेंदबाज़ों ने बेहद किफायती गेंदबाज़ी का प्रदर्शन किया। मोहम्मद शमी ने अपने चार ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिये। कप्तान हार्दिक पांड्या ने अपने दो ओवर में मात्र आठ रन दिये जबकि अल्ज़ारी जोसेफ़ ने अपने तीन ओवर में 15 रन देकर एक विकेट लिया। राशिद खान और साईं किशोर ने अपने चार ओवर में एक समान 31 रन देकर एक-एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की अगुवाई रिद्धिमान साहा ने की। उन्होंने 57 गेंदों पर 67 रन बनाये जिसमें उन्होंने आठ चौके और एक छक्का लगाया। शुभमन गिल ने 17 गेंदों पर 18 रन, मैथ्यू वेड ने 15 गेंदों पर 20 रन, कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह गेंदों पर सात रन और डेविड मिलर ने 20 गेंदों पर 15 रन जोड़े। चेन्नई की ओर से मतीशा पतिराना ने अपने 3.1 ओवर में 24 रन के बदले दो विकेट झटके जबकि मोईन अली ने दो ओवर डालकर 11 रन के बदले एक विकेट लिया।

श्रीलंका संकट : कर्फ़्यू में 12 घंटे की ढील, नई कैबिनेट बनाएंगे विक्रमसिंघे

कोलंबो। दिवालिया होने के कगार पर खड़ा श्रीलंका इस वक्त सबसे खराब आर्थिक संकट के साथ राजनीतिक मंथन से भी गुजर रहा है। 22 मिलियन की आबादी वाला राष्ट्र इस वक्त भोजन और ईंधन की कमी, बढ़ती महंगाई और बिजली कटौती का सामना कर रहा है। जिससे बड़ी संख्या में नागरिक प्रभावित हो रहे हैं। महिंदा राजपक्षे के प्रधान मंत्री पद से हटने के बाद भी दक्षिण एशियाई देश हिंसा और विरोध से घिरा हुआ है। रानिल विक्रमसिंघे पांचवीं बार देश के प्रधान मंत्री बने हैं। देश की बागडोर संभालते ही विक्रमसिंघे ने देशव्यापी कर्फ़्यू में 12 घंटे की ढील दी है। साथ ही वे जल्द ही नई कैबिनेट बना सकते हैं।

श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री रानिल

विक्रमसिंघे के नए मंत्रिमंडल के गठन की मांग के बीच शनिवार को देशव्यापी कर्फ़्यू में 12 घंटे की ढील दी गई है। सरकार ने शनिवार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक कर्फ़्यू हटा लिया है। इससे पहले भी आवश्यक आपूर्ति की खरीद की अनुमति देने के लिए गुरुवार और शुक्रवार को कुछ घंटों के लिए हटा दिया गया था।

समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार श्रीलंका में अधिकांश विपक्षी दलों ने घोषणा की कि वे रानिल विक्रमसिंघे के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में शामिल नहीं होंगे। हालांकि, वे कर्ज में डूबे देश की जल्द वसूली में मदद करने के लिए बाहर से उनकी आर्थिक नीतियों का समर्थन करने के लिए सहमत हो गए हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, एक वकील ने श्रीलंका की एक अदालत का रुख किया है, जिसमें सीआईडी से पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे सहित सात लोगों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की गई है। याचिका में आरोप है कि राजपक्षे के समर्थकों ने उनके कहने पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले लोगों पर हमला किया। साथ ही राजपक्षे पर हमले के लिए उकसाने की साजिश करने का भी आरोप है।

इस बीच प्रदर्शनकारियों ने इस सप्ताह के शुरू में हमले के लिए उकसाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी है कि देश में आर्थिक संकट बेहतर होने से पहले और भी खराब होने वाला है। भारत जो कर्ज में डूबे देश को समर्थन दे रहा है, ने कहा कि नए पीएम के पदभार संभालने के तुरंत बाद उसे देश में राजनीतिक स्थिरता की उम्मीद है। विक्रमसिंघे ने अपने देश को भारतीय आर्थिक सहायता का जिक्र करते हुए गुरुवार को कहा, मैं एक करीबी रिश्ता चाहता हूं और मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं।

जेलेंस्की ने यूरोविजन प्रतियोगिता जीतने पर कलुश ऑर्केस्ट्रा को दी बधाई

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को देश के कलुश ऑर्केस्ट्रा को यूरोविजन गीत प्रतियोगिता में विजय हासिल करने पर बधाई दी। जेलेंस्की ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, हमारी बहादुरी दुनिया को प्रभावित कर रही है, हमारा संगीत यूरोप पर फतह हासिल कर रहा है! अगले साल यूक्रेन अपने इतिहास में तीसरी बार यूरोविजन की मेजबानी करेगा और मुझे यकीन है कि यह अंतिम बार नहीं होगा। उन्होंने कहा, हम यूक्रेनी मारियुपोल में यूरोविजन के प्रतिभागियों और मेहमानों की सर्वोत्तम मेजबानी करने की पूरी कोशिश करेंगे। मुक्त, शांतिपूर्ण, पुनर्निर्मित! जीतने के लिए कलुश ऑर्केस्ट्रा और हमें वोट देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद! सीएनएन के अनुसार, शनिवार को बैंड की जीत के बाद फ्रंटमैन ओलेग सायुक ने कहा, बहुत-बहुत धन्यवाद। यूक्रेन का समर्थन करने के लिए धन्यवाद। यह जीत हर यूक्रेनी के लिए है। यूक्रेन की जय!

पाकिस्तान : पेशावर में दो सिख व्यापारियों को गोलियों से भूना, दोनों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में दो सिख व्यापारियों की अज्ञात बंदूकधारी ने गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि जिस समय यह घटना हुई उस समय दोनों व्यापारी अपनी दुकान के अंदर बैठे हुए थे, ठीक इसी दौरान बाइक पर सवार दो कातिलों ने दुकान के अंदर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी और थोड़ी देर बाद दोनों फरार हो गए। इधर दोनों व्यापारियों की मौत हो गई।

दरअसल, यह घटना खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों व्यापारी वहां के बाड़ा बाजार नामक एक जगह पर अपनी दुकान चला रहे थे। इनका नाम कुलजीत सिंह (42) और रणजीत सिंह (38) हैं। पेशावर पुलिस ने बताया कि मारे गए दोनों सिख सरबंद के बाटा ताल बाजार में मसाले बेचने वाले दुकानदार थे। दोनों दुकान में ही थे कि इसी दौरान बाइक पर आए दो कातिलों ने दुकान के अंदर अंधाधुंध

फायरिंग कर दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू की। फिलहाल अभी तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। घटना के बाद खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान ने हमले की निंदा की है और हमलावरों को पकड़ने के पुलिस को निर्देश दिए। उन्होंने घटना को समुदायों के बीच विश्वास भंग करने की साजिश करार दिया। खान ने कहा कि मृतकों के परिवारों को न्याय दिलाया जाएगा।

इधर भाजपा नेता मनजिंदर सिरसा ने कहा कि पाकिस्तान में सिखों को डराया जा रहा है कि वह पेशावर छोड़ दें। इस बारे में कई बार पाकिस्तान सरकार को कहा भी गया लेकिन वह कोई कदम नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में सिखों की गिनती थोड़ी है, इसलिए उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

बता दें कि पेशावर में सिख समुदाय के करीब 15 हजार लोग रहते हैं। इनमें से अधिकांश प्रांतीय राजधानी के समीप जोगन शाह में रहते हैं। पेशावर में रहने वाले सिख समुदाय के अधिकांश लोग व्यापार करते हैं। कुछ फार्मेसी भी चलाते हैं।

अमेरिका में गोलीबारी, अपराधी को मिल सकती है उम्रकैद की सजा

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क राज्य के बफेलो स्थित एक सुपरमार्केट में एक बंदूकधारी ने कम से कम 10 लोगों की हत्या किये जाने के मामले में आरोपी को उम्रकैद की सजा तक हो सकती है। न्यूयॉर्क में काउंटी शासकीय कार्यालय के अटर्नी जॉन फ्लिन ने शनिवार को कहा, आरोपी पर संविधान में वर्णित प्रथम श्रेणी की हत्या का आरोप है, जिसके तहत उम्रकैद की सजा के मिलने का प्रावधान है। श्री फ्लिन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा,इस व्यक्ति पर प्रथम श्रेणी की हत्या का आरोप है, जो कि न्यूयॉर्क में हत्या का सबसे गंभीर आरोप है। यह गैर जमानती उम्रकैद की सजा है, जो हमारे यहां की सबसे कठोर सजा है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। न्यूयामूर्ति ने फॉरेंसिक जांच के आदेश दिए हैं। अब पांच दिन में इस पर सुनवाई शुरू होगी और फिलहाल जांच चलती रहेगी। श्री फ्लिन के मुताबिक, अधिकारी आरोपी पर आतंकवाद के आरोप लगाने की संभावनाओं का भी मूल्यांकन कर रहे हैं।

अमेरिका : बफेलो सुपरमार्केट में हुई गोलीबारी की जांच कर रहा एफबीआई

वाशिंगटन। अमेरिका में न्यूयॉर्क राज्य के बफेलो स्थित एक सुपरमार्केट में हुई गोलीबारी की जांच फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) करेगा। गौरतलब है कि शनिवार की दोपहर हुई इस गोलीबारी में एक बंदूकधारी ने कम से कम 10 लोगों की हत्या कर दी। इस घटना ने देश में सनसनी पैदा कर दी है। जांच एजेंसी के बफेलो फील्ड कार्यालय के विशेष एजेंट स्टीफन बेलोंगिया ने कहा, यह नस्लीय रूप से प्रेरित एक जघन्य अपराध है। बेलोंगिया ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा,हम इस घटना की जांच घृणित अपराध और नस्लीय रूप से प्रेरित हिंसक उग्रवाद के मामले के रूप में कर रहे हैं। अधिकारी के मुताबिक, अपराधी को हिरासत में ले लिया गया है।

उत्तर कोरिया में कोविड पर रोकथाम के लिए दक्षिण कोरिया ने की बातचीत की पेशकश

सोल। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग-उन की इस घोषणा के बाद कि उनका देश कोविड -19 के प्रकोप के कारण 'बड़ी उथल-पुथल' का सामना कर रहा है, दक्षिण कोरिया ने उसे सहयोग प्रदान करने के लिए उसके साथ कार्य-स्तरीय वार्ता की पेशकश करने की योजना बनायी है। समाचार एजेंसी योनहाप ने एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, सरकार सप्ताह की शुरुआत में उत्तर कोरिया को कार्यकारी स्तर की बैठक आयोजित करने के लिए आधिकारिक तौर पर प्रस्ताव देने के लिए सक्रिय रूप से समीक्षा कर रही है। श्री किम के पहली बार देश में कोविड -19 के प्रकोप को स्वीकार करने के बाद उत्तर कोरिया ने पिछले हफ्ते 'अधिकतम आपातकालीन' वायरस नियंत्रण प्रणाली को लागू करने की घोषणा की थी। पिछले दो साल से देश कोरोना वायरस मुक्त होने का दावा करता रहा है।

सीरिया में इजरायली मिसायल हमले में पांच की मौत दो घायल

यरुशलम। इजरायली वायु सेना के एफ-16 लड़ाकू जेट विमानों ने सीरिया के उत्तर-पश्चिमी शहर मास्याफ और बनियास के बंदरगाह के पास एक शोध केंद्र पर हमला किया, जिसके कारण पांच लोगों की मौत हो गयी तथा दो अन्य लोग घायल हो गए। रूसी केंद्र के उप प्रमुख सीरिया में विरोधी पक्षों से सुलह के लिए स्थापित रूसी केंद्र के उप प्रमुख रियर एडमिरल ओलेग जुरावलेव ने यह जानकारी दी है। उन्होंने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, 13 मई को रात 20:25 से 20:32 तक इजरायली वायु सेना के छह ए-16 लड़ाकू विमानों ने सीरियाई वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र पर 22 निर्देशित मिसाइल हमले किए। ये हमले सीरियाई हवाई क्षेत्र में प्रवेश किए बिना मस्याफ शहर और बनियास बंदरगाह क्षेत्र से किए गए। सीरियाई अरब गणराज्य के वायु रक्षा बलों द्वारा सोलह मिसाइलों और एक मानव रहित हवाई वाहन को नष्ट कर दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

कर्नाटक के इन हिल स्टेशन के बारे में हर ट्रेवलर को जरूर जानना चाहिए

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयार.यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं-

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्मश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयार.य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

दुनिया के इन खूबसूरत बीचेस पर घूमने का है एक अलग ही आनंद

जब भी समर वेकेशन की बात होती है तो लोग अक्सर बीच पर जाना ही पसंद करते हैं। समुद्र तट के किनारे बैठकर कुछ पल फुरसत के बिताने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन यह लुत्फ तब और भी ज्यादा बढ़ जाता है, जब वह बीच भी बेहद साफ व खूबसूरत हो। दरअसल, बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण का असर विश्व में मौजूद बीचेस पर भी पड़ा है, जिसके कारण वह अब पहले जैसे साफ नहीं रह गए हैं। लेकिन फिर भी कुछ ऐसे बीचेस हैं, जो बेहद क्लीन है और इसलिए यहां पर घूमना यकीनन आपको भी काफी अच्छा लगेगा। तो चलिए जानते हैं इन बीचेस के बारे में-

लानिकाई बीच, ओहू, हवाई

लानिकाई बीच बेहद ही खूबसूरत बीच हैं। इस समुद्र तट को खोजने में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन ओहू में टूरिस्ट टैफिक की हलचल से दूर, यह किसी स्वर्ग से कम नहीं है। लुभावना नीला पानी आपको मोहित कर लेगा। सह समुद्र तट मुख्य रूप से अपने पानी के लिए जाना जाता है, और यह आपकी कश्ती, पैडलबोर्ड और तैराकी की जरूरतों को पूरा करने के लिए एकदम सही है।

माया बे, थाईलैंड

थाईलैंड में स्थित शानदार माया बे बीच लगभग 200 मीटर लंबा मुख्य समुद्र तट है और यह अपने पानी के नीचे रंगीन मूंगा, चमकदार साफ पानी और विदेशी मछली के लिए जाना जाता है। इसकी खूबसूरती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि डैनी बॉयल ने लियोनार्डो डिकैप्रियो अभिनीत मूवी द बीच (2000) की शूटिंग के लिए इस खूबसूरत समुद्र तट को चुना।

व्हाइटहेवन बीच, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया

ग्रेट बैरियर रीफ के केंद्र में स्थित, और व्हाट्सुनडे आइलैंड्स नेशनल पार्क के संरक्षित लिफाफे में मौजूद व्हाइटहेवन बीच ऑस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है। बड़े पैमाने पर यह बीच 4.4 मील (7 किमी) तक फैला है। यह समुद्र तट कुछ शुद्ध सफेद सिलिका रेत, और फ़िरोज़ा, नीले और हरे रंग के साफ पानी के मंत्रमुग्ध कर देने वाले दृश्य प्रस्तुत करता है।

लांग बीच, वैंकूवर द्वीप, कनाडा

कनाडा के वैंकूवर द्वीप पर सबसे लंबा रेतीला समुद्र तट, जिसे उपयुक्त रूप से लॉन्ग बीच कहा जाता है, कुछ सबसे शांत दृश्य और अद्भुत समुद्री जंगल प्रदान करता है। प्रशांत रिम नेशनल पार्क रिजर्व के भीतर स्थित यह समुद्र तट 10 मील (16 किमी) तक फैला हुआ है। इसकी खूबसूरत रेत और रेनफोरेस्ट के व्यू इस स्थान को और भी बेहतरीन व खूबसूरत बनाता है।

एलोरा गुफाओं की बात है निराली, जानिए इनके बारे में

एलोरा गुफाएं, उत्तर-पश्चिम-मध्य महाराष्ट्र राज्य में 34 शानदार रॉक-कट मंदिरों की एक श्रृंखला है। वे औरंगाबाद के उत्तर-पश्चिम में 19 मील और अजंता की गुफाओं से 50 मील दक्षिण-पश्चिम में एलोरा गांव के पास स्थित हैं। करीबन 2 किमी की दूरी में फैले इन मंदिरों को बेसाल्टिक चट्टानों से काटा गया था और इनमें विस्तृत अग्रभाग और आंतरिक दीवारें हैं। एलोरा परिसर को 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था। ये लुभावनी गुफाएं अपनी मूर्तियों और वास्तुकला के लिए निश्चित रूप से देखने लायक हैं। तो चलिए आज हम आपको एलोरा गुफाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

धार्मिक विविधता का है प्रतीक

एलोरा की गुफाएं न केवल तीन महान धर्मों (बौद्ध, ब्राह्मणवाद और जैन धर्म) की गवाही देती हैं, बल्कि वे सहिष्णुता की भावना, प्राचीन भारत की विशेषता को भी दर्शाती हैं, जिसने इन तीनों धर्मों को अपने अभयारण्यों और अपने समुदायों को एक ही स्थान पर स्थापित करने की अनुमति दी। 12 बौद्ध गुफाएं (दक्षिण में) लगभग 200 ईसा पूर्व से 600 सीई तक, 17 हिंदू मंदिर (केंद्र में) लगभग 500 से 900 सीई तक और 5 जैन मंदिर (उत्तर में) लगभग 800 से 1000 सीई तक बनाई गई हैं। एलोरा ने मठों (विहारों) और मंदिरों (चैत्य) के एक समूह के रूप में कार्य किया।

कैलासा गुफा है बेहद प्रसिद्ध

गुफा मंदिरों में सबसे उल्लेखनीय कैलासा (कैलासनाथ गुफा 16) है, जिसका नाम हिमालय के कैलास रेंज में पर्वत के लिए रखा गया है जहां हिंदू भगवान शिव निवास करते हैं। साइट पर अन्य मंदिरों के विपरीत, जो पहले चट्टान के चेहरे में क्षैतिज रूप से खोदे गए थे, कैलासा परिसर को बेसाल्टिक ढलान से नीचे की ओर खोदा गया था और इसलिए यह काफी हद तक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में है। 8 वीं शताब्दी में मंदिर का निर्माण, कृष्ण प्रथम के शासनकाल में शुरू हुआ। इसमें सीढ़ियों, दरवाजों, खिड़कियों और कई निश्चित मूर्तियों के साथ विस्तृत नक्काशीदार मोनोलिथ और हॉल हैं। इसकी बेहतर सजावट में से एक विष्णु का एक दृश्य है जो एक नरसिंह में बदल गए। प्रवेश द्वार के ठीक बाहर, मुख्य प्रांगण में, शिव के बैल नंदी का एक स्मारक है। हॉल के भीतर चित्रण में 10 सिरों वाले राक्षस राजा रावण ने ताकत के प्रदर्शन में कैलास पर्वत को हिलाने का दृश्य भी मौजूद है।

जैन गुफाएं

जैन मंदिरों में उल्लेखनीय गुफा 32 है, जिसमें कमल के फूलों और अन्य विस्तृत आभूषणों की बारीक नक्काशी शामिल है। हर साल ये गुफाएं धार्मिक तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की बड़ी भीड़ को आकर्षित करती हैं। शास्त्रीय नृत्य और संगीत का वार्षिक एलोरा महोत्सव मार्च के तीसरे सप्ताह में वहाँ आयोजित किया जाता है।